04 - डिजिटल युग की गोपनीयता का संकट

05 - हमारी जड़ों से पुनः जुड़ने का आह्वान हनुमान जयंती

06 - बैतूल-बरेठा घाट में हाईवे निर्माण का रास्ता साफ, सभी अनुमतियां...

07 - स्कूल चले अभियान के तहत भोज कन्या विद्यालय में जिला स्तरीय...

सुबह सवेरे

A Daily News Magazine
इंदौर
गुरुवार, 2 अप्रैल, 2026

इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 11 अंक 179, नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

केरल चुनाव: कांग्रेस के लिए अच्छा मौका, लेकिन क्या लाभ उठा पाएगी?

आनंद कोचुकुडी

केरल के नेशनल हाईवे पर गाड़ी चलाते हुए ऐसा लगता है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट पूरी तरह गायब है। ज्यादातर बड़े-बड़े होर्डिंग्स पर मुख्यमंत्री पिनराई विजयन मुस्कुराते हुए नजर आते हैं, जिन पर लिखा है, 'एलडीएफ के अलावा और कौन?' बीच-बीच में भारतीय जनता पार्टी के होर्डिंग्स भी दिखते हैं, लेकिन यूडीएफ की मौजूदगी सिर्फ वी डी सतीशन की फरवरी वाली 'पुथु युगा यात्रा' तक सीमित है।

कांग्रेस नेता स्कूल के बच्चों की तरह बार-बार बहाने बनाते हुए 'संसाधनों' की कमी का हवाला देते हैं। लेकिन इससे उनकी खराब योजना सामने आती है, जो लंबे समय तक चले उम्मीदवार चयन और आखिरी समय में सीट बंटवारे में साफ दिखी। चुनाव जल्दी कराने के लिए चुनाव आयोग को और ऐसी अटकलें फैलाने के लिए मीडिया को दोष देकर कांग्रेस हमेशा की तरह खुद को पीड़ित दिखा रही है। फिर भी मुकाबले की असमानता यहीं खत्म हो जाती है। 2001 के बाद पहली बार कांग्रेस इतनी मजबूत स्थिति में है, जब यूडीएफ ने 140 में से 100 सीटें जीती थीं। यह बढ़त सिर्फ विजयन सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी की वजह से नहीं, बल्कि दिसंबर में हुए स्थानीय निकाय चुनावों में यूडीएफ की जीत से भी मिली है। केरल की राजनीति में 1995 से स्थानीय चुनाव भविष्य का संकेत देते रहे हैं। 2020 में भी ऐसा ही हुआ था, जिसने 2021 में वाम मोर्चे की वापसी का संकेत दिया था।

हालांकि, कांग्रेस के लिए जीत के मुंह से हार छीन लेना कोई नई बात नहीं है। साथ ही, एलडीएफ का बड़ा जनसंपर्क अभियान मतदाताओं पर मनोवैज्ञानिक असर डाल सकता है, भले ही कुछ वोटर पहले ही अपना फैसला कर चुके हों।

अंदरूनी राजनीतिक धाराएं आमतौर पर चुनाव के बाद ही समझ में आती हैं। इस चुनाव में एक बड़ा मुद्दा यह है कि अल्पसंख्यक यूडीएफ के पीछे एकजुट हो रहे हैं। यूडीएफ राज्य के मुस्लिम और ईसाई अल्पसंख्यकों का पारंपरिक मंच रहा है, जबकि मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी को एक तरह से 'हिंदू पार्टी' माना जाता है। हाल के समय में, सीपीआई-एम के नेतृत्व वाला एलडीएफ अल्पसंख्यकों, खासकर मुस्लिम समुदाय को अपने साथ लाने की कोशिश कर रहा है, ताकि उसके हिंदू वोटों के कुछ हिस्से के बीजेपी की ओर जाने की भरपाई हो सके। 2021 में एलडीएफ की बड़ी जीत इसी बदलाव की वजह से हुई थी, जब यूडीएफ अपने वोटरों को एकजुट नहीं रख पाया था। लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव में फिलिस्तीन समर्थन और सीएए के मुद्दे पर अपेक्षित लाभ न मिलने के बाद, वामपंथ ने अपनी राजनीतिक रणनीति बदल दी।

एसएनडीपी योगम और नायर सर्विस सोसाइटी जैसे संगठनों का समर्थन लेकर और जमात-ए-इस्लामी के यूडीएफ से संबंधों को मुद्दा बनाकर, वामपंथ लगातार बहुसंख्यक भावनाओं को उभार रहा है। इसका असर स्थानीय निकाय चुनावों में भी दिखा, भले ही यूडीएफ जीत गया। एलडीएफ अपने कुछ हिंदू वोटरों को वापस लाने में सफल रहा, जो पहले बीजेपी को वोट दे चुके थे। सबरीमाला सोना चोरी मामले के बावजूद वामपंथ यह बदलाव लाने में सफल रहा। यह बदलाव खासकर तिरुवनंतपुरम और त्रिशूर जिलों में साफ दिखा, और कुछ हद तक पलक्कड़ और अलाप्पुझा में भी. इससे वामपंथ का आत्मविश्वास बढ़ा है और वह अपने हिंदू वोट बैंक को और मजबूत करने के लिए 'सॉफ्ट हिंदुत्व' तक का इस्तेमाल कर रहा है।

केरल की 'धर्मनिरपेक्ष राजनीति' का एक ऐसा पक्ष भी है जो बाहर से दिखने जितना अच्छा नहीं है। राज्य के चुनावी इतिहास में कई बार धार्मिक और जातीय भावनाओं ने नतीजों को प्रभावित किया है। सूक्ष्म संदेशों को समझने में ईएमएस नंबूदरीपाद माहिर थे।

लंबे समय तक केरल की राजनीति वामपंथ और विरोधी वामपंथ के बीच बंटी रही, जो बीजेपी के आने के बाद धीरे-धीरे बदल रही है। वामपंथी खेमे को कभी भी विरोधी खेमे से ज्यादा बढ़त नहीं मिली, इसलिए उन्हें सत्ता में आने के लिए अपने आधार से बाहर के वोटरों को भी जोड़ना पड़ता था। 1959 में 'विमोचन आंदोलन' के बाद पहली कम्युनिस्ट सरकार को हटाने की परिस्थितियों पर बाद में सवाल उठे, लेकिन इसकी पृष्ठभूमि पहले से बनी हुई थी। नवंबर 1956 में केरल राज्य बनने से पहले त्रावणकोर-कोचीन राज्य में पनमपल्ली गोविंद मेनन के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार थी। 1957 में केरल में पहला विधानसभा चुनाव हुआ, तब राज्य में राष्ट्रपति शासन था।

चुनावों में बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक भावनाओं को वामपंथ द्वारा सूक्ष्म तरीके से उभारने का यह पैटर्न केरल की राजनीति में लंबे समय से देखा गया है, हालांकि कांग्रेस ने भी कभी-कभी ऐसा किया है, जैसे 'विमोचन आंदोलन' के दौरान। 1987 के विधानसभा चुनाव में वामपंथ ने 'सॉफ्ट हिंदुत्व' का इस्तेमाल किया। 1990 के दशक में जनसंख्या में बदलाव के साथ, वामपंथ ने अल्पसंख्यक भावनाओं को भी उभारना शुरू किया। मुस्लिम वोट बैंक को ज्यादा भावनात्मक माना जाता है, जो वैश्विक घटनाओं से भी प्रभावित होकर बदल सकता है, जबकि हिंदू वोट बैंक ज्यादा सूक्ष्म संदेशों से प्रभावित होता है। ईसाई वोटर सबसे ज्यादा स्विंग वोटर माने जाते हैं। इसके अलावा राजनीतिक आधार पर भी वोटिंग होती है। दक्षिण और मध्य केरल में वोटरों को प्रभावित करना आसान है, जबकि मलाबार में वोटिंग ज्यादा राजनीतिक होती है, जहां 60 सीटें हैं। कन्नूर और पलक्कड़ जैसे मार्क्सवादी गढ़ों के कारण वामपंथ को मलाबार में कठिन परिस्थितियों में भी 50 प्रतिशत सीटें मिलने का भरोसा रहता है। इससे बाकी राज्य चुनाव का मुख्य मैदान बन जाता है।

बीजेपी के एक मजबूत तीसरे विकल्प के रूप में उभरने से कई समीकरण बदल गए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में 20 प्रतिशत वोट हासिल करने के बाद बीजेपी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 2026 के विधानसभा चुनाव में 140 में से करीब एक-तिहाई सीटों पर बीजेपी का वोट शेयर जीत-हार तय कर सकता है। कांग्रेस पहले ही वामपंथ और बीजेपी के बीच 'समझौते' का आरोप लगा चुकी है। भले ही कोई औपचारिक समझौता न हो, लेकिन उम्मीदवारों का चयन ही वोट ट्रांसफर को प्रभावित कर सकता है। यूडीएफ के साथ अल्पसंख्यक समुदायों के जुड़ने और वामपंथ द्वारा सॉफ्ट हिंदुत्व अपनाने के कारण, एलडीएफ और एनडीए के वोटरों के बीच कुछ हद तक वोट ट्रांसफर संभव है, जिसका नुकसान यूडीएफ को हो सकता है। सवाल यह है कि जहां बीजेपी जीतने की स्थिति में नहीं होगी, क्या वहां हिंदू वोटर एलडीएफ की ओर जाएंगे? या फिर विजयन सरकार के खिलाफ एंटी-इंकंबेंसी इस बदलाव को खत्म कर देगी?

(दि प्रिंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

शरद की सुबह

सोचो तो आखिर आदमी के
जीवन में रखा ही क्या है
वह मुश्किल से रोता-तड़पता जन्म लेता है
फिर रोज़-रोज़ बढ़ती
जाती हैं उसकी मुश्किलें
उन सबके बीच वह हँसता-गाता
लड़ता-झगड़ता है
कई बार हो जाता है इस
दुनिया से असहमत
कभी बीच में दख़ल देकर
कहता है एक दिन
ऐसा नहीं बल्कि ऐसा होना चाहिए
आदमी का जीवन
वरना आदमी ज़िंदा होते हुए भी मर जाता है
यह कहते ही वह घेर लिया जाता है चारों तरफ़ से
घिरे हुए आदमी की फिर
कभी कम नहीं होतीं मुसीबतें
हर आदमी मरता तो है ही एक दिन
लेकिन दिक्कत यहाँ से शुरू होती है कि उसे हमेशा
उस एक दिन से पहले ही मार दिया जाता है
यह कह कर कि एक आदमी के जीवन में
रखा ही क्या है आखिर।

- कुमार अंबुज

'स्कूल चलें हम' मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम-2026 का किया शुभारंभ

शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का बढ़ा आकर्षण : सीएम

● शासकीय विद्यालयों के नामांकन में 32.4 प्रतिशत की वृद्धि, सशक्त हो रहे भरोसे का परिचायक ● विकासखंड स्तर पर लगेंगे बुक फेयर, निजी स्कूलों के बच्चों को भी मिलेंगी सस्ती पुस्तकें ● राज्य सरकार विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य के लिए संकल्पित ● मुख्यमंत्री ने बच्चों को निःशुल्क साइकिल और पुस्तकें की वितरित

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि देश के विकास के लिए राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कदम से कदम मिलाकर चल रही है। प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक 'स्कूल चले हम' अभियान चलेगा और बच्चों को स्कूलों में प्रवेश दिया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शासकीय स्कूलों में ड्रॉप आउट की संख्या शून्य करने पर स्कूल शिक्षा विभाग को बधाई दी। उन्होंने कहा कि शासकीय स्कूलों में कक्षा 1, 6 और 9 में प्रवेश प्रक्रिया को सरल बनाया गया है, जिससे वर्ष 2025-26 में कुल नामांकन में 19.6 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में भी 32.4 प्रतिशत की प्रगति दर्ज की गई है। यह शासकीय स्कूलों पर बढ़ते विश्वास का परिचायक है। राज्य सरकार ने मौजूदा सत्र में स्कूलों में 1 करोड़ 45 लाख नामांकन करने का लक्ष्य रखा है।

बच्चे पढ़-लिखकर बनें डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 'स्कूल चले हम' अभियान बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का एक अभिनव प्रयास है। प्रदेश के सभी 55 जिलों के प्रत्येक गांव का एक-एक बच्चा स्कूल में प्रवेश ले रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह सुनिश्चित किया है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे। प्रदेश में बड़े पैमाने पर शासकीय स्कूलों के प्रति अभिभावकों और बच्चों का आकर्षण बढ़ा है। इनमें ड्रॉप आउट खत्म करने के लिए शिक्षकों के साथ समाज के हर वर्ग ने संकल्प के साथ मेहनत की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बच्चों को स्कूल आने-जाने के लिए निःशुल्क साइकिलें वितरित की गई हैं। आगामी 3 से 4 महीने तक शासकीय स्कूलों के 4 लाख बच्चों को साइकिलें मिलेंगी। विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क गणवेश, किताबें और भोजन की व्यवस्था की जा रही है। हमारे बच्चे डॉक्टर, इंजीनियर और उद्यमी बनें, उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए स्कूली शिक्षा व्यवस्था को सशक्त किया जा रहा है।

प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की प्रवेश दर में हुई बढ़ोतरी

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा कि आज का दिन स्कूल शिक्षा विभाग के लिए दिवाली जैसा है। हम सभी स्कूली बच्चों का विद्यालयों में स्वागत कर रहे हैं। प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की प्रवेश दर में वृद्धि हुई है। अब तक 1 करोड़ बच्चों का नामांकन किया जा चुका है। पहली कक्षा से लेकर हाईस्कूल और हायर सेकेंड्री क्लास तक बच्चों का नामांकन किया जा रहा है। स्कूली विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिलें और पुस्तकें वितरित की जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि विकासखंड स्तर पर बुक फेयर लगाए जाएं, जहां शासकीय के साथ निजी स्कूलों के बच्चों को भी पाठ्यपुस्तक निगम की सस्ती पुस्तकों का लाभ मिल सके।

प्रदेश में आंधी-तूफान के साथ बारिश, ओले भी गिरे

● जबलपुर, सिवनी समेत 15 जिलों में अलर्ट, इंदौर-शहडोल समेत 11 जिलों में आंधी-तूफान की चेतावनी

भोपाल में बारिश, सीहोर में गिरे ओले

भोपाल (नप्र)। प्रदेश में आंधी तूफान के साथ बारिश और ओले गिरने की खबर थी। भोपाल के कई इलाकों में बुधवार दोपहर गरज-चमक के साथ बारिश हुई। अचानक बदले मौसम से लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत मिली। वहीं सीहोर में मौसम का असर ज्यादा तेज नजर आया। यहां तेज आंधी-तूफान के साथ बारिश में जमकर ओले गिरे। मौसम विभाग ने अगले कुछ घंटों में जबलपुर, सिवनी, मंडला समेत 15 जिलों में ओले गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा इंदौर, डिंडौरी, अनूपपुर, उमरिया, शहडोल, छिंदवाड़ा, रायसेन, शाजापुर, नीमच, मंदसौर और देवास में बिजली चमकने, हल्की आंधी और ओले गिरने की संभावना जताई है।

अप्रैल में तेज गर्मी का ट्रेंड, हीट वेव भी चलेगी

वर्तमान में प्रदेश में साइक्लोनिक सकुर्लेशन और ट्रफ सक्रिय हैं। 2 अप्रैल से वेस्टर्न डिस्टरबेंस भी सक्रिय होगा। इससे 4 अप्रैल तक कहीं आंधी और कहीं बारिश हो सकती है। इसके बाद सिस्टम लौटेगा और गर्मी का दौर शुरू होगा। दूसरे सप्ताह में तेज गर्मी पड़ेगी। अप्रैल के आखिरी सप्ताह में ग्वालियर, धार, खरगोन, बड़वानी, नौगांव-खजुराहो में तापमान 44-45 डिग्री तक जा सकता है। दतिया, मुरैना, श्योपुर, बड़वानी, खरगोन और धार में भी बढ़ोतरी होगी। अप्रैल में दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में गर्म हवाएं चलती हैं, जिससे भीषण गर्मी पड़ती है।

महंगाई का झटका!

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम पहुंचे 2 हजार के पार

अब दूध हुआ महंगा, 4 रू. प्रति लीटर तक बढ़े दाम

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। पेट्रोल, डीजल और एलपीजी के बाद अब दूध भी महंगा हो गया है। गर्मियों के मौसम में पशु आहार की बढ़ती कीमतों

के कारण मध्य प्रदेश के कई स्थानों में विक्रेताओं ने बुधवार से दूध के खुदरा दामों में दो से चार रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया। विक्रेताओं के एक संगठन के अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं आज 1 अप्रैल से कमर्शियल एलपीजी सिलिंडर की कीमतों में 195.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई।

पेट्रोल-डीजल हुआ महंगा- आज से ही प्राइवेट फ्यूल रिटेलर कंपनी शेल इंडिया ने अपने आउटलेट्स पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी की है। इससे पहले नायरा एनर्जी भी तेल के दाम बढ़ा चुकी है। बेंगलुरु में शेल आउटलेट्स पर पेट्रोल की कीमतों में 7.41 प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई है। अब सामान्य पेट्रोल की कीमत 119.85 और प्रीमियम पावर वेरिएंट की कीमत 129.85 प्रति लीटर हो गई है। डीजल की कीमतों में इससे भी अधिक 25.01 प्रति लीटर की भारी वृद्धि हुई है। सामान्य डीजल बढ़कर 123.52 और प्रीमियम डीजल 133.52 प्रति लीटर पर पहुंच गया है। इससे पहले शेल ने कुछ स्टेशंस पर पेट्रोल में कीमतों में 2

● पीएम मोदी ने असम में किया चुनाव प्रचार

चाय और चिप से होगी राज्य की पहचान

● कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की, असम में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/ कोलकाता/ चेन्नई (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है। वे धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि एक समय था जब दुनिया में असम की चर्चा चाय के लिए होती थी। अब दुनिया असम को चाय के साथ-साथ चिप से पहचानेगी। टीवी, फ्रिज, गाड़ियां, मोबाइल असम की चिप से चलेंगे। दुनिया में असम की पहचान चाय और और चिप से होगी।

इससे पहले उन्होंने डिब्रूगढ़ में चाय बागान का दौरा किया। वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की और सेल्फी ली। पीएम ने यहां चाय की पत्ती भी तोड़ी।

प्रियंका गांधी बोलीं- असम में धमकी वाली सरकार है

कांग्रेस के प्रचार के लिए असम के शिवसागर पहुंची कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- यह एक भ्रष्ट सरकार है। लोग देख सकते हैं कि कैसे सब कुछ धमकियों के जरिए किया जा रहा है। यहां माफिया राज है, सिंडिकेट राज है। मुझे लगता है कि लोग थक चुके हैं। वे चाहते हैं कि वही असम फिर से उभरे जो कभी हुआ करता था। वे एक ऐसी नई सरकार चाहते हैं जो सिर्फ लोगों की सेवा के लिए काम करे। लोग जानते हैं कि हमारे नेता ईमानदार हैं और वे उन्हें आगे लाना चाहते हैं।

भाजपा के लोग हमारा पैसा लूट रहे हैं : ममता

सीएम ममता बनर्जी ने कहा, जब बंगाल आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले रहा था, तब भाजपा का जन्म भी नहीं हुआ था। वे हमारा पैसा लूट रहे हैं और झूठ बोल रहे हैं। वे राम नवमी पर बंदूकें लेकर निकलते हैं। पश्चिम बंगाल के बीरभूम में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने 2026 विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी पर तीखा हमला बोला। जनसभा को संबोधित करते हुए ममता ने कहा, बीजेपी को ऐसा हराओ कि वह फिर कभी खड़ी न हो सके।

हमने सम्मान दिलाया

मोदी ने कहा- कांग्रेस ने भारत रत्न भूपेन हजारिका का अपमान किया। कांग्रेस के वर्तमान अध्यक्ष ने हजारिका को मिले भारत रत्न का मजाक उड़ाया। बाबूछवि लाल उपाध्याय असम कांग्रेस के थे। कांग्रेस ने उन्हें भी भुला दिया। लेकिन हमने उनके नाम से इंजीनियरिंग कॉलेज बनाया, उनकी प्रतिमा लगाई।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 20 °c | न्यूनतम 18°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ गुरुवार, 2 अप्रैल 2026

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्रोग्राम में सीएम योगी ने साधा निशाना

यूपी से कूड़े की राजनीति बाहर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इन दिनों चुनावी मोड में आते दिख रहे हैं। लगातार विपक्ष उनके निशाने पर है। नोएडा में जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन समारोह के बाद से विपक्ष पर योगी का वार लगातार बढ़ रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निशाने पर समाजवादी पार्टी और कांग्रेस विशेष रूप से है। सीएम योगी ने बुधवार को लखनऊ में पर्यावरण अनुकूल कचरा प्रबंधन वाहनों के एक बेड़े को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोला। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारी सरकार ने राज्य से कचरे की राजनीति को हटा दिया है। मुख्यमंत्री लखनऊ में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट को मजबूत करने के लिए करीब 250 इलेक्ट्रिक और सीएनजी से चलने वाले वाहनों को हरी झंडी दिखाने के बाद एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान उनके निशाने पर अखिलेश यादव की पिछली सरकार रही। सीएम योगी ने कहा कि हमने और उत्तर प्रदेश के लोगों ने कचरे की राजनीति को उखाड़ फेंका है। पहले शासन और सोच दोनों गंदगी से भरे हुए थे, जिससे गंदगी और बीमारियां फैलती थीं।

महाकाल के दरबार में पहुँचे अक्षय-टाइगर

- नंदी के कान में कही मनोकामना, बोले- देश की तरक्की की कामना की

उज्जैन (एजेंसी)। उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में बुधवार तड़के बॉलीवुड सितारों की आस्था देखने को मिली। प्रसिद्ध अभिनेता अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ और वरिष्ठ अभिनेत्री डिंपल कपाड़िया बाबा महाकाल के दर्शन के लिए मंदिर पहुंचे।

नंदी हाल में बैठकर किया जाप, जल अर्पित कर लिया आशीर्वाद- तीनों कलाकार सुबह करीब 6 बजे मंदिर पहुंचे। यहां नंदी हाल में बैठकर भगवान महाकाल के दर्शन किए और जाप करते नजर आए। अक्षय कुमार और टाइगर श्रॉफ ने नंदी जी का पूजन कर उनके कान में अपनी मनोकामना भी कही। इसके बाद तीनों ने गर्भगृह की देहरी से दर्शन कर भगवान को जल अर्पित किया।

मेरठ- कचहरी को बम से उड़ाने की मिली धमकी

- परिसर खाली कराया गया, जांच में जुटी थी पुलिस

मेरठ (एजेंसी)। मेरठ में कचहरी को बम से उड़ाने की धमकी मिली। धमकी के बाद पूरे कचहरी परिसर को खाली करा लिया गया। पुलिस बल तैनात कर सर्च कराया गया। अदालतों में प्रवेश रोक दिया गया है। जानकारी के मुताबिक, कचहरी परिसर में एक अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर अदालतों को बम से उड़ाने की धमकी दी। सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन ने बम निरोधक दस्ता और डॉग स्क्वाड को मौके पर बुलाया। पुलिस ने कचहरी की सभी इमारतों को खाली करा दिया। सुरक्षा एजेंसियों ने कचहरी के हर हिस्से की गहन तलाशी ली। संभावित खतरे को देखते हुए मुख्य गेट सहित सभी प्रवेश मार्गों को बंद कर दिया गया।

एमपी में कांग्रेस को झटका

- दतिया विधायक राजेंद्र भारती दोषी, 25 साल पुराने बैंक घोटाले में भेजे गए तिहाड़ जेल

दतिया (नप्र)। मध्यप्रदेश की राजनीति में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी के मामले में अदालत ने दोषी करार दिया है। करीब 25 साल पुराने बैंक घोटाले मामले में दिल्ली की विशेष एमपी/एमएलए कोर्ट ने सुनवाई करते हुए उन्हें दोषी मानते हुए तिहाड़ जेल भेज दिया है। सजा की अवधि का ऐलान कोर्ट कल करेगा।

यह मामला जिला सहकारी कृषि ग्रामीण विकास बैंक, दतिया से जुड़ा है। आरोप है कि बैंक अध्यक्ष रहते हुए राजेंद्र भारती ने फर्जी दस्तावेज तैयार कर और रिकॉर्ड में हेरफेर कर फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) में गड़बड़ी की। उन्होंने नियमों के विरुद्ध जाकर 13.5 प्रतिशत की ऊंची ब्याज दर का अनुचित लाभ लिया और स्वष्ठ की अवधि को अवैध रूप से बढ़ाकर बैंक को लाखों रुपये का नुकसान पहुंचाया।

रतलाम सीजीएसटी में सीबीआई की रेड

असिस्टेंट कमिश्नर 1.5 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार, विभाग में हड़कंप

रतलाम (नप्र)। मध्य प्रदेश में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सीजीएसटी रतलाम के सहायक आयुक्त को डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उन्होंने एक फर्म पर जीएसटी से जुड़ी कार्रवाई न करने के एवज में रिश्वत की मांग की थी। जानकारी अनुसार मध्य प्रदेश के रतलाम में सीबीआई ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। सीबीआई ने यहां के सीजीएसटी दफ्तर पर छापामार कार्रवाई करते हुए सहायक आयुक्त शंकर परमार को 1.5 लाख रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उनके साथ एक अन्य सुरेश मनसुखानी को भी सह आरोपी बनाया गया है। कार्रवाई के बाद जीएसटी

दफ्तार में हड़कंप मच गया।

फर्म पर कार्रवाई न करने के एवज में मांगी थी रिश्वत- मामले में जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार सीबीआई भोपाल मुख्यालय को रतलाम जिले के एक फर्म संचालक शिकायत की थी कि, सीजीएसटी के सहायक आयुक्त शंकर परमार व उनके एक निजी सहयोगी व्यक्ति द्वारा फर्म पर जीएसटी की कार्रवाई न करने के एवज में 5 लाख रुपए की मांग की गई थी। सीबीआई ने शिकायत का सत्यापन करने के बाद ट्रैप की योजना बनाई थी।

पहली किस्त लेते ही धरे गये सहायक आयुक्त- सीबीआई ने प्लानिंग के तहत फर्म संचालक को रिश्वत की पहली किस्त डेढ़ लाख रुपए लेकर भेजा था।

सहायक आयुक्त के पास यह रिश्वत की रकम जैसे ही पहुंची, सीबीआई ने तत्काल कार्यालय में दबिश देकर उन्हें धरदबोचा।

हनुमान जयंती पर आस्था का केंद्र हैं यह मंदिर

मन्नत पूरी होने पर चढ़ाते हैं चिमटे, पीपल के पेड़ और 'वासुदेव महाराज' की मान्यता

भोपाल (नप्र)। भोपाल के न्यू मार्केट स्थित शनि मंदिर में हनुमान जयंती पर श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ उमड़ रही है। यहां हनुमंत लाल की विशाल मूर्ति, पीपल के पेड़ से जुड़ी अनोखी मान्यता और मन्नत पूरी होने पर चिमटे चढ़ाने की परंपरा इसे शहर के प्रमुख आस्था केंद्रों में शामिल करती है।

स्वप्न से हुई स्थापना, 30-40 साल पुराना मंदिरः पंडित अरुण बुचके - मंदिर के पुजारी पंडित अरुण बुचके महाराज के अनुसार, यह स्थल करीब 30 से 40 वर्ष पुराना है। इसकी शुरुआत एक आध्यात्मिक अनुभव से जुड़ी है, जब उन्हें स्वप्न में यहां आने का संकेत मिला।

इसके बाद उन्होंने यहां सेवा शुरू की और धीरे-धीरे मंदिर में श्रद्धालुओं की आस्था बढ़ती चली गई, जिससे यह जागृत धाम के रूप में स्थापित हो गया।

'वासुदेव महाराज' पीपल पेड़ की अनोखी मान्यता- मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता 'वासुदेव महाराज' के नाम से प्रसिद्ध पीपल का पेड़ है। मान्यता है कि यहां मन्नत मांगने के बाद जब भक्त की इच्छा पूरी होती है, तो वे चिमटा चढ़ाते हैं। ये चिमटे पेड़ पर इस तरह टिके रहते हैं कि गिरते नहीं, चाहे तेज बारिश या हवा ही क्यों न हो। इसे भक्त चमत्कार के रूप में देखते हैं।

एक भक्त की मन्नत से शुरू हुई परंपरा- पंडित अरुण बुचके महाराज बताते हैं कि करीब 20-30 साल पहले एक भक्त को सपना आया था, जिसके बाद वह यहां मन्नत मांगने पहुंचा। उसकी इच्छा पूरी होने पर उसने चिमटा चढ़ाया। इसके बाद यह परंपरा शुरू हुई और आज हजारों की संख्या में चिमटे पेड़ पर चढ़ाए जा चुके हैं। महिलाएं पीपल के पेड़ पर सूत बांधती हैं और उसी में चिमटे स्थापित कर दिए जाते हैं।

शनिवार और शनि जयंती पर उमड़ती है भीड़- मंदिर में हर शनिवार को एक से दो हजार तक श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं। पंडित अरुण बुचके महाराज के अनुसार, शनि जयंती पर यहां विशेष आयोजन होते हैं, जिसमें हर साल करीब दो लाख अंगूठियां श्रद्धालुओं को निःशुल्क वितरित की जाती हैं।

हनुमान जयंती पर विशेष पूजन और भंडारा- हनुमान जयंती के अवसर पर मंदिर में सुबह भगवान का विशेष श्रृंगार किया जाता है। इसके बाद करीब 11 बजे आरती और पूजन होता है। इस दौरान विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जाता है।

सुबह उठे तो कर्मचारियों के मेल पर टर्मिनेशन लेटर था

- ओरेकल ने अचानक 30 हजार कर्मचारी निकाले, भारत पर सबसे ज्यादा असर, 12 हजार लोग शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी आईटी कंपनी ओरेकल ने करीब 30 हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक छंटनी में अकेले भारत के 12 हजार कर्मचारी शामिल है। कर्मचारियों को सुबह 5 से 6 बजे के बीच ई-मेल मिले और कुछ ही मिनटों में उनका सिस्टम एक्सेस बंद कर दिया गया। कंपनी अगले महीने छंटनी का दूसरा दौर भी शुरू कर सकती है।ओरेकल के कई कर्मचारियों के मुताबिक, सुबह जब वें सोकर उठे, तो उनके इनबॉक्स में टर्मिनेशन लेटर था। भारत में पूरी की पूरी टीमों को रातों-रात खत्म कर दिया गया है।

कर्मचारियों से कहा-यही उनका आखिरी वर्किंग डे- अमेरिका, भारत, कनाडा और अन्य क्षेत्रों के कर्मचारियों ने यह खबर मिलने की जानकारी दी, जो 'ओरेकल लीडरशिप' की ओर से भेजी गई थी। बिजनेस इनसाइडर ने ये ईमेल देखा है। आज आपका आखिरी वर्किंग डे है। हमारे संगठन में आपके योगदान के लिए धन्यवाद।

अमेरिका नाटो से अलग हो सकता है

ट्रम्प बोले- इसने जरूरत के वक्त मदद नहीं की, ये कागजी शेर

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी)। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने जमीनी हमला करने के लिए सैनिक भेजने की गलती की तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने

कहा कि देश जरूरत पड़ने पर 6 महीने तक जंग जारी रख सकता है। वहीं हिजबुल्ला का प्रमुख कमांडर इस्माइल हाशेम बेरूत हमले में मारा गया। आईडीएफ ने किया है दावा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि वे नाटो से बाहर निकलने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। उन्होंने नाटो को कागजी शेर बताया। वहीं ब्रिट्रेन ने भी अमेरिका जंग शामिल होने से मना कर दिया।

- **ट्रम्प ने कहा है युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता-** वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अपना लक्ष्य हासिल कर चुका है और ऑपरेशन लास्ट स्टेज में है। बेरूत हमले में मारा गया हिजबुल्ला का प्रमुख कमांडर इस्माइल हाशेम। आईडीएफ ने किया दावा।

होर्मुज स्ट्रेट नहीं खुलेगा

ईरान के सीनियर सांसद अली निकजाद ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट नहीं खोला जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान तब तक दबाव बनाए रखेगा जब तक वह अपने लोगों की मौत का बदला नहीं ले लेता। साथ ही उन्होंने अमेरिका से किसी भी तरह की बातचीत की संभावना को भी खारिज करते हुए कहा कि अब तक कोई वार्ता नहीं हुई है और आगे भी नहीं होगी।

- बंगाल एसआईआर - 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटीं

सुप्रीम कोर्ट बोला- 7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया रहा है।हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है।

- सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को बताया सबसे बड़ा मुकदमेबाज, ठोका 25,000 जुर्माना

सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट के डबल बेंच के एक फैसले को चुनौती देने के लिए केंद्र सरकार पर 25,000 का जुर्माना लगा दिया। मामला एक सीआईएसएफ कॉन्स्टेबल की बर्खास्तगी से जुड़ा है। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने उसकी बर्खास्तगी खत्म करते हुए, उसका 25 प्रतिशत वेतन भी वापस करने का फैसला सुनाया था।सुनवाई के दौरान जस्टिस नागरत्ना ने केंद्र सरकार को सबसे बड़ा मुकदमेबाज बताया और कहा कि इसी वजह से अदालत में इतने केस लंबित हैं। उन्होंने कहा,यह केस जुर्माने के साथ खारिज होना चाहिए। हम चीखते रहे हैं। वहीं मप्र धार भोजशाला विवाद में सुप्रीम कोर्ट ने कहा हाई कोर्ट ही करेगा वीडियो साक्ष्यों पर अंतिम फैसला मध्य प्रदेश के धार में स्थित ऐतिहासिक भोजशाला मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी की है।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाला बिल पास

- लोकसभा में विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक पर हंगामा

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा ने बुधवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2026 को पास कर दिया है। इस बिल के जरिए अमरावती को रज्य की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा मिलेगा।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह बिल पेश किया था। इस पर एक घंटे से ज्यादा बहस हुई, जिसके बाद इसे वॉयस वोट से मंजूरी दे दी गई।

इससे पहले बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने विदेशी अंशदान संशोधन बिल को लेकर हंगामा किया। उन्होंने एफसीआरए बिल वापस लो के नारे लगाए। स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने की अपील की, लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करते रहे।

गुजरात में 15 नगर निगमों के साथ 393 स्थानीय निकाय के चुनावों का ऐलान

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात में 15 नगर निगमों, 84 नगर पालिकाओं, 34 जिला पंचायतों और 260 तहसील पंचायत के चुनावों का ऐलान हो गया है। इन चुनावों के लिए 26 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। बुधवार को गांधीनगर में गुजरात राज्य चुनाव आयोग ने शेड्यूल जारी किया। गुजरात के स्टेट इलेक्शन कमिश्नर डॉ. एस मुरली कृष्णा ने कहा कि 6 अप्रैल से नामांकन दाखिल किए जाएंगे। नामांकन की आखिरी 11 अप्रैल होगी। 13 अप्रैल को नामांकन की जांच होगी। सुबह सात बजे से शाम छह बजे तक वोट डाले जाए सकेंगे।

उप्र में तेज बारिश, ओले भी गिरे

- मप्र-राजस्थान में भी अलर्ट, जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच का खतरा

लखनऊ/शिमला/जयपुर/भोपाल (एजेंसी)। देश के पांच राज्यों में अगले तीन दिन मौसम में बदलाव रहेगा। उत्तर प्रदेश में बुधवार सुबह बारिश हुई, 40 जिलों में अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में मथुरा, जालौन और कन्नौज में ओले गिरे। उधर मप्र में आधे प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर समेत 29 जिलों में अलर्ट है। भोपाल 2 बजे के बाद बारिश शुरु हो गई थी। 4 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम रहेगा। उसके बाद 15 अप्रैल से प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी।

राजस्थान में बारिश की संभावना- राजस्थान में 2 अप्रैल से फिर एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। जिसके चलते बारिश होगी। पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में एवलांच (हिमस्खलन) आया और कई रास्ते बंद हो गए हैं। अगले 24 घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और एवलांच का अलर्ट जारी किया गया है।

19 पुलिसकर्मियों को सम्मानित किया

इंदौर। बेहतर पुलिसिंग को बढ़ावा देने के लिए पुलिस कमिश्नर ने सख्त संदेश के साथ सराहनीय कार्य करने वाले जवानों का सम्मान किया। पलासिया स्थित कार्यालय में आयोजित साप्ताहिक कार्यक्रम में पुलिस आयुक्त संतोष कुमार सिंह ने हत्या सहित विभिन्न गंभीर प्रकरणों का खुलासा करने वाले 19 पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र और नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का उद्देश्य उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाना और बेहतर पुलिसिंग को प्रोत्साहित करना है। इस दौरान राऊ, गांधी नगर, विजय नगर, छोटी ग्वालटोली और रावजी बाजार थाना के कर्मियों को हत्या के मामलों में आरोपियों की गिरफ्तारी और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर खुलासे के लिए सम्मानित किया गया।

छात्रा का भविष्य अधर में, कलेक्टर से गुहार

इंदौर। फीस जमा नहीं कर पाने की मजबूरी अब एक छात्रा के भविष्य पर भारी पड़ती नजर आ रही है। रीवा निवासी छात्रा कुमकुम ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर परीक्षा में बैठने की अनुमति दिलाने की गुहार लगाई है। आवेदन के अनुसार, छात्रा ने वर्ष 2024 में इंदौर के एक निजी संस्थान में बीपीटी कोर्स में प्रवेश लिया था, जहां शुरुआत में 15 हजार रुपये फीस बताई गई थी। छात्रा ने यह राशि जमा भी कर दी, लेकिन बाद में कॉलेज प्रबंधन द्वारा अतिरिक्त फीस की मांग करते हुए लगातार दबाव बनाया जाने लगा। छात्रा का आरोप है कि पूरी फीस जमा नहीं करने पर उसका रजिस्ट्रेशन रोकने और परीक्षा में नहीं बैठने देने की चेतावनी दी गई है। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण वह एकमुश्त राशि जमा करने में असमर्थ है, जिससे वह मानसिक तनाव में है। वहीं, कॉलेज प्रबंधन ने आरोपों को निराधार बताते हुए कहा है कि सभी कार्य नियमों के तहत किए जा रहे हैं। प्रशासन ने मामले में जांच के संकेत दिए हैं।

कॉलेजों में 'नशा मुक्ति समिति' बनेगी

इंदौर। नशे के खिलाफ जन-जागरूकता को मजबूत करने के लिए जिले के सभी कॉलेजों में अब 'नशा मुक्ति समितियों' का गठन किया जाएगा। कलेक्टर शिवम वर्मा की अध्यक्षता में हुई एनसीओआरडी की बैठक में यह अहम निर्णय लिया गया। बैठक में नगर निगम आयुक्त क्षितिज सिंघल, एसपी ग्रामीण यांगचेन भूटिया, डीसीपी ट्रैफिक राजेश त्रिपाठी सहित कई अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने बताया कि नशे के खिलाफ मल्टी-प्रोंग रणनीति के तहत पुलिस, आबकारी और एनसीबी के समन्वय से लगातार कार्रवाई की जा रही है। नई समितियों में विद्यार्थी और फैकल्टी शामिल रहेंगे, जो कैंपस में संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखेंगे और छात्रों को नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करेंगे। बाहरी लोगों द्वारा ड्रग्स सप्लाई की कोशिश पर तुरंत सूचना देकर सख्त कार्रवाई कराई जाएगी। बैठक में ड्रग्स निर्माण में उपयोग होने वाले रसायनों की निगरानी बढ़ाने और उन्हें कानूनी दायरे में लाने पर भी चर्चा हुई। कलेक्टर ने इसे जनभागीदारी से जन आंदोलन बनाने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा को लेकर पोस्टर का विमोचन

इंदौर। सड़क सुरक्षा को लेकर जागरूकता बढ़ाने की दिशा में अहम पहल की गई है। पुलिस आयुक्त ने अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह और यातायात पुलिस उपायुक्त राजेश त्रिपाठी की मौजूदगी में सड़क सुरक्षा जागरूकता पोस्टरों का विमोचन किया। इन पोस्टरों के जरिए आम लोगों को यातायात नियमों और सड़क हादसों से बचने के उपायों के बारे में सरल और प्रभावी तरीके से जानकारी दी गई है, ताकि लोग इन्हें आसानी से समझकर अपने रोजमर्रा के जीवन में अपना सकें। पुलिस ने पोस्टर के माध्यम से सलाह दी कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट, कार चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग करें। निर्धारित गति सीमा का पालन करें। शराब पीकर वाहन न चलाएं। गलत दिशा में वाहन चलाने से बचें। लापरवाही से वाहन चलाकर खुद और दूसरों की जान जोखिम में न डालें। सड़क पर अन्य लोगों का सम्मान करें। ड्राइविंग के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल न करें। यातायात संकेतों और चिन्हों का पालन करें। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे ट्रैफिक नियमों का पालन कर अपनी और दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

फर्जी दस्तावेज से धोखाधड़ी की वारदात

इंदौर। लसूड़िया थाना पुलिस ने धोखाधड़ी के बड़े मामले का खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर बेलमंट पार्क स्थित फ्लैट के फर्जी दस्तावेज तैयार कर खरीदारों से 29 लाख रुपए ठग लिए थे। सहायक पुलिस आयुक्त पराग सैनी के अनुसार, सुदामा नगर निवासी भुवनेश्वर राव और अन्य फरियादियों ने शिकायत दर्ज कराई थी कि राजेश कुशवाह, आशीष पारीक जैन और लव कुशवाह ने मिलकर संपत्ति बेचने का झांसा दिया। आरोपियों ने फ्लैट के नकली कागजात बनाकर अलग-अलग खातों में 29 लाख रुपए जमा करा लिए और बाद में धोखाधड़ी कर फरार हो गए। मामले की जांच के बाद लसूड़िया थाना पुलिस ने आरोपी राजेश कुशवाह निवासी नादिया नगर को गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ में उसने अपने दो साथियों के साथ मिलकर ठगी की वारदात को अंजाम देना स्वीकार कर लिया है। आरोपी के खिलाफ अन्य थानों में भी मामले दर्ज हैं और वह लंबे समय से फरार चल रहा था। अभी उसके दो साथी अभी भी फरार हैं।

ब्लैक फिल्म वाली कार का युवक धराया

इंदौर। ट्रैफिक नियमों की अनदेखी एक युवक को महंगी पड़ गई। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र में पुलिस ने तेज रफ्तार से दौड़ रही ब्लैक फिल्म लगी कार को पकड़कर सख्त कार्रवाई की। जांच में सामने आया कि कार पर न तो वैध नंबर प्लेट थी और न ही नियमों का पालन किया जा रहा था। पुलिस ने मौके पर ही कार से ब्लैक फिल्म हटवाई और युवक पर चालानी कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने युवक से कान पकड़कर सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई, जिसका वीडियो अब चर्चा में है। एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने कहा कि सड़क सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कदम उठाए जाएंगे, ताकि यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित हो सके।

रिटायर कर्मचारियों का गुस्सा फूटा

इंदौर। शासकीय वैष्णव पॉलिटेक्निक कॉलेज के रिटायर कर्मचारियों ने अपने बकाया लाभ नहीं मिलने पर मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को जनसुनवाई में पहुंचे कर्मचारियों ने बताया कि करीब 30-40 में से 14 कर्मचारी रिटायर हो चुके हैं, लेकिन दो से ढाई साल बाद भी उन्हें वित्तीय उपादान और अवकाश नकदीकरण का भुगतान नहीं मिला। कर्मचारियों का कहना है कि संस्था में पेंशन योजना भी लागू नहीं है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति खराब होती जा रही है। कई बार प्रबंधन से शिकायत के बावजूद कोई समाधान नहीं हुआ। हैरानी की बात यह है कि जुलाई 2025 में संस्था को 19 करोड़ रुपये का अनुदान मिल चुका है, फिर भी भुगतान लंबित है। प्रशासन ने मामले में जांच के लिए टीम गठित करने की बात कही है।

'एमपीएल' ऑक्शन में आशुतोष शर्मा का नाम गूंजा, 15 लाख के खिलाड़ी

पहले दिन 244 खिलाड़ियों की नीलामी, फ्रेंचाइजी में प्रतिस्पर्धा

इंदौर। मध्य प्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) के तीसरे सीजन का आगाज इस बार बेहद रोमांचक अंदाज़ में हुआ। इंदौर के ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित पहले ऑक्शन-डे में खिलाड़ियों पर जमकर बोली लगी और 244 खिलाड़ियों की किस्मत का फैसला हुआ। इस आयोजन में 50 लाख रुपये के पर्स के साथ उतरी 10 टीमों ने अपनी रणनीति के अनुसार खिलाड़ियों को खरीदा। ऑक्शन में सबसे ज्यादा सुर्खियां आशुतोष शर्मा ने बटोरीं, जिन्हें मालवा स्टॉलियंस ने 15 लाख रुपए में खरीदकर इस सीजन का सबसे महंगा खिलाड़ी बना दिया। ग्रेड-ए खिलाड़ियों को लेकर फ्रेंचाइजियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली, जहां वेंकटेश अय्यर, रजत पाटीदार और अनिकेत वर्मा जैसे खिलाड़ियों पर भी जोरदार बोली लगी। इस बार एमपीएल का दायरा और बढ़ा है। इस बार लीग का विस्तार करते हुए टीमों की संख्या 7 से बढ़ाकर 10 कर दी गई है, जिससे युवा खिलाड़ियों को अधिक अवसर मिलेंगे। तीन नई पुरुष टीमें मालवा, निमाड़ और उज्जैन शामिल हुई हैं।

किस खिलाड़ी को किसने खरीदा

आशुतोष शर्मा- 15 लाख रुपये में मालवा स्टेलियंस ने खरीदा, अक्षत रघुवंशी- 13.80 लाख में रीवा जगुआर ने खरीदा। , अनिकेत वर्मा- 13 लाख 20 हजार में भोपाल लेपर्ड ने खरीदा, शिवांग कुमार- 13 लाख में बुंदेलखंड बुल्स ने खरीदा, मंगेश यादव- 12 लाख में ग्वालियर चिताज ने खरीदा, आवेश खान - 8.20 लाख में चंबल घड़ियाल ने खरीदा, शिवम शुक्ला - 6.60 लाख में इंदौर पिंक पैंथर ने खरीदा, माधव तिवारी - 10.60 लाख में उज्जैन फाल्कन ने खरीदा, कुमार कार्तिकेय - 10.20 लाख में रॉयल निमाड़ ईगल्स ने खरीदा, सारांश जैन - 9.60 करोड़ में रॉयल निमाड़ ईगल्स ने खरीदा, कुलदीप सेन - 7 लख में बुंदेलखंड बुल्स ने खरीदा।

उम्र सीमा का नियम लागू- एमपीएल में 19 वर्ष से कम उम्र के खिलाड़ियों को भाग लेने की अनुमति नहीं है। यह फैसला भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की नीति के अनुरूप है, जो घरेलू टूर्नामेंट में कम आयु वर्ग के लिए टी-20 मुकाबले नहीं कराती। इसका उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को रेड बॉल क्रिकेट जैसे लंबे प्रारूपों के प्रति गंभीर बनाना है।

महिला क्रिकेट को बढ़ावा- महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए दो नई महिला टीमों का गठन भी किया गया है। एमपीसीए अध्यक्ष महानआर्यमन सिंधिया ने ऑक्शन का शुभारंभ करते हुए कहा कि एमपीएल अब प्रदेश के युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच बन चुका है। नीलामी का संचालन प्रसिद्ध एंकर चारू शर्मा ने किया, जिन्होंने पूरे आयोजन को रोचक और पेशेवर अंदाज में आगे बढ़ाया।

मार्च में ट्रैफिक पुलिस ने 1784 नो पार्किंग में खड़े वाहनों पर व्हील लॉक कार्यवाही की

सरवटे, भमोरी, एयरपोर्ट रोड, भवरकुआ क्षेत्र में सख्ती, बाजारों में भ्रमण

इंदौर। शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुचारू, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से पुलिस आयुक्त इंदौर संतोष कुमार सिंह के मार्गदर्शन में तथा अतिरिक्त पुलिस आयुक्त आरके सिंह एवं पुलिस उपायुक्त (प्रभारी यातायात) राजेश कुमार त्रिपाठी के निर्देशन में यातायात के चारों जोन के लिए विशेष पेट्रोलिंग और व्हील लॉक टीमों द्वारा लगातार सुगम यातायात के लिए कार्यवाही की जा रही। इन टीमों का मुख्य उद्देश्य शहर के व्यस्ततम मार्गों, प्रमुख बाजार क्षेत्रों एवं यातायात दबाव वाले स्थानों पर अव्यवस्थित एवं अवैध पार्किंग पर नियंत्रण कर यातायात को सुगम बनाना है। इस क्रम में यातायात की सभी पेट्रोलिंग टीमों द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में अपने-अपने निर्धारित क्षेत्रों में भ्रमण कर यातायात दबाव एवं अव्यवस्थित पार्किंग की स्थिति का निरीक्षण किया जा रहा है तथा नो पार्किंग का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध व्हील लॉक लगाकर वैधानिक कार्यवाही की गई।

1 से 26 मार्च तक कार्यवाही

पेट्रोलिंग टीमों द्वारा मुख्य मार्गों, बाजारों एवं भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों में सतत भ्रमण करते हुए पीए सिस्टम, बॉडी वॉर्न कैमरा, क्रेन/सपोर्ट वाहन, व्हील लॉक एवं पीओएस मशीन की सहायता से अवैध पार्किंग कर यातायात बाधित करने वाले 1784 वाहन चालकों के विरुद्ध 1 मार्च से 26 मार्च तक कार्यवाही की गई वही हजारो वाहनों को अनाउंसमेंट कर हटाया गया। यातायात पुलिस द्वारा पहले वाहन चालकों को समझाइश एवं चेतावनी दी जा रही, इसके पश्चात नियमों का उल्लंघन जारी रहने पर व्हील लॉक एवं क्रेन के माध्यम से चालानी कार्यवाही की गई।

इन क्षेत्रों में कार्यवाही

- यातायात जोन-1 : कालानी नगर, एयरपोर्ट रोड, बड़ा गणपति से गौराकुंड, इमली बाजार, अंतिम चौराहा, मरीमाता से बाणगंगा तक कार्रवाई।
- यातायात जोन-2 : मालवामिल से पाटनीपुरा, भमोरी, एलआईजी, रसोमा, मेदांता रोड, बंगाली, विजयनगर क्षेत्र में कार्यवाही।
- यातायात जोन-3 : सरवटे स्टैंड, रेलवे स्टेशन, जेल रोड, एमटीएच, आरएनटी मार्ग, एमजी रोड, व्हाइट चर्च से दवा बाजार, मधु मिलन, जंजीरवाला, पलासिया से व्हाईट चर्च, घंटाघर से गीता भवन सड़क के दोनों तरफ कार्यवाही।

प्रॉपर्टी के ठगी गिरोह पर शिकंजा महिला आरोपी सायरा गिरफ्तार

35 लाख की धोखाधड़ी में तीन गिरफ्तारी, फ्लैट दो को बेचा

इंदौर। फ्लैट विक्रय के नाम से ठगी करने वाली शातिर महिला आरोपी सायरा को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार कर लिया। सायरा और उसके साथियों ने 35 लाख के फ्लैट बेचने और रजिस्ट्री करने में धोखाधड़ी की। इस मामले में पहले भी दो आरोपियों मोहित महाजन और निसार अली की गिरफ्तारी हो चुकी है। आरोपियों ने पूर्व में भी कई लोगों के साथ धोखाधड़ी करना कबूला है जिसकी जांच की जा रही है। क्राइम ब्रांच में फैज़ल अहमद ने शिकायत की थी, कि मोहित महाजन, निसार अली और सायरा ने षड्यंत्रपूर्वक फ्लैट विक्रय के नाम पर करीब 35 लाख रुपए की ठगी की गई। आरोपियों ने षड्यंत्र करके फ्लैट का सौदा 35 लाख में तय किया तथा राशि नकद व ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त की। इसके बाद आरोपियों ने रजिस्ट्री का झांसा भी दिया। लेकिन, फरियादी के नाम रजिस्ट्री न करके सह आरोपी मोहित महाजन की भाभी के नाम 17 लाख रुपए में रजिस्ट्री कर दी। इस प्रकार आरोपियों ने एक ही फ्लैट को दो क्रेताओं को अलग-अलग सौदा कर छल कपट एवं बेईमानी पूर्वक अवैध आर्थिक लाभ अर्जित कर धोखाधड़ी की। सायरा 10वीं तक पढ़ी है एवं पति के काम में सहयोग करती है। जिस पर क्राइम ब्रांच ने उक्त आरोपियों के विरुद्ध अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों की तकनीकी जानकारी प्राप्त कर पूर्व में आरोपी मोहित महाजन और निसार अली को गिरफ्तार किया गया था इस अनुक्रम में अग्रिम कार्यवाही करते तीसरी आरोपी सायरा को मंगलवार को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त कर लिया। अब उससे पूछताछ की जा रही है।

फायर सिस्टम नहीं लगाए गए तो 6 अप्रैल से कार्यवाही होगी

फायर ब्रिगेड की अधिसूचना, 5 अप्रैल तक रियायत

इंदौर। गर्मी के दिनों में आग लगने की घटनाएं अधिक होती है। अधिकांश घटनाओं में देखा जाता है कि जहां आग लगती है, वह सुरक्षा की दृष्टि से फायर सेफ्टी सिस्टम नहीं होता है। घटनाओं को रोकने अब फायर ब्रिगेड विभाग सख्त हो गया है। विभाग ने 23 मार्च को अधिसूचना जारी करते हुए कहा कि 15 दिन में सिस्टम को लेकर गंभीर नहीं तो प्रतिष्ठान सील कर दिया जाएगा। 5 अप्रैल तक सभी प्रतिष्ठानों में सिस्टम अपडेट नहीं होने के बाद कार्रवाई शुरू होगी। कार्रवाई के लिए जिला स्तरीय समिति का गठन किया जाएगा। यह समिति प्रत्येक प्रतिष्ठानों पर जाकर जांच करेगी। जांच रिपोर्ट फायर ब्रिगेड के पुलिस अधीक्षक को सौंपी जाएगी। वे कार्रवाई की अनुशंसा करेंगे।

विभाग ने कहा- विभाग के अनुसार, जी प्लस 3 एवं अधिक ऊंचाई के कमर्शियल, हॉस्पिटल, स्कूल, होटल, औद्योगिक इकाई, सिनेमाघर, सभा भवनों, आवासीय भवनों तथा अन्य समस्त भवनों में अग्नि सुरक्षा प्रावधान किया जाना अनिवार्य है। इस संबंध में भवन स्वामियों एवं आमजन को सूचित किया जाता है कि वे 15 ?दिन में संस्थानों, भवनों में अग्नि सुरक्षा संबंधी यथोचित व्यवस्था कर लें, अन्यथा कार्रवाई की जाएगी।

25 साल पुराना जमीन का विवाद गर्माया

इंदौर। लसुड़िया क्षेत्र की प्रिंसेस स्टेट कॉलोनी में 25 साल पुराना जमीन विवाद एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। कॉलोनी के रहवासी मंगलवार को अधिवक्ताओं के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे और न्याय की गुहार लगाई। अधिवक्ता मयंक के अनुसार, कई प्लॉट मालिकों की विधिवत रजिस्ट्री होने के बावजूद उन्हें अब तक जमीन का कब्जा नहीं मिल पाया है। सीमांकन के दौरान कॉलोनाइजर ने 30 हजार वर्गफीट अतिरिक्त भूमि देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब उसी जमीन पर एक महिला ने पैतृक संपत्ति बताकर दावा ठोक दिया है। रहवासियों ने आरोप लगाया कि कॉलोनाइजर और संबंधित महिला ने दस्तावेजों में हेरफेर कर जमीन पर कब्जा करने की कोशिश की है।

छत्रीबाग में फोर्टिफाइड चावल की कालाबाजारी का खुलासा

1.47 क्विंटल चावल जब्त, विक्रेता, खरीदार पर केस

इंदौर। जिला प्रशासन ने मंगलवार को छत्रीबाग क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए दोपहिया वाहन के चालक मोहम्मद साहिल पिता मोहम्मद सलीम के कब्जे से 1.47 क्विंटल शासकीय फोर्टिफाइड चावल जब्त किया है। चावल को वाहन सहित कब्जे में लिया गया। पूछताछ में साहिल ने बताया कि यह राशन टाट पट्टी बाखल स्थित कंट्रोल दुकान से खरीदा गया है। इसके बाद शासकीय उचित मूल्य दुकान (नं. 909093) श्री राम प्राथमिक सहकारी उपभोक्ता भंडार, टाट पट्टी बाखल की जांच की गई। जांच में दुकान पर 1.24 क्विंटल चावल, 3.48 क्विंटल गेहूं और 3.73 क्विंटल नमक अतिरिक्त पाया गया। साथ ही यह भी सामने आया कि दुकान के विक्रेता मयूर दराडे द्वारा अनधिकृत व्यक्ति को शासकीय राशन बेचा जा रहा था। अनियमितताओं और शासकीय राशन के अवैध व्यापार को गंभीरता से लेते हुए संबंधित उचित मूल्य दुकान का प्राधिकार तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। मामले में विक्रेता मयूर दराडे और स्कूटी चालक मोहम्मद साहिल के खिलाफ आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। साथ ही पीडीएस फोर्टिफाइड चावल के अनधिकृत क्रय और परिवहन को लेकर साहिल की राशन पर्ची की जांच की जा रही है। जांच में अनियमितता प्रमाणित होने पर संबंधित राशन पर्ची निरस्त करने की कार्रवाई भी की जाएगी।

घर, कार में आगजनी की वारदात का खुलासा, 3 आरोपी गिरफ्तार

आरोपियों ने बताया कि उनका फरियादी से पुराना विवाद

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र स्थित सिल्वर पार्क कॉलोनी में हुई आगजनी की घटना का पुलिस ने पदार्फाश कर दिया है। इस मामले में तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिन्होंने रंजिश के चलते एक घर और कार में आग लगा दी थी। पुलिस के अनुसार, फरियादी सौरभ पाटोदिया ने 27 मार्च की रात एक बजे अपने घर के बाहर हलचल सुनकर बाहर देखा तो उनकी कार में आग लगी हुई थी, जो धीरे-धीरे घर की दीवार तक फैल रही थी। उन्होंने किसी तरह पानी डालकर आग पर काबू पाया। इस दौरान उन्होंने तीन संदिग्धों को मौके से भागते हुए देखा, जो एक लाल रंग की कार में सवार होकर फरार हो गए।

आग लगाने की पुष्टि

जांच के दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिसमें लाल रंग की टाटा नेक्सन कार (एमपी-09-सीएक्स-2155) से आए लोगों द्वारा पेट्रोल डालकर आग लगाने की पुष्टि हुई। तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने वाहन मालिक हर्षल पिता गौड़ निवासी सदर बाजार को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपने साथियों कृष्ण पिता संतोष दामके और रोहित पिता गेंदालाल तंवर निवासी भंवरकुआ के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देना कबूल किया।

बदले की भावना

आरोपियों ने बताया कि उनका फरियादी के साथ पुराना विवाद चल रहा था, जिसके चलते उन्होंने इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार को भी जब्त कर लिया है। मामले में आगे की पूछताछ जारी है। आरोपियों के खिलाफ पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

मानपुर में शराब दुकान पर बवाल

इंदौर। मानपुर क्षेत्र में प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर आक्रोश चरम पर पहुंच गया है। मंगलवार को जनसुनवाई के दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण, खासकर महिलाएं, कलेक्टर कार्यालय पहुंचीं और दुकान खोलने के फैसले का जोरदार विरोध किया। ग्रामीणों का आरोप है कि चेतन राठौड़ ने सत्यगृह मार्ग स्थित अपने मकान को शराब दुकान के लिए किराए पर दे दिया है और खुद अन्यत्र रहने चले गए हैं। इस फैसले से क्षेत्र में असंतोष तेजी से बढ़ रहा है। लोगों ने साफ चेतावनी दी कि यदि यहां शराब दुकान खोली गई तो वे सड़कों पर उतरकर उग्र आंदोलन करेंगे। आवश्यकता पड़ने पर हाईवे जाम करने की भी बात कही गई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित स्थल के पास ही स्कूल स्थित है और यह मार्ग महिलाओं व बच्चों के आवागमन का प्रमुख रास्ता है। ऐसे में यहां शराब दुकान खुलना सुरक्षा और सामाजिक माहौल के लिए खतरा बन सकता है।

जल संसाधन विभाग का अमीन 10 हजार रिश्वत लेते गिरफ्तार

लोकायुक्त इंदौर की कार्रवाई, पट्टे के नाम पर मांग की

इंदौर। भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त रुख अपनाते हुए लोकायुक्त इंदौर की टीम ने जल संसाधन विभाग धार में पदस्थ एक अमीन को 10 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई महानिदेशक लोकायुक्त योगेश देशमुख के निर्देश पर की गई। मामले में आवेदक दयाराम पटेल, निवासी ग्राम आमला,तहसील व जिला धार ने शिकायत दर्ज कराई थी कि तालाब की रिक्त भूमि पर खेती के पट्टे के लिए आवेदन देने पर अमीन राज दिनकर उससे 30 हजार रुपए की रिश्वत मांग रहा था। जबकि नियमानुसार इसकी फीस मात्र 5 से 7 हजार रुपए है। शिकायतकर्ता रिश्वत नहीं देना चाहता था, इसलिए उसने लोकायुक्त से संपर्क किया। शिकायत की जांच पुलिस अधीक्षक राजेश सहाय के निर्देशन में कराई गई, जिसमें आरोप सही पाए गए। इसके बाद 31 मार्च को ट्रैप दल का गठन किया गया। आरोपी ने आवेदक को धार बुलाया, जहां अवकाश होने के कारण उसे प्रकाश नगर स्थित किराए के मकान पर बुलाया गया। जैसे ही आरोपी ने 10 हजार रुपए की रिश्वत अपने हाथ में ली, पहले से तैनात लोकायुक्त टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 2018 की धारा 7 के तहत कार्रवाई जारी है। इस कार्रवाई में उप पुलिस अधीक्षक सुनील तालान सहित लोकायुक्त टीम के अन्य सदस्य शामिल थे।

संपादकीय

संकट और गहराएगा

ईरानी संसद द्वारा होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले मालवाहक जहाजों पर टोल लगाने के प्रस्ताव को मंजूरी के बाद यह साफ है कि भारत जैसे तटस्थ देशों में भी ईंधन संकट और गहराने वाला है। क्योंकि युद्ध यदि रुक भी गया और अमेरिका होर्मुज स्ट्रेट पर कब्जा नहीं कर पाया तो भारत को खाड़ी देशों से कच्चा तेल और गैस लाना बहुत महंगा पड़ेगा। हालांकि ईरान सरकार ने कहा है कि वह भारत जैसे 'मित्र देशों' के तेल गैस टैंकरों को अभी जाने दे रही है, लेकिन टोल लगने के बाद भी हमारे टैंकर निःशुल्क वहां से निकलेंगे, इसकी कोई गारंटी नहीं है। और यह भी संभव है कि यदि अमेरिका होर्मुज पर कब्जा कर ले तो वह भी ऐसा ही कोई खेल कर सकता है। वैसे भी अमेरिका ने होर्मुज से गुजरने वाले जहाजों का बीमा करने की चाल चली ही थी, जिसे ईरान ने स्ट्रेट को बंद कर नाकाम कर दिया। होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों पर टोल लगाने के प्रस्ताव पर ईरानी संसद की नेशनल सिक्योरिटी कमेटी ने इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। बताया जाता है कि इस योजना के तहत सभी जहाज ईरान को उसकी राष्ट्रीय मुद्रा रियाल में टोल चुकाएंगे। लेकिन अमेरिका, इजराइल और उनके मित्र देशों को होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने की इजाजत नहीं होगी। हालांकि इस मंजूरी के बाद भी इस प्रस्ताव के कानून बनने में अभी वक्त लगेगा। लागू होने से पहले इसे संसद, गार्जियन काउंसिल और राष्ट्रपति की मंजूरी लेनी होगी। गौरतलब है कि होर्मुज स्ट्रेट वैश्विक तेल सप्लाई का अहम मार्ग है, ऐसे में इस फैसले से अंतरराष्ट्रीय बाजार और ऊर्जा आपूर्ति पर बड़ा असर पड़ सकता है। अभी यह भी स्पष्ट नहीं है कि यह टोल कितना होगा। अपुष्ट खबरों के मुताबिक यह 20 लाख अमेरिकी डॉलर तक हो सकता है। यदि ऐसा हुआ तो खाड़ी देशों से माल मंगाना कितना महंगा पड़ेगा, यह समझा जा सकता है। साथ ही भारत में इसके दाम कितने बढ़ेंगे और इस वृद्धि का अन्य उत्पादों पर कितना असर होगा, इसकी सिर्फ कल्पना की जा सकती है। भारत को इससे छूट मिलेगी या नहीं, यह नहीं कहा जा सकता। ऐसा लगता है कि ईरान ने यह शुल्क लगाकर युद्ध में हो रहे नुकसान की भरपाई का रास्ता खोज लिया है। स्वेज नहर और पनामा नहर से गुजरने वाले जहाजों से पहले ही टोल वसूला जाता रहा है। जहां तक दरों की बात है तो स्वेज नहर से गुजरने वाले जहाजों से यह उसकी मालवहन क्षमता के अनुसार 75 हजार अमेरिकी डॉलर से सवा दो लाख अमेरिकी डॉलर तक टोल वसूला जाता है। अगर ईरान ने 20 लाख डॉलर रेट रखा तो भारत जैसे देशों को मुश्किल होगी तथा छोटे देशों का भगवान ही मालिक है। होर्मुज स्ट्रेट इसलिए अहम है, क्योंकि दुनिया का 20 प्रतिशत व्यापार इसी रास्ते से होता है। पश्चिम एशिया में युद्ध के जो हालात हैं, उससे यही लगता है कि कोई भी सम्बन्धित देश जंग को खत्म नहीं करना चाहता। ईरान के ताजा फैसले से कूटनीतिक तनाव और बढ़ेगा ही। साथ ही ईंधन और अन्य वस्तुओं की सप्लाई चेन और बिगड़ेगी। दुनिया भर में हाहाकार होगा। इसका सीधा असर भारत की आर्थिकी की रफ्तार पर होगा। कुलमिलाकर संकट और गहराता दिख रहा है, बजाए कम होने के। यूं पाकिस्तान जैसे कुछ मुस्लिम देश तनाव कम करने की अपने स्तर पर कोशिश कर रहे हैं, लेकिन इन प्रयासों में सीधे तौर पर न तो ईरान, न अमेरिका और न ही इजराइल शामिल है। ऐसे में इन कोशिशों की सफलता की संभावना नहीं के बराबर है। भारत को इस चुनौती से निपटने के लिए अभी से तैयार रहना होगा।

डिजिटल युग की गोपनीयता का संकट

विदेशी तकनीकी उपकरणों के माध्यम से संवेदनशील सूचनाओं की जासूसी की जा सकती है। विशेषकर बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों के आयातित सीसीटीवी कैमरों और स्मार्ट उपकरणों को लेकर यह चिंता और भी गहराती जा रही है। जब कोई उपकरण केवल दृश्य रिकॉर्डिंग तक सीमित न रहकर इंटरनेट के माध्यम से डेटा संचारित करने लगता है, तब वह केवल एक साधन नहीं रह जाता, बल्कि एक संभावित खतरा बन जाता है। यह खतरा केवल व्यक्तिगत गोपनीयता तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता तक भी पहुंच सकता है।

नजरिया

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।

आज का युग तकनीक का युग है, जहाँ हर क्षण हमारी ज़िंदगी किसी न किसी डिजिटल उपकरण से जुड़ी हुई है। घरों की सुरक्षा के लिए लगाए गए सीसीटीवी कैमरे, मोबाइल फोन, स्मार्ट टीवी, इंटरनेट से जुड़े उपकरण, ये सभी हमारे जीवन को सरल और सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से निर्मित किए गए हैं। लेकिन समय के साथ एक चिंताजनक सत्य धीरे-धीरे स्पष्ट होता जा रहा है कि यही उपकरण अब हमारी निजी ज़िंदगी के मौन गवाह ही नहीं, बल्कि संभावित जासूस भी बनते जा रहे हैं। 'डिजिटल जासूसी के नेत्र' केवल एक रूपक नहीं, बल्कि आधुनिक यथार्थ की सजीव अभिव्यक्ति है, जहाँ तकनीक की आंखें हर गतिविधि पर नजर रखती प्रतीत होती हैं।

विगत कुछ वर्षों में यह आशंका बार-बार व्यक्त की गई है कि विदेशी तकनीकी उपकरणों के माध्यम से संवेदनशील सूचनाओं की जासूसी की जा सकती है। विशेषकर बिना पर्याप्त सुरक्षा मानकों के आयातित सीसीटीवी कैमरों और स्मार्ट उपकरणों को लेकर यह चिंता और भी गहराती जा रही है। जब कोई उपकरण केवल दृश्य रिकॉर्डिंग तक सीमित न रहकर इंटरनेट के माध्यम से डेटा संचारित करने लगता है, तब वह केवल एक साधन नहीं रह जाता, बल्कि एक संभावित खतरा बन जाता है। यह खतरा केवल व्यक्तिगत गोपनीयता तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता तक भी पहुंच सकता है।

यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि आज की दुनिया में डेटा ही सबसे बड़ा संसाधन है। जिस प्रकार अतीत में भूमि और खनिज संपदा को लेकर युद्ध होते थे, उसी प्रकार आज डेटा के लिए प्रतिस्पर्धा और संघर्ष बढ़ता जा रहा है। ऐसे में यदि किसी देश के नागरिकों, संस्थानों और सरकारी तंत्र से जुड़ी सूचनाएं अनजाने में ही किसी विदेशी सर्वर तक पहुंच रही हों, तो यह स्थिति अत्यंत गंभीर हो जाती है। यही कारण है कि कई विशेषज्ञ और सुरक्षा एजेंसियां इस विषय को लेकर लगातार चेतावनी देती रही हैं।

एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि अधिकांश सस्ते और बिना प्रमाणन वाले उपकरणों का निर्माण उन देशों में होता है, जहाँ डेटा सुरक्षा और पारदर्शिता के मानक उतने कठोर नहीं होते। ऐसे उपकरणों में प्रयुक्त सॉफ्टवेयर और बैक एंड सर्वर पर हमारा कोई नियंत्रण नहीं होता। परिणामस्वरूप, यह सुनिश्चित करना कठिन हो जाता है कि हमारे द्वारा रिकॉर्ड की गई जानकारी कहाँ संग्रहीत हो रही है और उसका उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है। यह एक प्रकार की अदृश्य जासूसी है, जो बिना किसी शोर के हमारे जीवन में प्रवेश कर जाती है। हाल के अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों ने भी इस भय को और पुष्ट किया है। कई बार यह देखा गया है कि साइबर हमलों के माध्यम से महत्वपूर्ण संस्थानों की सूचनाएं चुराई गईं और उनका दुरुपयोग किया गया। ऐसे में यदि हमारे घरों और कार्यालयों में लगे कैमरे ही किसी बाहरी शक्ति के नियंत्रण में आ जाएं, तो स्थिति कितनी भयावह हो सकती है, इसका अनुमान सहज ही लगाया जा सकता है। यह केवल तकनीकी समस्या नहीं है, बल्कि एक व्यापक सामाजिक और राजनीतिक चुनौती है।

सरकार द्वारा इस दिशा में उठाए गए कदम निस्संदेह सराहनीय हैं। अब ऐसे उपकरणों के लिए कड़े नियम और प्रमाणन प्रक्रिया लागू की जा रही है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि बाजार में केवल सुरक्षित और विश्वसनीय उत्पाद ही उपलब्ध हों। यह पहल केवल सुरक्षा की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। जब हम अपने देश में निर्मित तकनीकी उपकरणों को बढ़ावा देंगे, तो न केवल रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि डेटा पर हमारा नियंत्रण भी सुदृढ़ होगा। किन्तु केवल सरकारी प्रयास ही पर्याप्त नहीं हैं। इस विषय में आम नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत आवश्यक है। अक्सर हम सस्ते और आकर्षक विकल्पों के मोह में बिना सोचे-समझे ऐसे उपकरण खरीद लेते हैं, जिनकी विश्वसनीयता संदिग्ध होती है। यह प्रवृत्ति हमें अल्पकालिक लाभ तो देती है, लेकिन दीर्घकालिक रूप से गंभीर जोखिम उत्पन्न कर सकती है। अतः यह आवश्यक है कि हम किसी भी डिजिटल उपकरण को खरीदने से पूर्व उसकी गुणवत्ता, प्रमाणन और सुरक्षा मानकों की जांच अवश्य करें।

डिजिटल साक्षरता इस समस्या के समाधान की कुंजी है। जब तक लोग यह नहीं समझेंगे कि उनका डेटा कितना मूल्यवान है और उसकी सुरक्षा कितनी आवश्यक है, तब तक इस प्रकार के खतरे बने रहेंगे। हमें यह समझना होगा कि तकनीक का उपयोग जितना सुविधाजनक है, उतना ही जिम्मेदारीपूर्ण भी है। प्रत्येक उपयोगकर्ता को यह जानना चाहिए कि कौन-सा उपकरण किस प्रकार की जानकारी एकत्र करता है और वह जानकारी कहाँ जाती है। इससे सम्बंधित एक और महत्वपूर्ण पहलू है- गोपनीयता का अधिकार। आधुनिक लोकतांत्रिक समाज में यह एक मूलभूत अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया है। यदि हमारी निजी गतिविधियाँ किसी अज्ञात संस्था द्वारा निरंतर निगरानी में रखी जा रही हों, तो यह हमारे अधिकारों का सीधा उल्लंघन है। अतः यह आवश्यक है कि तकनीकी विकास और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के बीच संतुलन स्थापित किया जाए।

डिजिटल जासूसी का प्रश्न केवल वर्तमान का नहीं, बल्कि भविष्य का भी है। जैसे-जैसे कृत्रिम बुद्धिमत्ता और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (IOT) का विस्तार होगा, वैसे-वैसे उपकरणों की संख्या और उनकी क्षमताएँ भी बढ़ेंगी। ऐसे में यदि अभी से ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में यह समस्या और भी विकराल रूप धारण कर सकती है। इसलिए यह आवश्यक है कि हम दूरदर्शिता के साथ इस विषय पर विचार करें और ठोस नीतियाँ बनाएं। यह भी ध्यान देने योग्य है कि तकनीक स्वयं में न तो अच्छी होती है और न ही बुरी। उसका स्वरूप इस बात पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग किस प्रकार किया जा रहा है। यदि हम सावधानी और विवेक के साथ तकनीक का उपयोग करें, तो वही उपकरण हमारी सुरक्षा के प्रहरी बन सकते हैं। लेकिन यदि हम लापरवाही बरतें, तो वही उपकरण हमारे लिए खतरे का कारण बन सकते हैं।

'डिजिटल जासूसी के नेत्र' को बंद करने की पहल केवल तकनीकी सुधार का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह एक व्यापक सामाजिक चेतना का आह्वान है। यह हमें याद दिलाता है कि आधुनिकता की दौड़ में हमें अपने मूल्यों और सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। हमें यह समझना होगा कि सच्ची प्रगति वही है, जो हमें सुरक्षित और स्वतंत्र बनाए, न कि हमें अदृश्य बंधनों में जकड़ दे। इसलिए समय की मांग है कि सरकार, उद्योग और आम नागरिक, सभी मिलकर इस चुनौती का सामना करें। हमें सुरक्षित तकनीक का चयन करना होगा, डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना होगा और अपनी गोपनीयता के प्रति सजग रहना होगा। तभी हम एक ऐसे डिजिटल भविष्य की कल्पना कर सकते हैं, जहाँ तकनीक हमारे जीवन को समृद्ध बनाए, न कि उसे असुरक्षित और नियंत्रित करे।

अपने पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति कितना सजग सिनेमा?

मुद्दा

डॉ. मनीष जैसल
लेखक मीडिया शिक्षक हैं।

भारतीय सिनेमा ने अपनी प्रोडक्शन क्षमता से दुनियाँ में अपने नाम का डंका बजाया है। लेकिन इस चमक-दमक के पीछे एक ऐसा पक्ष भी छिपा है, जिस पर अब तक बहुत कम बात हुई है। यह है सिनेमा बनाने से होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव। बाहुबली, आरआरआर, ब्रह्मास्त्र, के.जी.एफ., पद्मावत, आदिपुरुष जैसी अन्य भव्य फिल्मों ने तकनीकी और दृश्यात्मक स्तर पर नई ऊँचाइयाँ हासिल की हैं, लेकिन इनके निर्माण की प्रक्रिया हमें एक महत्वपूर्ण प्रश्न की ओर ले जाती है: सिनेमा अपने पर्यावरणीय दायित्वों के प्रति कितना सजग है?

आज जब दुनिया के लगभग हर उद्योग, निर्माण, विनिर्माण, परिवहन और यहाँ तक कि डिजिटल मीडिया में सस्टेनेबिलिटी एक केंद्रीय चिंता बन चुकी है, तब सिनेमा उद्योग का यह मौन चौंकाता है। आखिर क्यों फिल्म उद्योग को उसके पर्यावरणीय प्रभावों के लिए उतनी गंभीरता से नहीं देखा जाता, जितनी अन्य उद्योगों को? क्या इसकी रचनात्मक प्रकृति इसे जवाबदेही से मुक्त कर देती है, या यह एक ऐसा क्षेत्र है, जहाँ हमने अब तक सही सवाल पूछने की शुरुआत ही नहीं की?

एक फिल्म का निर्माण सैकड़ों लोगों, अनेक संसाधनों और जटिल लॉजिस्टिक्स का परिणाम होता है। बड़े सेट बनाए जाते हैं, भारी लाइटिंग सिस्टम लगाए जाते हैं, डीज़ल जनरेटर चलते हैं, और शूटिंग के लिए लगातार स्थान बदले जाते हैं। इन सभी गतिविधियों का सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। ऊर्जा खपत इस प्रक्रिया का सबसे बड़ा पहलू है। पारंपरिक फिल्म लाइटिंग अत्यधिक बिजली की मांग करती है, और कई बार यह बिजली डीज़ल जनरेटर से उत्पन्न की जाती है। एक बड़े शूट में प्रतिदिन सैकड़ों लीटर डीज़ल जलाया जाना आम बात है। इससे न केवल कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, बल्कि स्थानीय स्तर पर वायु प्रदूषण भी होता है।

इसके अलावा, फिल्म निर्माण में सामग्री का उपयोग भी चिंताजनक है। सेट बनाने के लिए लकड़ी, प्लास्टिक, थर्मोकोल और विभिन्न रासायनिक पदार्थों का उपयोग किया जाता है। शूटिंग समाप्त होने के बाद इनका बड़ा हिस्सा कचरे में बदल जाता है। यह अपशिष्ट अक्सर पुनर्चक्रित नहीं होता, जिससे लैंडफिल और पर्यावरणीय दबाव बढ़ता है।

फिल्म निर्माण का एक और महत्वपूर्ण पहलू है-कार्बन फुटप्रिंट। कलाकारों और तकनीकी दल की लगातार यात्रा, विशेष रूप से अंतरराष्ट्रीय लोकेशन शूटिंग, कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती है। वैश्विक अध्ययनों के अनुसार, एक बड़े बजट की फिल्म हजारों टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जित कर सकती है। भारतीय संदर्भ में भले ही सटीक आँकड़े कम हों, लेकिन उत्पादन की संरचना को देखते हुए यह मानना कठिन नहीं है कि इसका प्रभाव व्यापक है।

लोकेशन के उपयोग का भी पर्यावरण पर असर पड़ता है। फिल्मों के लिए प्राकृतिक स्थलों को बदला जाता है, अस्थायी निर्माण किए जाते हैं और कई बार पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित होता है।

वैश्विक स्तर पर इस मुद्दे को लेकर जागरूकता बढ़ रही है। ब्रिटेन में 'अल्बर्ट सर्टिफिकेशन' जैसी पहलें फिल्म निर्माण के कार्बन फुटप्रिंट को मापने और घटाने का प्रयास करती हैं। हॉलीवुड के कई स्टूडियो अब 'ग्रीन प्रोडक्शन' के सिद्धांतों को अपनाने लगे हैं, जिनमें ऊर्जा दक्षता, अपशिष्ट प्रबंधन और सतत लॉजिस्टिक्स शामिल हैं।

भारत में स्थिति अभी विकसित हो रही है। यहाँ सस्टेनेबिलिटी को लेकर कोई स्पष्ट और एकीकृत नीति नहीं है। कुछ स्वतंत्र फिल्म निर्माता और छोटे प्रोडक्शन हाउस इस दिशा में प्रयोग कर रहे हैं-जैसे वास्तविक लोकेशन का उपयोग, प्राकृतिक प्रकाश में शूटिंग और सीमित संसाधनों के साथ काम करना-लेकिन यह अभी व्यापक स्तर पर नहीं पहुँचा है।

इस स्थिति के पीछे कई कारण हैं। पहला, सिनेमा का बाजार-चालित स्वरूप, जहाँ भव्यता और विस्तार को सफलता का प्रतीक माना जाता है। दूसरा, नीतिगत ढांचे का अभाव, जिसके कारण सस्टेनेबिलिटी को लागू करने के लिए कोई स्पष्ट दिशा नहीं है। तीसरा, जागरूकता की कमी, जिससे यह विषय अभी भी प्राथमिकता में नहीं आ पाया है।

हालांकि, कुछ सकारात्मक परिवर्तन भी देखने को मिल रहे हैं। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के प्रभाव के कारण अब अंतरराष्ट्रीय मानकों का दबाव बढ़ रहा है। एलईडी लाइटिंग, डिजिटल वर्कफ्लो और वर्चुअल प्रोडक्शन जैसी तकनीकें संसाधनों के उपयोग को कम करने में मदद कर रही हैं। साथ ही, स्वतंत्र सिनेमा यह दिखा रहा है कि कम संसाधनों के साथ भी प्रभावी और सार्थक फिल्में बनाई जा सकती हैं।

अभी भी राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार या प्रमुख फिल्म समारोहों में पर्यावरणीय प्रभाव को मूल्यांकन के मानदंड के रूप में शामिल करने की परंपरा विकसित नहीं हुई है। हालांकि, कुछ फिल्म समारोह-जैसे इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया (IFFI)—ने आयोजन स्तर पर 'ग्रीन इवेंट' की दिशा में छोटे कदम उठाए हैं, जैसे प्लास्टिक उपयोग में कमी या डिजिटल प्रक्रियाओं को बढ़ावा देना, लेकिन यह पहल अभी फिल्म निर्माण तक नहीं पहुँच पाई है। भारतीय फिल्म उद्योग में सस्टेनेबिलिटी अभी भी व्यक्तिगत जागरूकता या संस्थागत प्रयोगों तक सीमित है, न कि किसी बाध्यकारी नीति या पुरस्कार प्रणाली का हिस्सा।

इसके विपरीत, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिनेमा में सस्टेनेबिलिटी को धीरे-धीरे औपचारिक मानकों के रूप में विकसित किया जा रहा है। ब्रिटेन में ब्रिटिश फिल्म इंस्टीट्यूट (BFI) द्वारा समर्थित 'अल्बर्ट सर्टिफिकेशन' प्रणाली फिल्म और टीवी प्रोडक्शन्स को उनके कार्बन फुटप्रिंट को मापने और कम करने के लिए प्रेरित करती है, और कई मामलों में यह फंडिंग से भी जुड़ी होती है। हॉलीवुड में प्रमुख स्टूडियो 'ग्रीन प्रोडक्शन गाइडलाइंस' का पालन करते हैं, जिनमें ऊर्जा दक्षता, कचरा प्रबंधन और लो-कार्बन लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। यूरोप के कुछ फिल्म समारोहों-जैसे कान्स और बर्लिन ने भी अपने आयोजनों को 'कार्बन न्यूट्रल' बनाने की दिशा में पहल की है और प्रोडक्शन प्रैक्टिसेस पर चर्चा को बढ़ावा दिया है। वैश्विक सिनेमा अब केवल कहानियों के प्रभाव पर नहीं, बल्कि उनके निर्माण की प्रक्रियाओं पर भी ध्यान दे रहा है। यह एक ऐसा दृष्टिकोण है जिसे भारतीय सिनेमा में अपनाना अब समय की मांग बन चुका है।

अब समय आ गया है कि सिनेमा उद्योग सस्टेनेबिलिटी को एक वैकल्पिक विचार नहीं, बल्कि अनिवार्य आवश्यकता के रूप में स्वीकार करे। इसके लिए स्पष्ट नीतियाँ, दिशानिर्देश और जवाबदेही तय करनी होगी। 'ग्रीन फिल्म सर्टिफिकेशन', सस्टेनेबिलिटी ऑडिट और पर्यावरणीय मानकों को लागू करना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकते हैं।

इसके साथ ही, फिल्म शिक्षा में भी सस्टेनेबिलिटी को शामिल करना आवश्यक है, ताकि आने वाली पीढ़ी इसे अपने कार्य का हिस्सा बनाए। सिनेमा केवल कहानियाँ नहीं बनाता, वह समाज की सोच और भविष्य की दिशा को भी प्रभावित करता है। यदि यह उद्योग अपने पर्यावरणीय प्रभावों के प्रति सजग नहीं होगा, तो वह उस भविष्य को ही खतरे में डाल देगा, जिसकी कल्पना वह अपनी कहानियों में करता है।

पल-पल पैनिक होता आम आदमी

कटाक्ष

मुकेश राठौर
लेखक व्यंग्यकार हैं।

पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के बीच सरकार नागरिकों से बार-बार अपील कर रही है कि पैनिक होने की जरूरत नहीं है। देश में गैस और तेल का पर्याप्त स्टॉक है। जहाज भर-भर गैस आ रही सो अलग। लोग है कि पैनिक होकर एक की जगह दो सिलेंडर बुक करवा रहे हैं। पेट्रोल सुंघाकर चलाने वाली घासलेटी फटफटी में में भी बम्म पेट्रोल भरवा रहे हैं। यही होता है 'घर में दाने-पानी की कटौती होते देख भूख-प्यास बढ़ जाती है।' गैसीय पैन के कई कारण है। सिलेंडर रिक्वेस्ट रिसीव न हो तो पैनिक। डीएसी नंबर आकर होम डिलेवरी न हो तो...। डिलेवरी बॉय दो पैसे ज्यादा ले लें तो...। अब ऐसे समय में वो दो पैसे ज्यादा न कमाए तो उसका घर-घर भटकना बेकार है। रहा सवाल आम आदमी का तो उसका क्या वो तो पैनिक होने के लिए ही पैदा हुआ है। सरकार उसे पैनिक न होने से कहां-कहां बचाएगी?

साइंस कहता है पैनिक कंडीशन दिमाग में 'फाइट ओर फ्लाइट' सिस्टम के यकायक सक्रिय हो जाने से बनती है। कब,कहां,किस बात पर किसका पैनिक बटन दब जाए गारंटी नहीं और हां इस बात की भी गारंटी नहीं कि समझाइश के बाद तुरंत उसका पैनिक बटन स्वीच ऑफ हो जाए। साप्ताहिक हाट पड़ने में तीन दिन शेष है लेकिन रसोईघर में एकमात्र सब्जी बाकी...गृह स्वामिनी पैनिक प्लान 'सब्जी लाओ-भोजन पाओ।' अब बेचारा गृह स्वामी पैनिक न हो तो क्या करें? मनपसंद खरीदी साड़ी में पहनते वक्त सहसा सुराख का दिखाई पड़ना किसी भी नारी के पैनिक होने का सबसे बड़ा कारण हो सकता है जिसका निवारण सिंगल पीस साड़ी वाले उस दुकानदार के पास भी नहीं। आज हर कोई सिंगल पीस होना चाहता है,नारी हो या सारी। दुकान में भरे पड़े माल की एक्सपायरी डेट नजदीक आते दुकानदार पैनिक करने लगता है।'वस्तु और सेवाओं के एक्सपायर हो जाने का दुख आदमी के एक्सपायर हो जाने के दुख से किसी तरह कम नहीं।' सर्वर प्रॉब्लम से पे बिल पास होने में देरी के परिणामस्वरूप वेतन जमा होने में विलंब का समाचार कर्मचारियों के लिए पैनिक होने का आम-ओ-खास कारण रहा है। वन ईयर डिग्री कोर्स का टू ईयर्स हो जाना छात्राध्यापकों के लिए तो शिक्षण की सिल्वर जुबली मना चुके अध्यापकों के लिए शिक्षक पात्रता परीक्षा का सुप्रीम फरमान पैनिक प्वाइंट है। मुद्दतों बाद शहर में क्रिकेट मैच होने या फिर ब्लॉक बस्टर मूवी के पहले शो का टिकट न मिल पाना दर्शकों के लिए पैनिक होने का कारण है/महीनों पहले रिजर्वेशन के बावजूद एन वक्त पर टिकट कन्फर्म न होने का संदेश पैसेंजर के पैनिक होने के लिए पर्याप्त है। दूसरों की पोस्ट पर उंगली धर-धर लाइक करने वाले फेसबुकिए को अपनी पोस्ट पर घंटे भर बाद जब एक भी लाइक न मिले तो पैनिक होना लाजिमी है। एक ही समाचार एक के लिए पैनिक तो दूसरे के लिए शांति का सबब हो सकता है। जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आना मरीज के लिए तो नेगेटिव आना डॉक्टर के लिए पैनिक होने का कारण हो सकता है।

यूं तो यहां पैनिक होने की वजहों की कमी नहीं,एक्चुअली हम सभी पैनिक डिसऑर्डर के शिकार है। पैनिक क्या होता है और क्या नहीं...तो कभी उस किसान को देखिएगा जिसकी तैयार खड़ी फसल पर बादल मंडराने लगे,वह है पैनिक की पराकाष्ठा। दूसरी ओर एक दिहाड़ी मजदूर है जो दो जून की रोटी खाकर इस बात पर पैनिक नहीं करता कि कल दिहाड़ी मिलेगी या नहीं!

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए उमेश त्रिवेदी द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग, 16, अल्फा इंडस्ट्रीयल पार्क, जाखिया, इंदौर, म.प्र.-453555 से मुद्रित एवं 662, साई कृपा कॉलोनी, बॉम्बे हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।
प्रधान संपादक
उमेश त्रिवेदी
कार्यकारी प्रधान संपादक
अजय बोकिल
संपादक (मध्यप्रदेश)
विनोद तिवारी
स्थानीय संपादक
हेमंत पाल
प्रबंध संपादक
रमेश रंजन त्रिपाठी
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

यहाँ तुड़े-मुड़े, टूटे-फूटे, बदले-गए बयानों की सर्जरी की जाती है

व्यंग्य

विजी श्रीवास्तव
लेखक व्यंग्यकार हैं।

यह बयानों का सर्जिकल सेंटर है। यहाँ तुड़े-मुड़े, टूटे-फूटे, बदले-गए और वायरल होकर घायल हुए बयानों की सर्जरी की जाती है। देश की बढ़ती बयान-आवश्यकताओं को देखते हुए इस सेंटर को अत्याधुनिक बनाया गया है।

पार्टी अब खासे पैर जमा चुकी है। बड़े भैया, चाचा-मामा होते हुए ताऊ और पितृ-पुरुष बन चुके हैं। राजनीति में आगे बढ़ने के लिए बयानबाज़ी से आसान सीढ़ी कोई नहीं। बयान, यान की गति से भी तेज़ होते हैं– बस किसी इशारे भर की देर होती है और वे स्टार्टिंग लाइन से दौड़ पड़ते हैं। ऐसी स्थिति में हर नेता की तमन्ना यही रहती है कि वह ऐसा बयान दे जो हंगामा खड़ा कर दे, आग लगा दे, अखबारों की सुर्ख़ियाँ बन जाए।

कुछ बयानवीर जन्मजात बेलगाम होते हैं। वे जानबूझकर अपना बाजार भाव बढ़ाने की कोशिश में भड़काऊ बयानों की जुगाली करते रहते हैं। हर कोई चाहता है कि उसका बयान मीडिया में ऊँचे से ऊँचा उछले। इसीलिए यहां नीचे गिरकर टप्पा खाते तुड़े-मुड़े, टूटे-फूटे और संदर्भ से निर्वस्त्र कर दिए गए बयानों का इलाज होता है। जहाँ न शब्द मरते हैं, न अर्थ जीवित रहते हैं।

यहां एक्स-रे से बयान का ढांचा देखा जाती हैं, एमआरआई से उसके अस्तित्व का पता लगाया जाता है, पैथोलॉजी में यह जाँचा जाता है कि शब्दों में ज़हर कितना है और उनकी घातकता कितनी।

पार्टी के सेंट्रल कमांड में विवादित बयानों का सबसे पहले पंजीयन होता है। फिर जाँच की जाती है कि वह स्वतः टूटा है या जानबूझकर तोड़ा गया है। इसके बाद बयानों का वर्गीकरण आर्थिक, धार्मिक, सामाजिक और खून खौलाने वाले अति संवेदनशील बयानों के रूप से किया जाता है।

गंदे-संदे बयान अब कुछ ज़्यादा ही आने लगे हैं, इसलिए उन्हें सबसे पहले वॉशिंग रूम भेजा जाता है। महिला वर्ग को लेकर दिए गए बयानों की हालत देखकर उन्हें 'एडल्ट' या 'सौलह प्लस' श्रेणी में रखा जाता है। पहले युवा नेताओं के जोशीले बयान और बुजुर्ग नेताओं के हिलते-डुलते बयानों की, दो ही श्रेणियां होती थीं। लेकिन हालिया समय में सीनियर लीडर्स ज़्यादा शौकीन हो गए हैं, इसलिए उनके छिछोरे किस्म के बयानों का लोड एडल्ट कैटेगरी पर ज़्यादा बढ़ गया है।

प्रशासन के विरूद्ध बयानों की कोई श्रेणी नहीं बनाई गई है। जिस सरकारी आदमी के खिलाफ जितना चाहो गरियालो। परीक्षण प्रकोष्ठ का काम तोड़े गए बयानों के खंडन, सफ़ाई और 'गलत संदर्भ में पेश किए जाने' की प्राथमिक जांच करना है। आजकल यह पूरा काम पूरी तरह डिजिटल है– किसने, कब, क्या कहा और कब खुद ही उसे तोड़-मरोड़ दिया, यह सब एक क्लिक में पता चल जाता है।

उपचार केन्द्र तक पहुंचाए गए बयान कई बार इतने गंभीर रूप से घायल और बीमारू होते हैं कि मरहम-पट्टी, प्लास्टर से काम नहीं चलता– रॉड और स्टेंट तक डालनी पड़ती है। अगर इसी बीच कोई नया बयान और ज़्यादा घायल होकर तड़पता-फड़कता आ जाए तो पुराने को राजकीय सम्मान के साथ दफनाने के लिए सर्जिकल सेंटर से लगा कब्रिस्तान भी है। नए भारत में डिजीटलाइजेशन के बाद से बयानों की ई फाइल ज्यादा आने लगी हैं। बयानों को विखंडित बताने की स्वघोषणा उन्हीं नेताओं की ओर से आती है जिन्हें डर होता है कि उनका बयान पार्टी की नज़र में अब तक नहीं चढ़ पाया। कुछ नेता अपने बयान की मूल प्रति और उसकी विवादित प्रति अटैच कर अपनी और से एक्सप्लेनेशन भी भेजने लगे हैं। वहीं पॉर्टी के काउन्सलिंग प्रकोष्ठ ने भी कुछ मानक रिप्लाई-मेल सेव कर रखे हैं।

उनमें से एक है– 'प्रिय श्री, आपका बयान तोड़ा-फोड़ी के बाद भी भर्त्सना-योग्य नहीं पाया गया है। अतः हमें खेद है कि इसके विरूद्ध कोई कार्रवाई प्रस्तावित नहीं है।'

दूसरा– 'आदरणीय, आपके दो बयान प्राप्त हुए दोनों के अवलोकन में पाया गया कि है कि आपने खुद ही अपने बयान को तोड़ मरोड़ लिया है।इसलिए बहुसंख्यकों को उत्तेजित करने वाले बयान पर सनसनी न मचा पाने की स्थिति में आपने उन्हीं शब्दों में अल्पसंख्यकों को उत्तेजित करने का प्रयास किया है। कृपया भविष्?य में उत्तेजना फ़ैलाने योग्य बयानों के लिए अपने वरिष्ठों का अनुसरण किया करें।'

एक और– 'श्रीमान जी, आपका विवादित बयान केवल एक टुटपुंजिया समाचार-पोर्टल पर प्रकाशित हुआ है। इतने निम्न स्तर पर छपे बयान से आपके मोहल्ले वाले भी विचलित न होंगे। कृपया अगली बार पूरी तैयारी से तोड़-फोड़ मचाने की संभावनायुक्त बयान, बड़े स्तर पर जारी करें।'

ऐसा मेल भी कभी कभी पार्टी कार्यालय से जारी करना पड़ता है-

'महोदय, हाई कमान द्वारा उनके विगत विवादपूर्ण बयान को हाईलाइट कर उसका जोरदार तरीके से खंडन करने तथा तोड़ मरोड़ कर बताए जाने के लिए व्यापक अभियान न छेड़ने को लेकर हाई कमान ने अप्रसन्नता व्यक्त की है। कृपया तीन दिवस की अवधि में अपने क्षेत्र में हंगामा खड़ा करवाकर इसे हाई कमान की छवि को धूमिल करने का प्रयास बताएं वरना आपके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।'

मेल का एक और प्रारूप जो होता तो नहीं है किन्तु होना जरूर चाहिये, वो कुछ ऐसा है–

'प्रियवर, आपके क्षेत्र में विपक्ष ठंडा पड़ा है। इसका अर्थ है आपके विपक्ष के साथ रिश्ते ठीक से नहीं चल रहे हैं। आपकी इस कार्यप्रणाली से यह भ्रम फैलता है कि सरकार स्वच्छ-छवि वाली है, जो पार्टी की लाइन के विपरीत है। कृपया विपक्ष को ऐसे-वैसे, कैसे भी लाभान्वित कर हमारे नेताओं के बयानों की जोरदार भर्त्सना करवाएँ, ताकि हमें बयानों में 'तोड़-मरोड़' किये जाने का बहाना लेकर जनता के बीच सक्रियता बढ़ाने के अवसर मिल सके।'

हमारी जड़ों से पुनः जुड़ने का आह्वान हनुमान जयंती

आज के समय में, जब मनुष्य अनेक प्रकार की इच्छाओं और विकर्षणों में उलझा हुआ है, यह एकाग्रता और समर्पण हमें जीवन की दिशा दिखा सकता है। हनुमान जी केवल बल के प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे अत्यंत विद्वान और ज्ञानीभी थे। वे नवव्याकरण के ज्ञाता थे और उन्होंने सूर्यदेव से शिक्षा प्राप्त की थी। यह संतुलन—शक्ति और ज्ञान का—सनातन संस्कृति का मूल तत्व है। आज के युग में, जहां केवल भौतिक शक्ति और संसाधनों को ही महत्व दिया जा रहा है, वहां हनुमान जी का आदर्श यह सिखाता है कि बिना ज्ञान के शक्ति अधूरी है। हनुमान जी का चरित्र अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। तुलसीदास द्वारा रचितहनुमान चालीसा में उनके गुणों का जो वर्णन किया गया है, वह केवल भक्ति का नहीं, बल्कि एक आदर्श जीवनशैली का मार्गदर्शन भी है, यह पंक्तियां केवल प्रार्थना नहीं हैं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति हैं कि मनुष्य को अपने दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए। यही आत्मचिंतन सनातन संस्कृति का मूल है। आज जब युवा पीढ़ी अनेक प्रकार के भ्रम और दबाव में जी रही है, तब हनुमानजी का आदर्श उन्हें आत्मविश्वास और दिशा प्रदान कर सकता है।

हनुमान जन्मोत्सव विशेष

जयदेव राठी

लेखक अधिवक्ता हैं।

भारतीय सनातन संस्कृति अपने भीतर जितनी व्यापक है, उतनी ही गहन भी। यह केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं, बल्कि जीवन के प्रत्येक आयाम को दिशा देने वाली एक शाश्वत परंपरा है। इसी परंपरा में हनुमान जयंती कापर्व अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह दिन हनुमान के अवतरण का उत्सवहै, किंतु इससे कहीं अधिक यह उनके आदर्शों—भक्ति, बल, सेवा और विनम्रता—को आत्मसात करने का अवसर भी है। वर्तमान युग में, जब मानवीय मूल्यों में निरंतर क्षरण दिखाई देता है, तब हनुमान जयंती हमें हमारी जड़ों से पुनः जुड़ने का आह्वान करती है।

सनातन संस्कृति में हनुमान जी को संकटमोचक कहा गया है—अर्थात् वे जो संकटों को दूर करते हैं। परंतु यह केवल दैवीय शक्ति का प्रतीक नहीं, बल्कि यह संदेश भी है कि मनुष्य यदि अपने भीतर निहित शक्ति को पहचान ले, तो वह हर संकट से उबर सकता है। हनुमान जी का जीवन इसी आत्मबल और आत्मविश्वास का अद्भुत उदाहरण है। जब रामायण में समुद्र लांघने का प्रसंग आता है, तब प्रारंभ में वे अपनी शक्ति को भूल जाते हैं। परंतु जाम्बवन्त के स्मरण कराने पर वे अपने वास्तविक सामर्थ्य को पहचानते हैं और असंभव को संभव कर दिखाते हैं। यह प्रसंग आज के मनुष्य के लिए एक गहन प्रेरणा है—कि आत्मविश्वास ही सफलता की कुंजी है।

हनुमान जी की भक्ति का स्वरूप अद्वितीय है। उन्होंने अपने जीवन कोमर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की सेवा में समर्पित कर दिया। यह भक्ति निष्काम थी—न उसमें कोई अपेक्षा थी, न कोई अहंकार। यही कारण है कि वे केवल एक भक्त नहीं, बल्कि आदर्श सेवक के रूप में पूजनीय हैं।

रामचरितमानस में उनका यह भाव अत्यंत सुंदर ढंग से व्यक्त हुआ है,

'प्रभु चरित्र सुनिबे को रसिया।
राम लखन सीता मन बसिया॥'

यह पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि हनुमान जी का मन सदा राम, लक्ष्मण और सीता के चिंतन में ही रमा रहता था। आज के समय में, जब मनुष्य अनेक प्रकार कीइच्छाओं और विकर्षणों में उलझा हुआ है, यह एकाग्रता और समर्पण हमें जीवन की दिशा दिखा सकता है। हनुमान जी केवल बल के प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे अत्यंत विद्वान और ज्ञानीभी थे। वे नवव्याकरण के ज्ञाता थे और उन्होंने सूर्यदेव से शिक्षा प्राप्त की थी। यह संतुलन—शक्ति और ज्ञान का—सनातन संस्कृति का मूल तत्व है। आज के युग में, जहां केवल भौतिक शक्ति और संसाधनों को ही महत्व दिया जा रहा है, वहां हनुमान जी का आदर्श यह सिखाता है कि बिना ज्ञान के शक्ति अधूरी है।

हनुमान जी का चरित्र अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। तुलसीदास द्वारा रचितहनुमान चालीसा में उनके गुणों का जो वर्णन किया गया है, वह केवल भक्ति का नहीं, बल्कि एक आदर्श जीवनशैली का मार्गदर्शन भी है,

'बुद्धिहीन तनु जानिके, सुमिरौं पवन-कुमार।
बल बुद्धि विद्या देहु मोहिं, हरहु कलेश विकार॥'

यह पंक्तियां केवल प्रार्थना नहीं हैं, बल्कि यह स्वीकारोक्ति हैं कि मनुष्य को अपने दोषों को पहचानकर उन्हें दूर करने का प्रयास करना चाहिए।यही आत्मचिंतन सनातन संस्कृति का मूल है। आज जब युवा पीढ़ी अनेक प्रकार के भ्रम और दबाव में जी रही है, तब हनुमानजी का आदर्श उन्हें आत्मविश्वास और दिशा प्रदान कर सकता है। उनका जीवन यह सिखाता है कि यदि हमारे भीतर दृढ़ संकल्प और सही मार्गदर्शन हो, तो हम किसी भी कठिनाई का सामना कर सकते हैं। यह संदेश आज के समय में अत्यंत प्रासंगिक है।

तुलसीदास द्वारा रचित हनुमान चालीसा में हनुमान जी के गुणों का अत्यंत प्रभावशाली वर्णन मिलता है,

'जय हनुमान ज्ञान गुन सागर।
जय कपीस तिहुँ लोक उजागर॥'

'राम दूत अतुलित बल धामा।
अंजनि पुत्र पवनसुत नामा॥'

इन पंक्तियों में हनुमान जी के ज्ञान, गुण और अतुलनीय बल का वर्णन किया गया है। साथ ही यह भी स्पष्ट किया गया है कि वे केवल बलवान ही नहीं,बल्कि एक दिव्य दूत हैं, जो धर्म और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश देतेहैं।

हनुमान जयंती का पर्व सामाजिक दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस दिन विभिन्न स्थानों पर भंडारे, कीर्तन, सुंदरकांड पाठ और शोभायात्राएं आयोजित की जाती हैं। ये आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता के प्रतीक हैं। इन आयोजनों में हर वर्ग के लोग एक साथ मिलकर भागलेते हैं, जिससे समाज में एकता और सहयोग की भावना सुदृढ़ होती है। यही सनातन संस्कृति की वास्तविक शक्ति है—जो विविधताओं को समेटकर एकता कासूत्र प्रदान करती है। किन्तु यह भी एक चिंतनीय तथ्य है कि आधुनिकता की अंधी दौड़ में हम इन पर्वों के मूल उद्देश्य को भूलते जा रहे हैं। त्योहारों का स्वरूप अब दिखावे और औपचारिकता तक सीमित होता जा रहा है। ऐसे में आवश्यकता है कि हम हनुमान जयंती के वास्तविक संदेश को समझें और उसे अपने जीवन में उतारें।केवल पूजा-अर्चना करना पर्याप्त नहीं, बल्कि उनके गुणों को अपनाना हीसच्ची श्रद्धा है।हनुमान जी का एक और महत्वपूर्ण गुण है, विनम्रता। अपार शक्ति और ज्ञान होने के बावजूद उन्होंने कभी अहंकार नहीं किया। जब लंका दहन के बाद वे लौटते हैं, तो अपने कार्य का श्रेय स्वयं नहीं लेते, बल्कि इसे प्रभु की कृपा मानते हैं। यह विनम्रता आज के समाज में अत्यंत आवश्यक है, जहां सफलता के साथ अहंकार भी बढ़ता जा रहा है।

ग्रंथों में भी हनुमान जी की स्तुति अत्यंत भावपूर्ण ढंग से की गई है,

'मनोजवं मारुततुल्यवेगं
जितेन्द्रियं बुद्धिमतां वरिष्ठम्।
वातात्मजं वानरयूथमुख्यं
श्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥'

यह श्लोक हनुमान जी के तेज, वेग, इन्द्रियनिग्रह और बुद्धिमत्ता का सुंदर चित्रण करता है। यह केवल स्तुति नहीं, बल्कि एक आदर्श चरित्र की परिभाषा भी है—जिसमें बल, संयम और बुद्धि का समन्वय हो। हनुमान जयंती हमें यह स्मरण कराती है कि सनातन संस्कृति केवल अतीत की विरासत नहीं, बल्किवर्तमान और भविष्य की दिशा भी है। यह पर्व हमें अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानने, समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझने और जीवन को एक उच्च उद्देश्य की ओर ले जाने की प्रेरणा देता है।

यदि हम हनुमान जी के जीवन से एक भी गुण चाहे वह भक्ति हो, सेवा हो या विनम्रता, अपने जीवन में उतार लें, तो हमारा जीवन न केवल सफल, बल्कि सार्थक भी बन सकता है। यही हनुमान जयंती कावास्तविक संदेश है, अपने भीतर के हनुमान को जागृत करना और जीवन को धर्म,सेवा और प्रेम के मार्ग पर अग्रसर करना।

सदियों से हमारे लिये चट्टान की तरह खड़े हैं हनुमान

हनुमान ही 'राम' का आश्रय हैं, इसलिये जिन्हें भगवान की सहायता चाहिए, वे भगवान के पास नहीं दौड़ते, हनुमान की शरण में जाते हैं। हनुमान सबको आश्वस्त करते हैं। वे किसी को निराश नहीं करते। वे एक ही काम करते हैं कि हमें ले जाकर राम के पक्ष में खड़ा कर देते हैं। राम का अर्थ ही सत्य है, धर्म है, मर्यादा है, पवित्र आचरण है। इसलिये हनुमान इन सबके साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। वे झूठे लोभियों, दुराचारियों, मिथ्या आडम्बर में फँसे हुए लोगों, व्यभिचारियों, असत्य की नींव पर अपना वैभव दिखाने वालों और पदलोलुपों केसाथ कभी नहीं होते। वे मरे हुए विचारों में नहीं होते, वे खो चुके चरित्र में नहीं होते, वे मलिन हो चुकी शब्दावलियों में नहीं होते, वे वहाँ भी नहीं होते जहाँ दंड पेलते हुए बाहुबली दर्प में अंधे हो चुके हैं।

हनुमान जयंती पर विशेष

डॉ.मुरलीधर चाँदनीवाला

लेखक साहित्यकार हैं।

इस धरती पर हनुमान अकेले हैं, जो भक्त हैं किन्तु भगवान की तरह पूजे जाते हैं। राम से ज्यादा मंदिर हैं हनुमान के, राम से ज्यादा हनुमान अपने करीब लगते हैं लोगों को, राम से ज्यादा भरोसा है हनुमान पर, तो उसकी वजह यह कि एक हनुमान ही संकटमोचक हैं। वे हमें किसी भी तरह के डर से बाहर निकालना जानते हैं, वे सब तरह के रोग और शोक से छुटकारा दिलाना जानतेहैं, और सबसे बड़ी बात तो यह कि वे ही हैं जो हममें बल और बुद्धि को एक साथ जगाने वाले हैं। वे ही हैं, जो हमारा अहंकार तोड़ते हैं। उनके लिये कोई काम असम्भव नहीं। यह पक्की मान्यता है कि वे घबराये हुए और बेचैनलोगों की मदद के लिये तत्पर रह कर चिरंजीवी बने हुए हैं।

हनुमान पर हमें भरोसा इसलिये है क्योंकि वे भगवान को भी संकट से उबार लेते हैं, हम मनुष्यों की तो बात ही क्या? अयोध्या छोड़ देने के बाद रामके पास राजबल नहीं था, धनबल नहीं, प्रजा का बल भी नहीं, उस पर सीता का हरण तो एक विषम चुनौती थी, फिर लक्ष्मण का जीवन खतरे में देखकर दुखी हुएराम के पास गर्मी थी तो केवल हनुमान की। रामदूत हनुमान ने लंका में घुसकर अपना जो कौशल दिखाया, उसने राम के शिविर में रावण को जीत लेने का विश्वास जगा दिया था। लक्ष्मण जब मूर्छित हुए, तो संजीवनी के लिये हनुमान के साहस और पुरुषार्थ को हम आज भी नमन करते हैं। हनुमान ही हैं, जो किसी भी तरह का रोग या त्रास होने पर सहज ही याद आते हैं और हाहाकार के बीच व्याकुल कंठ से पुकार उठती है-'नासै रोग हरै सब पीरा, जपत निरंतर हनुमत बीरा।'

हनुमान पर हमारा विश्वास अडिग है। वे सदियों से चट्टान की तरह खड़े हैं हमारे लिये। वे जीवित हैं हमारे लिये, हमारे ऊपर आने वाली आपदाओं का नाश करने के लिये। मौत के भय से मुक्त रहने का मंत्र केवल दो अक्षरों का है,और वह है-'राम'। लेकिन यह मंत्र हनुमान के हृदय में है। हनुमान ही 'राम' का आश्रय है, इसलिये जिन्हें भगवान् की सहायता चाहिए, वे भगवान के पास नहीं दौड़ते, हनुमान की शरण में जाते हैं। हनुमान सबको आश्वस्त करते हैं। वे किसीको निराश नहीं करते। वे एक ही काम करते हैं कि हमें ले जाकर राम के पक्ष में खड़ा कर देते हैं। राम का अर्थ ही सत्य है, धर्म है, मर्यादा है, पवित्र आचरण है। इसलिये हनुमान इन सबके साथ खड़े हुए दिखाई देते हैं। वे झूठे लोभियों, दुराचारियों, मिथ्या आडम्बर में फँसे हुए लोगों, व्यभिचारियों, असत्य की नींव पर अपना वैभव दिखाने वालों और पदलोलुपों केसाथ कभी नहीं होते। वे मरे हुए विचारों में नहीं होते, वे खो चुके चरित्र में नहीं होते, वे मलिन हो चुकी शब्दावलियों में नहीं होते, वे वहाँ भी नहीं होते जहाँ दंड पेलते हुए बाहुबली दर्प में अंधे हो चुके हैं। वे साधुओं के साथ हैं, किन्तु साधु के वेश में छल करने वालों का साथ नहीं देते, उल्टे उन्हें अपनी गदा से ही सबक सिखाते हैं।

हनुमान के पास राम-रसायन है, इसीलिए वे सदैव उत्साह और उमंग से भरे हुए दिखाई पड़ते हैं। नकारात्मक शक्तियाँ चाहे जितनी बलवती हो, हनुमान के आगे टिक नहीं पातीं। बहुत शास्त्र नहीं पढ़े हैं हनुमान ने, किन्तु वे युद्ध का व्याकरण जानते हैं, राम का नीतिशास्त्र जानते हैं,भूगोल जानते हैं, अंतरिक्ष के सब ठिकाने जानते हैं,भूगर्भ में भी आते-जाते रहे हैं, और इस पृथ्वी को त्रास में डालने वाली आसुरी शक्तियों से निपटना जानते हैं। समुद्र की थाह है उनके पास, और वे यह भी जानते हैं कि समुद्र पर पत्थरों से सेतु नहीं बनते, इसलिये वे श्रद्धा का सेतु बनाते हैं। वे जानते हैं कि चंचल वानरों की सेना के दम पर लंका को नहीं जीता जा सकता, इसलिये वे एक-एक वानर को राम की रक्षा में लेकर युद्ध में कूद ही तो पड़ते हैं। जो राम की रक्षा कर सकता है, उसे एक बार सच्चे मन से पुकार तो लगाइए।

हनुमान महावीर होकर भी विनयशील हैं।अकेले ही कर गुजरने की ताकत होते हुए भी संगठन का सम्मान करने वाले हनुमान हमारे आदर्श यूँ ही नहीं है। वे उत्साही नेता हैं, मधुरवाणी बोलते हैं, कार्यकुशल हैं, त्यागी हैं, सबका हृदय जीत लेते हैं, बातचीत में बड़े कुशल हैं, दृढ़निश्चयी हैं, चिरयुवा हैं। उनकी छबि हमारे मानस में 'स्वर्णशैलाभदेह' की है। कञ्चन वर्ण और सादा-सुंदर वेश। इतने गुण होते हुए भी वे सबसे नीचे खड़े रहते हैं हाथ जोड़ कर। वे अपने लिये कोई सुविधा नहीं चाहते, क्योंकि भगवान स्वयं सब सुविधाएँ छोड़ कर वनवास में हैं।

रामकथा में हनुमान का प्रवेश बहुत बाद में होता है, वह भी सबसे पीछे खड़े उस अनुयायी की तरह, जिसके एक हाथ में वज्र है,दूसरे में ध्वजा। उनकी धूम सुंदरकांड से पहले नहीं सुनाई देती। वे रुद्र के अवतार हैं, ज्ञान और गुण के सागर हैं, अतुलित बल के धाम हैं, जितेन्द्रिय हैं, किन्तु राम के सामने नजरें झुकी हुई हैं।लंका को अपने प्रभाव में ले लेने के बाद भी अशोकवाटिका में जानकी के सम्मुख कोई गर्वोक्ति नहीं। चुपचाप हाथ जोड़ कर खड़े हुए हनुमान अपनी भूख और प्यास शान्त करने के लिये सरल शिशु की भाँति अनुमति मांग रहे हैं कि कुछ फल तोड़ कर खा लूँ, माता !

हनुमान में समर्पण है। वे अपने आपको भगवान् का यंत्र समझ कर परिचालित होते हैं। वे जानते हैं कि उन्हें भगवान का कौन सा काम करना है। वे आदेश की प्रतीक्षा नहीं करते। राम उनके हृदय में हैं, इसलिये अच्छी तरह जानते हैं कि वे असन्धेय हैं, अजेय हैं। राम कभी एक बार भी अपने इस सेवक की परीक्षा नहीं लेते, सीधे दायित्व सौंपते हैं। राम के काम में हनुमान आगे-पीछे सोचते ही नहीं। भगवान का स्पर्श यदि मिला हुआ है, तो कौन सा काम कठिन, हनुमान इस सूत्र को समझते हैं।

हनुमान सबके प्यारे हैं, सबके दुलारे हैं।भगवान् राम हों, माता जानकी हो,लक्ष्मण हों,नल-नील हों, जाम्बवन्त हों, सुग्रीव हों, वानरों का यूथ हो या ऋषि-मुनि हों, मारुतिनंदन ही हैं, जो सबके काम आते हैं। भगवान जानते हैं कि हनुमान का यश उनके आगे-आगे चलता है। वे प्रसन्न होकर हनुमान से कहते हैं कि हजारों लोग तुम्हारा ही यश गा रहे हैं, हनुमान ! और इतना कहते हुए भगवान उन्हें गले से लगा लेते हैं। 'सहस वदन तुम्हरो जस गावै अस कहि श्रीपति कंठ लगावै।'

यह समय है, अपने भीतर हनुमान की अमोघ शक्ति को जगाने का। यह भयभीत होकर हथियार डाल देने का समय नहीं है। यह समय एक बार पूरी ताकत के साथ जी उठने का है। यह मृत्यु को आते देख चीख़-पुकार का समय नहीं है। यह समय है विषाणुओं के खर-दूषण को कुचल देने का। यह दुष्ट ताकतों से हाथ मिलाने का समय नहीं है। यह समय निर्मल चरित्र वाले वीर योद्धाओं के काम में हाथ बँटाने का है, खोई हुई लज्जा को लौटाने का है, इसलिये बस एक दीया हनुमान के नाम का अपने भीतर जलाना होगा। हनुमान हैं, तो उनके साथ राम भी हैं, सीता भी हैं, लक्ष्मण भी हैं। जहाँ ये तीनों हैं, वहीं तो मनुष्यता है,मनुष्यता का साम्राज्य है।

काले धन के बोनसाई: विसंगतियों पर तीव्र प्रहार का दस्तावेज़

'माली बदलने' के बाद भी स्थिति में वास्तविक परिवर्तन न होना, लोकतंत्र में सतही बदलावों पर सटीक कटाक्ष है। बोनसाई का प्रयोग अत्यंत सार्थक और मारक है। यह उन तत्वों का प्रतीक बनकर उभरता है जो ऊपर से सीमित या नियंत्रित दिखते हैं, लेकिन अपनी जड़ों (अर्थात् मूल शक्ति/संपत्ति) को हर हाल में सुरक्षित रखते हैं। 'फूल-पत्ती समर्पित कर जड़ों को बचाना' काले धन और प्रभावशाली वर्ग की चालाकी का सशक्त रूपक है। व्यंग्यकार नंदकिशोर बर्वे का यह व्यंग्य संग्रह सामाजिक तथा दैनिक जीवन की विविध विसंगतियों को केंद्र में रखकर लिखा गया है। वे अपने आसपास घटित होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं, व्यवहारों और प्रवृत्तियों का सूक्ष्म अवलोकन करते हैं और उन्हीं के आधार पर अपनी रचनाओं का निर्माण करते हैं।

पुस्तक चर्चा

दीपक गिरकर

समीक्षक

'काले धन के बोनसाई' सुपरिचित साहित्यकार, अभिनेता, दिग्दर्शक श्री नंदकिशोर बर्वे का व्यंग्य संग्रह है। इसके पूर्व लेखक के एक व्यंग्य संग्रह 'आया किधर बसंत' और एक कहानी संग्रह 'हवा में तैरते सवाल' प्रकाशित हो चुके हैं। आपने पांच नाटकों का लेखन किया है। देश के विभिन्न समाचार पत्र-पत्रिकाओं में नंदकिशोर बर्वे की व्यंग्य रचनाएं निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। व्यंग्यकार नंदकिशोर बर्वे ने अपने इस संग्रह की रचनाओं में समकालीन समाज और व्यवस्था में व्याप्त अव्यवस्थाओं, विसंगतियों, विकृतियों, विद्रूपताओं, खोखलेपन तथा पाखण्ड जैसे अनैतिक आचरणों को गहन संवेदनशीलता और सजग दृष्टि के साथ उजागर किया है। वे केवल इन स्थितियों का वर्णन भर नहीं करते, बल्कि उन पर तीखे और सार्थक प्रहार करते हुए पाठक को सोचने के लिए बाध्य करते हैं। उनके व्यंग्य में समाज के विभिन्न स्तरों पर फैली अनियमितताओं और दोहरे मानदंडों का सजीव चित्रण मिलता है, जो यथार्थ को बिना आडंबर के सामने रखता है। बर्वे की लेखनी की एक महत्वपूर्ण विशेषता उनकी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता है। उन्हें जो भी विचार, व्यवहार या परिस्थिति असंगत अथवा अनुचित प्रतीत होती है, वे तत्काल उसे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति का विषय बना लेते हैं। इस प्रकार उनके व्यंग्य आलेख समय की नब्ज को पकड़ने वाले प्रतीत होते हैं। वे केवल साहित्यिक सृजन तक सीमित नहीं रहते, बल्कि अपने लेखन के माध्यम से राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक क्षेत्रों से जुड़े कर्णधारों को निरंतर सचेत करते हैं। उनकी रचनाएँ पाठकों का ध्यान आकृष्ट करने के साथ-साथ उन्हें भीतर तक झकझोर देती हैं। वे पाठक को केवल हँसाने या मनोरंजन करने के उद्देश्य से व्यंग्य नहीं लिखते, बल्कि उसके माध्यम से समाज में व्याप्त विसंगतियों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना चाहते हैं। उनके व्यंग्य में निहित तीक्ष्णता और सार्थकता पाठक को आत्ममंथन के लिए प्रेरित करती है और सामाजिक परिवर्तन की दिशा में सोचने को विवश करती है। इस प्रकार नंदकिशोर बर्वे का यह व्यंग्य-साहित्य न केवल यथार्थ का सशक्त दस्तावेज है, बल्कि एक सजग सामाजिक हस्तक्षेप भी है, जो अपने समय की विकृतियों पर प्रभावी ढंग से प्रहार करता है।

व्यंग्य रचना 'काले धन के बोनसाई' प्रतीक के माध्यम से व्यवस्था और भ्रष्टाचार पर गहरी और प्रभावशाली चोट करती है। लेखक ने उपवन, माली और वृक्षों के रूपक का प्रयोग कर लोकतांत्रिक तंत्र की विडंबनाओं को अत्यंत सजीव ढंग से प्रस्तुत किया है। रचना की सबसे बड़ी विशेषता इसकी प्रतीकात्मकता और व्यंग्य की गहराई है। माली का 'वादों' के सहारे काम चलाना और वृक्षों का अनियंत्रित रूप से बढ़ते रहना। यह सीधे-सीधे उस व्यवस्था की ओर संकेत करता है जहाँ नियंत्रण के नाम पर केवल दिखावा होता है। 'माली बदलने' के बाद भी स्थिति में वास्तविक परिवर्तन न होना, लोकतंत्र में सतही बदलावों पर सटीक कटाक्ष है। बोनसाई का प्रयोग अत्यंत सार्थक और मारक है। यह उन तत्वों का प्रतीक बनकर उभरता है जो ऊपर से सीमित या नियंत्रित दिखते हैं, लेकिन अपनी जड़ों (अर्थात मूल शक्ति/संपत्ति) को हर हाल में सुरक्षित रखते हैं। 'फूल-पत्ती समर्पित कर जड़ों को बचाना' काले धन और प्रभावशाली वर्ग की चालाकी का सशक्त रूपक है। यह एक गहन, प्रतीकात्मक और तीक्ष्ण व्यंग्य रचना है, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरियों और काले धन की जड़ों पर सटीक प्रहार करती है।

व्यंग्यकार नंदकिशोर बर्वे का यह व्यंग्य संग्रह सामाजिक तथा दैनिक जीवन की विविध विसंगतियों को केंद्र में रखकर लिखा गया है। वे अपने आसपास घटित होने वाली छोटी-छोटी घटनाओं, व्यवहारों और प्रवृत्तियों का सूक्ष्म अवलोकन करते हैं और उन्हीं के आधार पर अपनी रचनाओं का निर्माण करते हैं। उनके व्यंग्य में समाज की

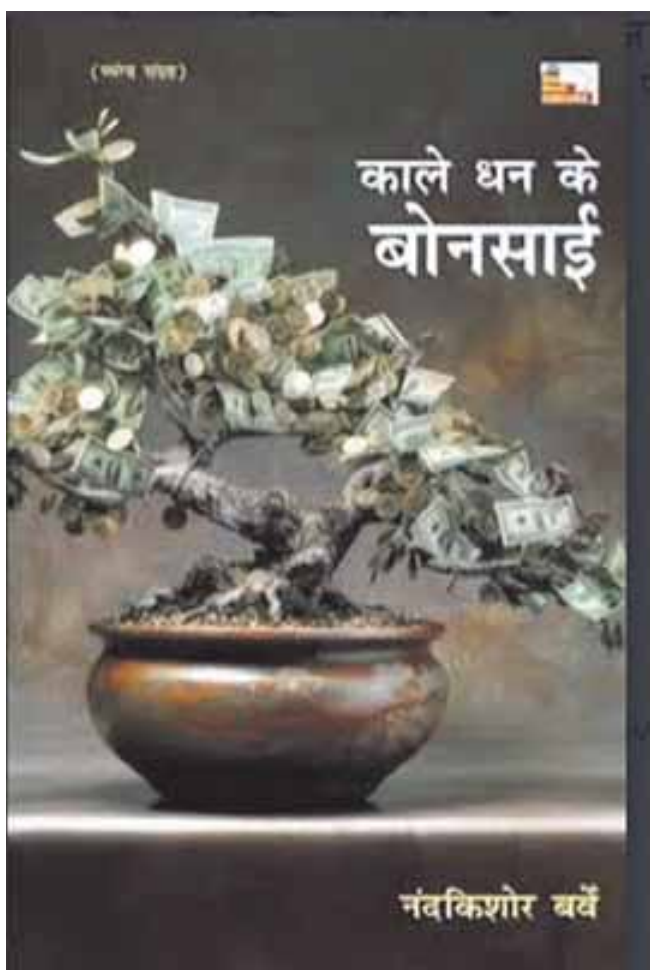

विडंबनाएँ तीखे रूप में नहीं, बल्कि सहज और संतुलित ढंग से उभरकर सामने आती हैं। बर्वे के पास नाट्य मंचन का पर्याप्त अनुभव है, जिसका स्पष्ट प्रभाव उनकी रचनाओं में देखा जा सकता है। उनकी लेखन शैली में संवादधर्मिता, दृश्यात्मकता और पात्रों की जीवंत प्रस्तुति मिलती है, जिससे पाठक को ऐसा प्रतीत होता है मानो वह किसी नाटक का मंचन देख रहा हो। यही कारण है कि उनकी अधिकांश रचनाएँ नाटकीयता से परिपूर्ण होते हुए भी बोझिल नहीं लगतीं, बल्कि रोचकता बनाए रखती हैं। उनकी रचनाओं के शीर्षक अत्यंत आकर्षक और जिज्ञासा उत्पन्न करने वाले हैं, जो पाठक को पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं। भाषा की दृष्टि से बर्वे अत्यंत सरल, स्पष्ट और संप्रेषणीय शैली का प्रयोग करते हैं। उनकी भाषा में कृत्रिमता या जटिलता नहीं है, जिससे सामान्य पाठक भी आसानी से उनके व्यंग्य का अर्थ और भाव ग्रहण कर सकता है। वे जानबूझकर किसी प्रकार का भाषाई या शाब्दिक खिलवाड़ नहीं करते, बल्कि सीधे और प्रभावी ढंग से अपनी बात रखते हैं। बर्वे की विशेषता यह है कि वे व्यंग्य प्रस्तुत करते समय अनावश्यक आक्रामकता या कटुता से बचते हैं। वे बिना लाउड हुए, बहुत शिष्ट और संतुलित तरीके से समाज की विसंगतियों को उजागर करते हैं। उनके व्यंग्य में मर्यादा और सौम्यता बनी रहती है, जो पाठक को सोचने के लिए प्रेरित करती है, न कि केवल चौंकाने के लिए। आशा है इस व्यंग्य संग्रह का साहित्य जगत में स्वागत होगा।

पुस्तक - काले धन के बोनसाई (व्यंग्य संग्रह)
लेखक - नंदकिशोर बर्वे
प्रकाशक- न्यू वर्ल्ड पब्लिकेशन
मूल्य - 299/- रूपए

प्रवेश उत्सव में क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने छात्र-छात्राओं पर बरसाएं फूल

सोहागपुर। शासकीय सांदीपनि सरदार ज्वालासिंह सरदार लद्धासिंह उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में प्रवेश उत्सव का आयोजन क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह के आतिथ्य में संपन्न हुआ।इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक के साथ नगर की प्रथम नागरिक नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती लता यशवंत पटेल,उपाध्यक्ष आकाश रघुवंशी, पार्षद श्री रविशंकर उइके, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि यशवंत पटेल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी राकेश उइके, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक राकेश रघुवंशी आदि मंचासीन थे। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह ने छात्र छात्राओं को प्रवेश उत्सव की शुभकामनाएं दी। आपने छात्रों पर पुष्प वर्षा की छात्रों ने करतल ध्वनि से उनका अभिवादन किया।इसी अवसर पर छात्र छात्राओं ने स्किल का प्रदर्शन किया। वहीं छात्र छात्राओं को निशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई। इसी क्रम में प्राथमिक विद्यालय के छात्रों को स्कूल बेग प्रदान किए गए। इसके पूर्व उपस्थित विघार्थियों का तिलक लगाकर पुष्प वर्षा की गई। इस अवसर पर पीएम श्री विद्यालय प्राचार्य श्रीमती सुनीता गढ़वाल के अलावा शिक्षकगण, गणमान्य नागरिक, अभिनव पालीवाल आदि उपस्थित थे। सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य ने आभार व्यक्त किया।

उपलब्धियों से भरपूर प्राचार्य खान मैडम सेवानिवृत्त

सोहागपुर। पी.एम. श्री. शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की वरिष्ट शिक्षिका एवं पूर्व प्रभारी प्राचार्य श्रीमती सायरा बानो खान को भावभीनी सेवानिवृत्त बिदाई दी गई।श्रीमती खान का सेवा कॉल उपलब्धियां भरा रहा है। उल्लेखनीय है कि एसजेएल उत्कृष्ट विद्यालय में पदस्थ होने के अवसर पर उनके विषय का 12 वर्षों तक लगातार हायर सेकेंडरी बोर्ड परीक्षा का परीक्षा परिणाम 100 प्रतिशत रहा। ज्ञातव्य है कि आपने प्रारंभिक सेवाएं हरदा जिले के शासकीय हायर सेकेंडरी विद्यालय हंडिया में दी थी। संस्था के नितिन पचौरी ने खान मैडम की पारिवारिक पृष्ठभूमि के बारे में बताया कि श्रीमती सायरा बानो खान का परिवार देश सेवा एवं समाज सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहा है। उनके एक भाई भारतीय सेना के सेवानिवृत फौजी हैं। इस अवसर पर उनके परिवार के समस्त सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर प्राचार्य सुनीता गढ़वाल ,जन शिक्षक राजेश दीक्षित सर, अशोक गजजाम , लखन अहिरवार एवं समस्त स्टाफ ने सेवानिवृत सायरा बानो की दीर्घायु, स्वास्थ्य रहने की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी। मंच संचालन पवन खरे एवं आभार डॉक्टर अनूप सोनी ने व्यक्त किया। इसके पूर्व नितिन पचौरी ने श्रीमती खान की पृष्ठभूमि पर सारगर्भित उद्बोधन दिया।

हास्य परिहास पर गोष्ठी : सोने की चिड़िया था जब ये देश हमारा, गौ माता की पूजन करता था देश में सारा

सोहागपुर। हास्य परिहास दिवस, रेणुका चतुर्दशी एवं श्री हनुमान प्राकट्य उत्सव की पूर्व संध्या पर काव्य गोष्ठी का आयोजन मंगलवार को जीवन दुबे के मातापुरा वार्ड के निवास पर पलकमती साहित्य परिषद के तत्वावधान में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर युवा कवियित्री कृतिका दुबे ने मार्च माह के दौरान देशभर में घटी घटनाओं को काव्यबद्ध करते हुए अपनी रचना की प्रस्तुति दी जिसकी सभी ने सराहना की। कार्यक्रम के अध्यक्षता वरिष्ठ कवि मथुरा प्रसाद जोशी ने हास्य व्यंग्य की रचनाओं का पाठ करते हुए सबको जमकर गुदगुदाया। उन्होंने राई विद्या के काव्य की प्रस्तुति भी दी। दयाशंकर शर्मा ने मौसमें बसंत है शादी में बहार है मेहंदी रचे हाथ है वरमाला साथ है कविता का पाठ किया। जलज शर्मा ने उसकी मुंतजिर आंखें मुझे सब कुछ बताती हैं कि सरहद पर है बेटा दिल में मां दीपक जलाती है कविता की प्रस्तुति दी। प्रबुद्ध दुबे ने गिरा पर मनोबल गिरने नहीं दिया जिया जिंदगी को अपने उसूलों पर जिया। जीवन दुबे ने प्राचीन एवं आधुनिक जीवन पद्धति पर कविता पढ़ते हुए सोने की चिड़िया था जब ये देश हमारा। गौ माता की पूजन करता था देश ये सारा।बैल बखर से होती थी खेती हम सबकी । पोषक तत्वों से युक्त था भोज्य हमारा की प्रस्तुति दी। नीरज चौरसिया ने एक ही रंग में जन्मा था मैं, इस रंग ने मुझको रंग दिया कविता का पाठ कर मानव जीवन पर अपने उद्गार प्रस्तुत किए। श्वेतल दुबे ने सत,धर्म अपराध बोध एवं क्षमा पर कविता का पाठ किया।

बैतूल-बरेठा घाट में हाईवे निर्माण का रास्ता साफ, सभी अनुमतियां मिली

स्टे हटते ही शुरू होगा, बरेठा फोरलेन का निर्माण कार्य

एस. द्विवेदी, बैतूल।

बैतूल-इटारसी फोरलेन के बरेठा घाट सेक्शन में सड़क निर्माण को लेकर अब राह खुलते नजर आ रही है। यहां फोरलेन बनाने के लिए एनएचएआई ने हाईकोर्ट के निर्देशों के अनुरूप प्लान बना लिया है और वाइल्ड लाइफ बोर्ड एवं केंद्र सरकार से सभी जरूरी अनुमतियां भी प्राप्त कर ली है। अब हाईकोर्ट का स्टे औपचारिक रूप से हटते ही यहां निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। दरअसल नागपुर-भोपाल जैसी दो बड़े महानगरों को जोडऩे वाले नेशनल हाइवे पर अब तक अवरोध बैतूल जिले में स्थित बरेठा घाट बचा है। भोपाल और नागपुर के बीच आवागमन को सुगम और तेज करने के लिए वैसे तो कई साल पहले बैतूल से नागपुर और बैतूल से भोपाल के लिए फोरलेन नेशनल हाईवे को एक साथ मंजूरी मिली थी। इसमें से बैतूल से नागपुर तक 173.3 किलोमीटर लंबे नेशनल हाईवे (एनएच-47) बहुत पहले बन कर तैयार हो चुका। इसके विपरीत बैतूल से इटारसी के बीच 21 किमी के क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य पर हाईकोर्ट की रोक थी। नागपुर (महाराष्ट्र) के एक एनजीओ ने टाइगर कॉरिडोर और बाघ मूवमेंट होने के कारण इस 20 किमी में निर्माण कार्य नहीं किए जाने पर स्टे लेकर रखा है। हालांकि यह स्टे अभी हटा नहीं है, लेकिन भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण

(एनएचएआई) सूत्रों के अनुसार, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के स्टे के बाद जिन आवश्यक अनुमतियों की जरूरत थी, उनमें वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी स्वीकृतियों सहित अन्य केंद्रीय मंजूरियां अब प्राप्त हो चुकी हैं। इन अनुमतियों को जल्द ही न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर स्टे हटाने (वेकैट) की कार्रवाई की जाएगी। आदेश मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

हाईकोर्ट में दायर पीआईएल के बाद से रुका है काम - इटारसी-बैतूल के मध्य बरेठा घाट का लगभग 21 किमी का भाग शेष रह गया था। इसमें केसला रेज, भौरा रेंज तथा बरेठा घाट के तीन खंड (कुल 20.91 किमी) सम्मिलित है। ये सभी खंड वन्यजीव, विशेषकर टाइगर मूवमेंट कॉरिडोर के दृष्टिकोण से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में आते हैं। इसी के चलते इन खंडों में निर्माण कार्य को 1 अप्रैल 2022 को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा जारी स्टे आदेश के पश्चात स्थगित कर दिया गया था। इस प्रोजेक्ट के लिए विभिन्न वैधानिक एवं पर्यावरणीय, विशेष रूप से वन्यजीव संबंधित मंजूरियों की आवश्यकता थी। हाई कोर्ट के निर्देशों का पालन करते हुए एनएचएआई ने सभी आवश्यक प्रक्रिया निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप पूरी कर ली है। प्रोजेक्ट के लिए वाइल्ड लाइफ बोर्ड एवं केन्द्र सरकार से सभी आवश्यक मंजूरिया प्राप्त हो चुकी है। अब उच्च न्यायालय द्वारा स्टे को औपचारिक रूप से हटने के संबंध में आदेश की प्रतीक्षा की जा रही है। जैसे ही न्यायालय से इसे संबंध में निर्देश प्राप्त होंगे, एनएचएआई द्वारा शेष बचे सेक्शन में निर्माण कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

अंडर ब्रिज, ओवर ब्रिज और व्हीकल अंडरपास बनेंगे - बरेठा घाट सेक्शन में चिन्हित ब्लैक स्पॉट्स का स्थायी समाधान किया जाएगा। इसके लिए विशेष रेक्टिफिकेशन प्लान तैयार किया गया है, जिसके तहत तीन माइनर ब्रिज बनाए जाएंगे। साथ ही 38 बॉक्स कल्वर्ट पर कार्य किया जाएगा, जिसमें चौड़ीकरण और आवश्यक सुधार शामिल है। ट्रैफिक की निर्बाध और सुरक्षित बनाने के लिए एक रेलवे अंडरब्रिज, 2 रोड ओवरब्रिज और एक व्हीकल अंडरपास का निर्माण भी प्रस्तावित है। इससे सड़क की समता बढ़ेगी और ट्रैफिक बिना रुकावट के चलते रहेगा। इस प्रोजेक्ट को भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया गया है, ताकि आने वाले वर्षों में भी यह मार्ग सुरक्षित, सुगम और भरोसेमंद बना रहे। वर्तमान में मौजूद टू लेन सड़क को फोरलेन में विकसित किया जाएगा, जिसमें सडक़ की चौड़ाई बढ़ेगी और बढ़ते ट्रैफिक के दबाव से राहत मिलेगी। रोजाना लगने वाले लंबे ट्रॉफिक जाम की समस्या कम होगी।

बरेठा घाट सेक्शन में हो चुके है कई हादसे - बरेठा घाट सेक्शन सडक़ सुरक्षा की दृष्टि से भी बेहद संवेदनशील माना जाता है। यहां संकरी और घुमावदार दो-लेन सडक़, ढलान और सीमित दृश्यता के कारण दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। पिछले तीन वर्षों में यहां 50 से अधिक सड़क हादसे हो चुके हैं, जिनमें कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हुए। इसी वजह से इस हिस्से का उन्नयन बेहद जरूरी माना जा रहा है। एनएचएआई ने इस सेक्शन के लिए जो नया प्लान तैयार किया है, उसमें घुमावदार रास्तों को सुधारा जाएगा और ब्लैक स्पॉट्स का स्थायी समाधान किया जाएगा। सबसे खास बात यह है कि इस पूरे प्रोजेक्ट में वन्यजीव संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। इसके तहत 10 एनिमल अंडरपास और 1 एनिमल ओवरपास बनाए जाएंगे, ताकि टाइगर सहित अन्य वन्यजीवों की आवाजाही प्रभावित न हो। साथ ही क्रैश बैरियर, रंबल स्ट्रिप, साइन बोर्ड, फेंसिंग और अन्य सुरक्षा उपाय भी किए जाएंगे।

इनका कहना है - सड़क निर्माण से संबंधित सभी जरुरी अनुमतियां वाइल्ड लाइफ बोर्ड तथा केंद्र सरकार से प्राप्त कर ली है। हाईकोर्ट का स्टे हटते ही यहां निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा।

- मनीष मीणा, प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनएचएआई

विधायक के प्रयासों से 40 करोड़ की लागत से कन्या शिक्षा परिसर को मिली प्रशासनिक स्वीकृति

कन्या शिक्षा परिसर के रूप में ग्रामीण व आदिवासी बालिकाओं को मिलेगी सुविधा

बैतूल। आमला-सारणी विधानसभा क्षेत्र के जुझारू विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे के सतत प्रयासों से आमला विकासखंड अंतर्गत लगभग 40 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित होने वाले भव्य कन्या शिक्षा परिसर भवन निर्माण को प्रशासनिक स्वीकृति मिल गई है। जनजातीय कार्य विभाग द्वारा जारी इस स्वीकृति के अंतर्गत परिसर में सर्वसुविधायुक्त आवासीय भवन, छात्रावास, बाउंड्रीवाल एवं अन्य आवश्यक अधोसंरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। ग्रामीण, आदिवासी एवं दूरस्थ क्षेत्रों की बालिकाओं को बेहतर शिक्षा और सुरक्षित आवासीय सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से प्रस्तावित, यह कन्या शिक्षा परिसर क्षेत्र की छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण एवं सुरक्षित आवासीय शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। विधायक डॉ. पंडाग्रे के नेतृत्व में आमला-सारणी विधानसभा क्षेत्र में सडक़, शिक्षा, स्वास्थ्य, सिंचाई एवं रोजगार जैसे विभिन्न क्षेत्रों में निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में यह कन्या शिक्षा परिसर ग्रामीण क्षेत्र की छात्राओं हेतु मील का पत्थर साबित होगा। उल्लेखनीय है कि आमला विधायक

डॉ. योगेश पंडाग्रे के प्रयासों से आमला शहर में लगभग 26 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित हो रहा सर्वसुविधायुक्त शासकीय संदीपनी विद्यालय भी अब पूर्णता की ओर अग्रसर है तो 6 करोड़ रुपए से अधिक लागत से भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर शासकीय महाविद्यालय में अतिरिक्त कक्ष निर्माण व आधा दर्जन से अधिक उच्चतर माध्यम विद्यालय भवन का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। लगभग 13 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित इस कन्या शिक्षा परिसर के लिए भूमि चयन व आवंटन की प्रक्रिया भी अब अंतिम चरण में है जिसका प्रशासनिक स्वीकृति उपरांत शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ हो जाएगा। उल्लेखनीय है कि कन्या शिक्षा परिसर में खेल, सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक गतिविधियों के साथ-साथ प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय, चिकित्सा एवं आकस्मिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वहीं विद्यार्थियों को गणवेश, ब्लू ब्लेजर, पुस्तकें, स्टेशनरी, तथा पोषण आहार भी प्रदान किया जाएगा।

इनका कहना है - कन्या शिक्षा परिसर भवन निर्माण की प्रशासनिक स्वीकृति मिल चुकी है। उक्त स्वीकृति के लिए हमारे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का आभार। माता शबरी के नाम से पहचाने जाने वाला प्रस्तावित आवासीय कन्या शिक्षा परिसर निर्माण के साथ न केवल शिक्षा का केंद्र बनेगा, बल्कि यह ग्रामीण एवं आदिवासी क्षेत्रों की बालिकाओं के लिए सुरक्षा, आत्मनिर्भरता और उज्ज्वल भविष्य का आधार भी बनेगा।

- डॉ. योगेश पंडाग्रे, विधायक, आमला

आशा-आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए 200 किमी की पदयात्रा

बैतूल से भोपाल तक 11 दिन की यात्रा, सीएम को सौंपेंगे मांगपत्र

बैतूल। जिले के छात्र नेता रामकुमार नागवंशी ने आशा और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की मांगों को लेकर 200 किलोमीटर लंबी पदयात्रा शुरू की है। यह यात्रा बुधवार दोपहर 12 बजे बैतूल के अंबेडकर चौक से प्रारंभ हुई, जिसका लक्ष्य 11 दिनों में भोपाल पहुंचना है। पूर्व में एनएसयूआई से जुड़े रहे रामकुमार नागवंशी ने इस यात्रा को आंगनवाड़ी न्याय पदयात्रा नाम दिया है। उनका कहना है कि गांव-गांव जाकर सेवा देने वाली इन कार्यकर्ताओं को अब तक सम्मानजनक वेतन और सरकारी कर्मचारी का दर्जा नहीं मिला है। नागवंशी ने बताया कि उनकी भाभी और बहन भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता हैं। उनके संघर्ष को करीब से देखने के बाद ही उन्होंने यह पदयात्रा शुरू करने का निर्णय लिया। पदयात्रा के माध्यम से वह आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं को शासकीय कर्मचारी का दर्जा देने, नियमित वेतनमान लागू करने, पेंशन, ग्रेच्युटी, बीमा और स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग कर रहे हैं। मध्य प्रदेश की गर्मी और तपती धूप के बावजूद रामकुमार लगातार पदयात्रा कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं की आवाज है, जो वर्षों से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रही हैं। भोपाल पहुंचने पर रामकुमार नागवंशी मुख्यमंत्री निवास में मांग पत्र सौंपेंगे। उन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेगी और कार्यकर्ताओं के जीवन में बदलाव आएगा।

ध्यान से बढ़ती है एकाग्रता, मन होता है शांत : विनोद जेठवा

पॉलिटेक्निक कॉलेज में हुआ हार्टफुलनेस ध्यान कार्यक्रम

बैतूल। शासकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज सोनाघाटी बैतूल में हार्टफुलनेस ध्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें नागपुर से पधारे प्रशिक्षक विनोद जेठवा ने लगभग 125 बच्चों को हार्टफुलनेस ध्यान की पद्धति एवं ध्यान से हमारे जीवन में क्या क्या बदलाव आते हैं, विद्यार्थियों को ध्यान करने से क्या लाभ हैं, के बारे में बताया। हार्टफुलनेस ध्यान के अभ्यासी कमल नयन अग्रवाल ने बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान, हृदय आधारित ध्यान पद्धति है जो कि अपने हृदय में एक दिव्य प्रकाश की अनुभूति के विचार को लेकर किया जाने वाला ध्यान है। अभ्यासी आशीष पचौरी ने बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान की चार विधियां हैं। रिलेक्सेशन, मेडिटेशन, क्लीनिंग और प्रार्थना। रिलैक्सेशन की प्रक्रिया से शरीर को आरामदायक अवस्था में लाया जाता है। इसके बाद मेडिटेशन यानी ध्यान किया जाता है। शाम को क्लीनिंग यानी सफाई की प्रक्रिया की जाती है, जिससे हमारे दिल दिमाग की सफाई की जाती है। जो दिनभर हमारे द्वारा किए कामों की छापें, नकारात्मक विचार आदि की सफाई की जाती है। अंत में रात में सोने से पहले स्वयं एवं विश्व के कल्याण हेतु प्रार्थना की जाती है। अभ्यासी राजेंद्र परिहार ने अपने ध्यान के अनुभव साझा करते बताया कि ध्यान से किस प्रकार उनके जीवन में बदलाव आया। कार्यक्रम के अंत में अभ्यासी कमल नयन अग्रवाल ने बताया कि हार्टफुलनेस ध्यान पूर्णतया निःशुल्क है कोई भी व्यक्ति बैतूल गंज स्थित ध्यान केंद्र पर आकर ध्यान प्रशिक्षक से पर्सनल सिटिंग ले सकते हैं। केंद्र पर सुबह 9 से दोपहर 1 बजे तक एवं 4 से 8 बजे तक आकर सिटिंग (प्रशिक्षक के साथ बैठकर ध्यान करना) ले सकते हैं। साथ ही प्रति रविवार सुबह 9 से 10 एवं प्रति बुधवार शाम 6 से 7 सामूहिक ध्यान का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। साथ ही सभी स्कूलों के प्राचार्यों एवं शिक्षकों से भी अपील की जाती है कि यदि आप चाहें, तो स्कूल में 15 वर्ष से ऊपर की आयु वर्ग के बच्चों के लिए 3 दिवसीय निःशुल्क ध्यान कार्यक्रम बैतूल गंज हार्टफुलनेस ध्यान केंद्र पर या आपके द्वारा तय स्थान पर कर सकते हैं। अंत में अभ्यासी राजेंद्र परिहार ने सभी बच्चों, प्राचार्य भदौरियाजी एवं समस्त स्टाफ का आभार व्यक्त किया।

अभियान चलाकर लंबित राजस्व प्रकरणों का निराकरण करें : कलेक्टर

बैतूल। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बुधवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से राजस्व प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की। उन्होंने सभी राजस्व अधिकारियों को निर्देशित किया कि नामांतरण, बंटवारा एवं सीमांकन के लंबित प्रकरणों का अभियान चलाकर प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाए। आगामी 7 दिनों में शत-प्रतिशत प्रकरणों का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर श्री सूर्यवंशी ने स्पष्ट कहा कि अविवादित नामांतरण एवं बंटवारा प्रकरणों में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। साथ ही उन्होंने फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में तेजी लाने के निर्देश देते हुए निर्धारित लक्ष्यों को समयसीमा में पूर्ण करने के लिए कहा। बैठक में अपर कलेक्टर वंदना जाट, संयुक्त कलेक्टर मकसूद अहमद,सभी एसडीएम एवं तहसीलदार वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक में शामिल हुए।

कार्यालय नगर परिषद बैतूल बाजार जिला-बैतूल (म.प्र.)

क्र./नांमाकन/2026/309 बैतूल बाजार, दिनांक 31मार्च 2026

// विज्ञप्ति सूचना //

मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 150 एवं 151 के तहत निकाय को प्राप्त नामांतरण प्रकरणो को सर्वसाधारण की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है। अतः जिस किसी व्यक्ति/फर्म/संस्था को निम्नलिखित प्रकरणों पर कोई आपत्ति हो तो मय साक्ष्य के प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर अधो हस्ताक्षरकर्ता के समक्ष प्रस्तुत कर सकेंगे समय अवधि पश्चात् दावे/आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जावेगा।

क्र.	हस्तांतरित कर्ता का नाम	हस्तांतरण ग्रहणकर्ता का नाम	वार्ड का नाम	भूखंड की स्थिति	नामांतरण का आधार
1	शंकरराव पानकर पिता बापूराव पानकर	शंकरराव बापूराव पानकर	शास्त्री वार्ड	94.80 वर्गमीटर पट्टा	धारणाधिकार पट्टा
2	नंदकिशोर गुरूबक्स राठौर	दिलिप पिता नन्दकिशोर राठौर	राजेन्द्र वार्ड	भूखंड	दानपत्र
3	प्योरलाल वल्द रामचरण	काशीप्रसाद पिता प्यारेलाल	कैलाश वार्ड	भूखंड	फौतीनांमातरण
4	प्यारेलाल वल्द रामचरण	काशीप्रसाद पिता प्यारेलाल	कैलाश वार्ड	भवन	फौतीनांमातरण
5	मौजी फन्दू ढीमर	कन्हैया, लख्खू, फूल्वा पिता मौजी डायरे	गांधी वार्ड	भवन	फौतीनामातरण
6	कलाबाई पति शंकर पंवार	मदन शंकर पवांर	मालवी वार्ड	भूखंड 35.69 वर्गमीटर	पट्टा
7	विरेन्द्र कुमार रामनारयण वर्मा	शैल चौधरी पति विरेन्द्र संगीता, अनंत राजकुमारी, सक्ष्म, सताक्षी चौधरी	सुभाष वार्ड	भवन	फौतीनांमातरण
8	नानी पति प्रहलाद राठौर	संजय, जितेन्द्र, बंटी, कविता, पिता प्रहलाद राठौर	गांधी वार्ड	भवन 124	फौतीनांमातरण
9	प्रहलाद पिता शंकरलाल राठौर	संजय, जितेन्द्र, बंटी कविता, पिता प्रहलाद राठौर	गांधी वार्ड	भवन 41	फौतीनांमातरण
10	भंगी कूमार पिता फूलचन्द कुमार	संजय, जितेन्द्र, बंटी कविता पिता प्रहलाद राठौर	गांधी वार्ड	41/1	फौतीनामातरण
11	सुष्मा अजय वर्मा	प्रीति बाला मुद्रीत रावत	सुभाष वार्ड	92.93 वर्गमीटर	रजिस्ट्री
12	सुष्मा अजय वर्मा	विशाल विनोद वर्मा	सुभाष वार्ड	1000 वर्गफूट	रजिस्ट्री
13	सोनु वल्द बाबु माहोरे	दिलीप रामु वल्द, जुगरू माहोरे	गांधी वार्ड	200 वर्गफूट	रजिस्ट्री
14	ब्रजलाल पिता दिनदयाल ठाकूर	अरूणा प्रदिप वर्मा	आजाद वार्ड	1255 वर्गफूट	दानपत्र
15	नरेन्द्र पिता मोतिलाल वर्मा	नरेन्द्र मोतिलाल वर्मा	शिवाजी वार्ड	184.20 वर्गमीटर	धारणाधिकार पट्टा
16	नन्दनी कृष्ण कुमार वर्मा	शिवम नन्दकुमार वर्मा	कैलाश वार्ड	1085 वर्गफूट	रजिस्ट्री
17	कमला बाई	प्रमोद बाजीराव	विष्णु वार्ड	600 वर्गफूट	दानपत्र
18	प्रहलाद पिता शंकरलाल राठौर	प्रहलाद पिता शंकरलाल राठौर	राजेन्द्र वार्ड	भवन	फौतीनांमातरण
19	सतीश पिता गोंडू उर्फ गुरूप्रसाद चौहान	विशाल विनोद वर्मा	शिवाजी वार्ड	3024 वर्गफूट	रजिस्ट्री
20	नवनीत श्याम किशोर वर्मा	नवनीत श्याम किशोर वर्मा	शिवाजी वार्ड	198 वर्गमीटर	पट्टा
21	अंकिता नवनीत वर्मा	अंकिता नवनीत वर्मा	शिवाजी वार्ड	198 वर्गमीटर	पट्टा
22	द्रोपदी पति माधोराव	अनिल पिता माधोराव साहिबा बेवा संजय, सूजल, शिवानी पिता संजय रेखा पुत्री माधोराव	शास्त्री वार्ड	भवन	फौतीनांमातरण फौतीनांमातरण
23	गौरीशंकर	कांती पति गौरीशंकर, उमा , विनोद पिता गौरीशंकर	कृष्ण वार्ड	भवन	फौतीनांमातरण
24	बिष्णुलाल पंवार	सीताराम, तुलसीराम, उषा, हेमंत, सचिन पिता मन्नू उर्फ रूपलाल शंकर, मोहन शांता पुष्पा	जवाहर वार्ड	भवन	फौतीनांमातरण
25	सुनील बरखाड़े	प्रमोद बाजीराव पंवार	विष्णू वार्ड	भूखंड 775 वर्गफूट	रजिस्ट्री

मुख्य नगरपालिका अधिकारी, नगर परिषद बैतूलबाजार

नरवाई जलाने पर प्रशासन सख्त, 73 किसानों को थमाए नोटिस

जुर्माने की होगी कार्रवाई, जांच में जुटे अधिकारी

बैतूल। जिले में नरवाई जलाने पर लगाए गए प्रतिबंध के बावजूद खेतों में आग लगाने के मामले लगातार सामने आ रहे हैं। इस पर सख्ती दिखाते हुए जिला प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। अब तक नरवाई जलाने के मामलों में किसानों को नोटिस जारी किए गए हैं और जांच के बाद दोषी पाए जाने पर जुर्माना लगाया जाएगा। दरअसल जिला प्रशासन ने गेहूं सहित अन्य फसलों की कटाई शुरू होने से पहले ही खेतों में नरवाई जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया था। कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी ने बढ़ते प्रदूषण और पर्यावरणीय नुकसान को देखते हुए आदेश जारी किए थे। इसके बावजूद जिले के कई क्षेत्रों में किसानों द्वारा नरवाई जलाने की घटनाएं सामने आई हैं। जानकारी के अनुसार जिले के विभिन्न ब्लॉकों में कुल 73 मामले दर्ज किए गए हैं। इनमें बैतूल ब्लॉक में 14, चिचोली में 4, शाहपुर में 6, घोड़ाडोंगरी में 7, भैंसदेही में 5, आठनेर में 13, भीमपुर में 3, मुलताई में 12, प्रभातपट्टन में 8 तथा आमला ब्लॉक में 1 मामला सामने आये है। इन सभी किसानों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा गया है। प्रशासन ने नरवाई जलाने की घटनाओं पर निगरानी रखने की जिम्मेदारी राजस्व विभाग एवं कृषि विभाग के अधिकारियों को सौंपी है। अधिकारी लगातार खेतों का निरीक्षण कर रहे हैं और उपग्रह चित्रों एवं स्थानीय सूचना के आधार पर मामलों की पुष्टि की जा रही है। अधिकारियों के अनुसार जिन किसानों के खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं, उनकी विस्तृत जांच की जाएगी। जांच में यदि यह पाया जाता है कि किसान ने जानबूझकर नरवाई में आग लगाई है, तो उसके खिलाफ प्रति हेक्टेयर के हिसाब से जुर्माना लगाया जाएगा। प्रशासन

ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली गतिविधियों को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इससे खेतों में मौजूद लाभकारी सूक्ष्म जीव्र नष्ट हो जाते हैं और पर्यावरण को नुकसान पहुंचता है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा किसानों से नरवाई नहीं जलाने और वैकल्पिक प्रबंधन अपनाने की अपील की जा रही है। जिला प्रशासन ने किसानों से नियमों का पालन करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सहयोग देने का आग्रह किया है।

इनका कहना है - जिले में नरवाई जलाने के कुल 73 मामले अभी तक सामने आए है। इन किसानों को नोटिस भी जारी कर दिए गए है। यदि वे जांच में दोषी पाए जाते है तो जुर्माने की कार्रवाई की जाएंगी।

- रामवीर सिंह राजपूत, सहायक संचालक, कृषि विभाग, बैतूल

ईरान में अमेरिकी विफलता पर ईरानी नज़रिया

आग़ा मीर सैयद अब्बास हुसैन खोरासानी

सरपरस्त, बड़ा इमामबाडा, 22 गाँव दोआबा

नकीब अल अशरफ, जैदी सदात

हाल ही में आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई (र.अ.) की शहादत के बाद पश्चिमी मीडिया और अमेरिका-इजराइल के नेतृत्व में यह धारणा बनी कि ईरान अब दिशाहीन हो जाएगा और उसका परमाणु कार्यक्रम समाप्त हो जाएगा। यह सोच पश्चिमी लोकतांत्रिक चश्मे से नेतृत्व को देखने की भूल है। अमेरिका की 1979 से चली आ रही विफलता का मुख्य कारण ईरान की विशिष्ट शासन व्यवस्था 'विलायत-अल-फ़की' (Guardianship of the Jurist) को न समझ पाना है।

धर्मशास्त्र और विधिशास्त्र के विशेषज्ञों द्वारा संरक्षण की इस्लामिक व्यवस्था – पश्चिमी देशों या भारत जैसे लोकतंत्रों के विपरीत, ईरान में शीर्ष नेतृत्व केवल चुनावी शक्ति प्रदर्शन या धनबल-बाहुबल से तय नहीं होता। यहाँ सर्वोच्च धार्मिक नेता का चुनाव उसकी योग्यता और ज्ञान के आधार पर साथी धार्मिक विद्वानों (मुजतहिदों) के एक समूह द्वारा किया जाता है। इस व्यवस्था की जड़ें शिया इस्लाम के 12 इमामों के सिद्धांत में हैं। शिया मान्यता के अनुसार, पैगंबर मोहम्मद के बाद 12 इमाम उनके आध्यात्मिक और राजनीतिक उत्तराधिकारी थे। वर्तमान में 12वें इमाम 'ग़ैबत' (पर्दे में हैं। उनकी अनुपस्थिति में समाज के मार्गदर्शन के लिए 'विलायत-अल-फ़की' की अवधारणा को अपनाया गया है, ताकि 'फ़िकह-ए-जाफ़रिया' (इस्लामिक विधिशास्त्र) के आधार पर शासन चलाया जा सके। विलायत - अल - फ़की, फ़िकह - ए - जाफरिया के विशेषज्ञ द्वारा संरक्षण की व्यवस्था को कहते हैं। चुने गए संरक्षक को वली - अल - फ़की कहते हैं, जिसकी पहली आवश्यकता फ़िकह - ए - जाफरिया की संपूर्ण जानकारी होना हैं। इसके लिए हौज़ा (शिया मदरसों) में दशकों की लम्बी पढाई एवं इज्तिहाद (किसी प्रश्न का विधि सम्मत उत्तर प्राप्त करने की प्रक्रिया) के पश्चात विद्यार्थी मुजतहिद (विधिवेत्ता) बनता है। जिन मुजतहिद को बाकी मुजतहिद, ज्ञान और नेतृत्व के मामले में बेहतर मानते हैं, वो ही आयतुल्लाह कहलाते हैं, जिसका अर्थ होता है अल्लाह की निशानी। और, जिन आयतुल्लाह को बाकी आयतुल्लाह बेहतर मानते हैं, वो आयतुल्लाह अल उज़मा (Grand Ayatollah) कहलाते हैं। ये आयतुल्लाह अल उज़मा मर्जा - ए - तकलीद भी होते हैं। जब कोई गैर मुजतहिद य आम आदमी, धार्मिक मामलों के उत्तर अथवा समाधान ग्रहण करता है, तो उसे तकलीद (अनुसरण) कहते हैं। तकलीद करने वाला मुक़ल्लिद और जिस मुजतहिद की तकलीद की जाती है, वो मर्जा - ए - तकलीद कहलाता है। जो शिया इस व्यवस्था में यकीन नहीं रखता वो गैर - मुक़ल्लिद अखबारी कहलाता है, और वो इस व्यवस्था का विरोध करते हैं। इसके विपरीत मुक़ल्लिद उसूली शिया कहलाते हैं।

उल्लेखनीय है कि ऐसे विषय जो बदलते दौर में भी सामने आते रहे, और जिनके लिए विशिष्ट प्रावधान नहीं है, उनको उमूर - ए - हिस्बिया कहा जाता है । इसी के अंतर्गत किसी देश की अर्थव्यवस्था, रक्षा इत्यादि से लेकर तम्बाकू तक सारे मसले आते हैं। उमूर - ए - हिस्बिया पर भी मर्जा - ए - तकलीद का अनुसरण मुक़ल्लिद पर वाजिब होता है।

भारतीय उपमहाद्वीप और वैश्विक प्रभाव – शिया नेतृत्व की यह परंपरा केवल ईरान तक सीमित नहीं है। सैयद दिलदार अली नकवी उर्फ़ गुफ़रान मआब (1753 - 1820) भारतीय उपमहाद्वीप के पहले मुजतहिद, आयतुल्लाह अल उज़मा, एवं मर्जा - ए - तकलीद थे। इन्होने वर्तमान भारत के लखनऊ शहर को एक शिया मरकज़ (केंद्र) के रूप में स्थापित किया, जो आज भी उसी तरह है। आज हम जो भारतीय उपमहाद्वीप में शिया समुदाय में अज़ादारी, ताजियादारी, मजलिस, महफ़िल इत्यादि का एक शास्त्र सम्मत स्वरूप देते हैं, इसकी बुनियाद इन्होने ही रखी थी। यहाँ तक कि उस दौर में लखनऊ और बंगाल समेत सारे शिया नवाब भी उनकी तकलीद और पैरवी करते थे। इसी परंपरा में कुदरतुल आरिफीन जनाब सैयद अली साहब (1800 - 1868) को बिहार का पहला मुजतहिद माना जाता है। वर्तमान में भारतीय उपमहाद्वीप के शिया समुदाय ईरान और इराक के मर्जा या मर्जा - ए - तकलीद /आयतुल्लाह अल उज़मा की तकलीद करते हैं, जिनमे प्रमुख शख्सियतों में आयतुल्लाह अल उज़मा सैयद अली अल सिस्तानी हैं, और दिवंगत आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई (र.अ.) भी थे।

ईरान की वर्तमान व्यवस्था – 1979 में ईरान में जब इस्लामिक क्रांति आई तो इसमें गणतांत्रिक रूप से राष्ट्राध्यक्ष/राष्ट्रपति की व्यवस्था थी। उमूर - ए - हिस्बिया की श्रेणी के अंतर्गत देश के शासन को मुजतहिद के हवाले किया। विलायत -अल - फ़की पर आधारित इसी व्यवस्था को इमाम खुमैनी ने प्रस्तुत किया, और इसे मुजतहिदों की सभा ने संविधान में स्थापित किया। ईरानी संविधान के अनुच्छेद 5 में ये स्पष्ट कर दिया गया कि इमाम के ग़ैबत में रहने की स्थिति में उम्मत/राष्ट्र का नेतृत्व और संरक्षण एक ऐसे न्यायप्रिय और पवित्र फ़ुकहा (मुजतहिद) के हवाले रहेगा, जो अपने दौर की परिस्थितियों का ज्ञाता हो, साहसी, उपाय कुशल और बेहतर प्रशासनिक क्षमता वाला हो। इसी के तहत मुजतहिदों और वकीलों की एक कौंसिल का निर्माण किया गया, जिसे शूरा - ए - निगेहबान कहा गया। इसमें सुप्रीम लीडर द्वारा चुने गए 6 मुजतहिद, और मजलिस द्वारा चुने गए 6 वकील शामिल हैं। उनकी प्रमुख शक्तियों में विधेयक पर वीटो लगाने, मुख्य न्यायधीश का चुनाव करने, और प्रत्याशियों को अस्वीकृत करने का अधिकार है। इस प्रकार जो मुजतहिद हैं, वो देश की नीति निर्धारण में निर्णायक भूमिका में हैं। साथ ही ये जनता के मध्य धार्मिक सत्ता का महत्व भी रखते हैं, और इनका अनुसरण जनता के लिए आवश्यक है। ये व्यवस्था जितनी ही संवैधानिक है, उतनी ही धार्मिक भी है।

अमेरिका की अधूरी समझ और संकीर्णता – शिया समुदाय के मूल में 'कर्बला' की चेतना है–जो अन्याय के विरुद्ध शहादत को स्वीकार करती है पर 'समर्पण' को नहीं। आज जब आयतुल्लाह सैयद अली खामनेई (र. अ.) की शहादत हो गयी है तो आने वाले भी उन्हीं की तरह मुजतहिद हैं, और ये परंपरा इसी दिशा में चलती रहने की व्यवस्था है। जिस तरीके से मुक़ल्लिद की ज़िन्दगी की मियाद होती है, उसी तरीके से मर्जा - ए - तकलीद की ज़िन्दगी भी नश्वर है। अगर कुछ बरक़रार रहेगा तो फ़िक़ा और तकलीद। यही फ़िक़ा और तकलीद के परिणामस्वरूप ईरान का संविधान और उसकी वर्तमान शासन व्यवस्था है। आज जब अमेरिका और इजराइल हमला कर रहे है, तो वहीँ के एक भूतपूर्व सैन्य अधिकारी स्कॉट रिटर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प को कर्बला और शिया विचारधारा की जड़ों और उसकी गहराई का कोई अंदाज़ा नहीं हैं। रिटर के अनुसार खामनेई साहब को शहीद करके अमरीका ने पहले ही दिन पूरे शिया समुदाय को एक शहीद के पीछे एकत्रित कर दिया है, और ये समुदाय सब कुछ स्वीकार करेगा सिवाय समर्पण के।

संक्षिप्त समाचार

पिपरिया में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत:एक युवक घायल

पिपरिया,(निप्र)। पिपरिया बनखेड़ी रोड पर रविवार रात सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसका भाई घायल हो गया। अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। मंगलवारा पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान बनखेड़ी निवासी मयंक ठाकुर (25) के रूप में हुई है। बाइक पर उनके साथ सवार उनके भाई संजय को मामूली चोटें आई हैं। घटना रविवार देर शाम रामपुर के आगे बासखेड़ा के बीच एक वेयरहाउस के पास हुई। हादसे के बाद मृतक के चाचा पवन ने 112 पर सूचना दी। राहगीरों की मदद से दोनों घायलों को पिपरिया के सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने मयंक ठाकुर को मृत घोषित कर दिया, जबकि संजय को प्राथमिक इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। मंगलवारा पुलिस ने मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है और अज्ञात वाहन की तलाश जारी है।

अवैध डीजल भंडारण पर जावर थाना पुलिस की कार्यवाही, 4825 लीटर डीजल जब्त

सीहोर ,(निप्र)। जिले में डीजल, पेट्रोल एवं गैस सिलेंडर के अवैध भंडारण को रोकने के उद्देश्य से पुलिस द्वारा निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते 29 मार्च की रात को जावर पुलिस द्वारा इंदौर भोपाल रोड़ स्थित चद्दर का टपरा (शेड) एवं टीन की गोदाम में अवैध रूप से भंडारित 4825 लीटर डीजल जब्त किया गया। इस डीजल की कीमत लगभग 04 लाख रूपये है। इसके साथ ही अवैध भंडारण करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध प्रकरण भी दर्ज किया गया है। जिन व्यक्तियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किया गया है, उनमें शाजापुर जिले के जरखी निवासी दीपसिंह परिहार और आष्टा के मालीपुरा निवासी जुगल जायसवाल एवं यश जायसवाल शामिल हैं। जावर थाना प्रभारी एवं उप पुलिस अधीक्षक श्री हेमंत पांडेय ने बताया कि यह कार्रवाई उप निरीक्षण संतोष विश्वकर्मा, प्रभारी आरक्षक जस्सुलाल सोलंकी, आरक्षक नरेन्द्र, मनोज, जितेन्द्र जमरे, सुरेन्द्र जमरा, अमित जमरे, कमलेश पंवार, सैनिक संतोष पोरवाल, राहुल परमार, संतोष, यशवंत, गोपाल और थाना जावर पुलिस द्वारा की गई।

घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने पर रोक ,9 प्रकरण दर्ज किए गए

रायसेन ,(निप्र)। कलेक्टर श्री अरुण कुमार विश्वकर्मा के निर्देशानुसार सोमवार को एसडीएम रायसेन एवं जिला आपूर्ति अधिकारी रायसेन के निर्देशन में श्री शैलेश सिंह नायब तहसीलदार रायसेन और श्रीमती संगीता बंजारी सहायक आपूर्ति अधिकारी रायसेन द्वारा रायसेन शहर में विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 14.2 किलोग्राम के घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में उपयोग करने वाले होटल/रेस्टोरेंट/ढावा संचालकों पर 9 प्रकरणों में 14.2 किलोग्राम के 13 घरेलू गैस सिलेण्डर एवं 1 छोटा 5 किलोग्राम का, इस प्रकार कुल 14 सिलेण्डर एवं 2 भटटी जप्त कर अमन गैस एजेन्सी सॉची रोड रायसेन की सुपुर्दगी में दिये गये। आगे भी घरेलू गैस सिलेण्डरों का व्यवसायिक उपयोग करने वाले होटल / रेस्टोरेंट / ढावा संचालकों पर कार्यवाही की जायेगी । साथ ही जिले के समस्त होटल / रेस्टोरेंट / ढावा संचालकों से अपील की जाती है कि घरेलू गैस सिलेण्डर का उपयोग व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में नहीं करते हुए कामर्शियल सिलेण्डर, लकडी / डीजल भटटी या इण्डेक्सन का ही उपयोग किया जाये ।

जल गंगा संवर्धन अभियान : बिसनूर और धाबला में जल मंदिर प्याऊ का किया शुभारंभ

बैतूल ,(निप्र)। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद द्वारा संचालित जल गंगा संवर्धन अभियान 2026 प्रदेशभर में 19 मार्च से 30 जून 2026 तक चलाया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्गत मप्र जन अभियान परिषद विकासखंड प्रभातपट्टन में विकासखंड समन्वयक राधा बरोदे की उपस्थिति में विभिन्न ग्रामों में जल संरक्षण एवं जनजागरूकता के माध्यम से समाज को जोड़ने के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

ग्राम बिसनूर की प्रस्फुटन समिति द्वारा राहगीरों की सुविधा के लिए बस स्टैंड पर जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ ग्राम सरपंच श्रीमती प्रियंका ठाकरे एवं प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष द्वारा पूजन कर किया गया। समिति द्वारा 4 मटकों की व्यवस्था की गई तथा प्रतिदिन पानी भरने की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की गई है। इसके अलावा ग्राम धाबला की प्रस्फुटन समिति द्वारा बिरूल बाजार रोड स्थित शिव मंदिर परिसर में जल मंदिर प्याऊ का शुभारंभ किया गया।

इस अवसर पर प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष द्वारा पूजन कर विधिवत शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ताप्ती नदी के घाट की सफाई भी की गई , जिससे स्वच्छता एवं जल संरक्षण का संदेश दिया जा सके। इस अवसर पर मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के स्टूडेंट्स एवं परामर्शदाता द्वारा जल संरक्षण की जनजागृति के लिए दीवार लेखन भी किया गया।

स्कूल चले अभियान के तहत भोज कन्या विद्यालय में जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव संपन्न

नवीन सत्र के शुभारंभ पर छात्राओं का स्वागत कर पाठ्य पुस्तकों व साइकिल का किया वितरण

धार। स्कूल चले अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन एकीकृत शासकीय भोज कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, धार में उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधायक नीना विक्रम वर्मा द्वारा विद्यालय की घंटी बजाकर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत अभिषेक चौधरी सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक श्रीमती वर्मा ने बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा ही सशक्त समाज की नींव है। उन्होंने छात्राओं को आत्मविश्वास, मेहनत एवं लगन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी, जिससे वे अपने परिवार, समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकें। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री चौधरी ने अपने उद्बोधन में कहा कि शासन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में अनेक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिनका लाभ उठाकर बालिकाएं अपने भविष्य को उज्ज्वल बना सकती हैं। उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बालिकाओं की शिक्षा को प्राथमिकता दें और उन्हें नियमित रूप से विद्यालय भेजें। कार्यक्रम में नवप्रवेशी छात्राओं का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया गया। साथ ही छात्राओं को निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों का वितरण एवं साइकिल वितरण भी किया गया। इस अवसर पर छात्राएं बहुत उत्साहित नजर आई। विद्यालय परिवार द्वारा सभी छात्राओं को नियमित अध्ययन, अनुशासन एवं आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया गया। स्वागत भाषण संस्था प्राचार्य राजेंद्र पांडे द्वारा दिया गया। जिला परियोजना समन्वयक प्रदीप खरे ने जिले की शैक्षणिक उपलब्धियों एवं नवीन शैक्षणिक सत्र के लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कार्यक्रम के दौरान विधायक द्वारा विद्यालय में चार नवीन शौचालय निर्माण की घोषणा भी की गई।

इस अवसर पर पार्षद आशा पटेल, सहायक आयुक्त नरोत्तम बरकड़े, जिला शिक्षा अधिकारी केशव वर्मा, डाइट प्राचार्य मनोज शुक्ला, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक श्री भरतराज सिंह राठौर एवं श्री देवेंद्र दीक्षित सहित जिला शिक्षा केंद्र एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ, अभिभावक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन सहायक परियोजना समन्वयक प्रवीण शर्मा द्वारा किया गया तथा आभार प्रदर्शन जिला शिक्षा अधिकारी केशव वर्मा ने किया।

जिले के सभी मंडलों के साथ बूथों पर ऐतिहासिक रूप से मनाया जाएगा भाजपा का स्थापना दिवस : महंत निलेश भारती

भाजपा स्थापना दिवस को लेकर जिला कामकाजी बैठक संपन्न

धार। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस आयोजन को लेकर बुधवार को भाजपा जिला कार्यालय पर जिला कामकाजी बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें 6 अप्रैल स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की गई। जिला कामकाजी बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष महंत निलेश भारती, धार विधायक नीना वर्मा, पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, जिला पंचायत अध्यक्ष सरदारसिंह मेडा, जिला महामंत्री राकेश पटेल, स्थापना दिवस आयोजन टोली संयोजक व भाजपा जिला महामंत्री देवेंद्र सोनोने, टोली के सह संयोजक प्रेमचंद परमार, कमल यादव व विनीत मंडलोई सरदारपुर के पूर्व विधायक वेलसिह भूरिया अतिथि रूप में मंचासीन थे।

अतिथियो ने सर्वप्रथम भारत माता व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी व पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण किया। सभी अतिथियो का भाजपा मंडल अध्यक्ष विशाल निगम व जयराज देवड़ा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दुपट्टा पहनाकर स्वागत किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने कहा कि हम सब विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के कार्यकर्ता हैं। और हम सभी को ऐतिहासिक रूप से हमारी पार्टी का स्थापना दिवस बड़े धुमधाम से मनाना हैं। प्रत्येक बूथ स्तर तक पार्टी की रीति-नीति, विचारधारा एवं जनहितकारी योजनाओं को पहुंचाने के लिए 6 अप्रैल पार्टी स्थापना दिवस से विशेष अभियान चलाया जाएगा । यह हम सभी कार्यकर्ताओं के लिए एक त्यौहार की तरह है। इसे हम सभी कार्यकर्ता बड़े हर्षोल्लास के साथ बूथ स्तर तक मनाएंगे।

स्थापना दिवस पर कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भाजपा जिला संयोजक देवेंद्र सोनोने ने बताया की स्थापना दिवस पर 5, 6, 7 अप्रैल को सभी जिला एवं मंडल कार्यालय पर विद्युत सजावट, 6 अप्रैल को कार्यकर्ता अपने घरों पर ध्वजारोहण करेंगे, सभी कार्यकर्ता सेल्फी फेसबुक पर अपलोड करें तथा प्रत्येक बूथ पर हमें स्थापना दिवस का कार्यक्रम करना है। 9 अप्रैल को सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित किया जाएगा जिसमें जिला कार्यालय में जिला स्तर के सक्रिय सदस्यों का सम्मेलन आयोजित करना। 7 अप्रैल से 12 अप्रैल तक सांसद विधायक सभी जनप्रतिनिधि एवं पूर्व जनप्रतिनिधियों के द्वारा गांव बस्ती चलो अभियान के निमित्त कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। धार विधायक नीना वर्मा ने कहा कि हमे पार्टी का स्थापना दिवस बड़े त्यौहार के रूप में मनाना है। शासन ने आप जनता के लिए कई महत्वकांक्षी योजनाएँ बनाई है। उनकी जानकारी कार्यकर्ता आम लोगो को दे। पूर्व मंत्री राजवर्धनसिंह दत्तीगांव ने कहा कि हमे गर्व होना चाहिए कि हम विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक दल के सदस्य है।सभी भाजपा कार्यकर्ताओं को कामयाबी के साथ-साथ अपने अतीत को भी याद रखना होगा। हमें अपने पुराने कार्यकर्ताओं से संवाद जारी रखना है, उनसे मिलना है, उन्हें समझना है। उन सभी के संघर्ष से आज पार्टी विश्व की सबसे बड़ी पार्टी बनी है। कामकाजी बैठक में जिला पदाधिकारी जिले के सभी मंडल अध्यक्ष व महामंत्री नव नियुक्त एल्डर मेन सहित वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहें। बैठक का संचालन जिला मंत्री व टोली के सह संयोजक कमल यादव ने किया। आभार जिला मंत्री विनीत मंडलोई ने माना। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

हरदा में सड़क हादसा

19 साल की आरती की मौत : चाचा के आने का कर रही थी इंतजार, सिर में चोट लगने से गई जान

हरदा ,(निप्र)। छीपाबड़ थाना क्षेत्र के ग्राम नीमसराय के पास एक सड़क हादसे में 19 वर्षीय युवती की मौत हो गई। मृतका की पहचान आरती पिता शिवशेल मिश्रा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरती अपने चाचा व्योमकेश मिश्रा के साथ हरदा आने के लिए नीमसराय गांव से निकली थी। उनके चाचा अपना मोबाइल घर पर भूल गए थे, जिसे लेने वे वापस घर गए।

सड़क किनारे कर रही थी इंतजार बाइक ने टक्कर मारी

आरती सड़क किनारे एक पेड़ के पास बैठकर चाचा का इंतजार कर रही थी। तभी एक अज्ञात बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इस हादसे में आरती के सिर में गंभीर चोटें आईं। उसे तुरंत एम्बुलेंस से जिला अस्पताल ले जाया गया, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। जिला अस्पताल के डॉक्टरों के मुताबिक, सिर में गंभीर चोट लगने के कारण ही उसकी जान गई। शाम को जिला अस्पताल में मृतका के शव का पोस्टमार्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि आरती अपने तीन भाई-बहनों में दूसरे नंबर पर थी।

राष्ट्रीय मंच पर चमका विदिशा - गौमय उत्पादों को SKOCH अवॉर्ड, 2150 महिलाओं की मेहनत को मिला सम्मान

गौशालाओं से आत्मनिर्भरता की राह - पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अनूठा संगम

विदिशा ,(निप्र)। विदिशा जिले के लिए यह गर्व का क्षण है कि जिले में निर्मित गौमय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। नई दिल्ली में आयोजित एसकेओसीएच समिट 2026 के दौरान विदिशा की गौशालाओं से जुड़े उत्पादकों को प्रतिष्ठित एसकेओसीएच पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि न केवल जिले के लिए गौरव का विषय है, बल्कि ग्रामीण नवाचार और स्वावलंबन का सशक्त उदाहरण भी बनकर सामने आई है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता को नई दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में विदिशा जिले को प्राप्त अवार्ड सम्मान प्रमाण पत्र को सौंपा गया है। गौरतलब हो कि कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में जिला पंचायत सीईओ श्री ओपी सनोडिया और पशु चिकित्सा सेवाएं विभाग के उप संचालक डॉ एनके शुक्ला ने दिल्ली में उक्त अवार्ड प्रमाण पत्र को प्राप्त किया था। जिसे आज कलेक्टर चेम्बर में उल्लेखित अधिकारियों के द्वारा सौंपा गया है।

कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की प्रेरणादायक मार्गदर्शन में दीपावली 2025 से पहले एक व्यापक अभियान चलाया गया। इसके अंतर्गत विदिशा जिले की 45 गौशालाओं एवं आजीविका मिशन से जुड़ी 182 महिला स्व-सहायता समूहों की लगभग 2150 महिलाओं को गौमय उत्पाद निर्माण से जोड़ा गया है। इस पहल के तहत महिलाओं ने गोबर से बने करीब 250 प्रकार के पर्यावरण अनुकूल उत्पाद तैयार किए, जिनमें दीपक, हवन कप, धूपबत्ती, मूर्तियां और सजावटी सामग्री प्रमुख हैं। उत्पादन को गति देने के लिए 108 हस्तचालित मशीनें और बड़ी संख्या में सांचे उपलब्ध कराए गए, जिससे बड़े पैमाने पर गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार किए जा सके। परिणामस्वरूप लगभग 25 लाख गौमय दीपकों का निर्माण किया गया, जिन्हें देश के विभिन्न शहरों में भेजकर बिक्री की गई। इस पूरी प्रक्रिया से उत्पादकों को करीब 12.50 लाख रुपये की शुद्ध आय प्राप्त हुई, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिली।

प्रभाव और भविष्य की दिशा

इस अभिनव मॉडल की सफलता के बाद इसे और व्यापक स्तर पर लागू करने की योजना बनाई जा रही है। भविष्य में अधिक गौशालाओं और स्व-सहायता समूहों को जोड़कर उत्पादन बढ़ाने तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों तक पहुंच बनाने पर जोर दिया जाएगा। कलेक्टर के नवाचारों का यह प्रयास दिखाता है कि स्थानीय संसाधनों और सामूहिक प्रयासों के माध्यम से किस तरह आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक विकास को एक साथ आगे बढ़ाया जा सकता है।

'स्कूल में मेरे साथ गैंगरेप हुआ'

● सतना में बॉयफ्रेंड के कहने पर पांच महीने की प्रेग्नेंट लड़की ने गढ़ी झूठी कहानी

सतना (नप्र)। मध्य प्रदेश के सतना जिले स्थित रामपुर बघेलान क्षेत्र में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। एक नाबालिग लड़की की तबीयत बिगड़ने पर पता चला कि वह पांच महीने की गर्भवती है। उसने सभी को गुमराह करने के लिए स्कूल के शिक्षक

और दो नकाबपोश लोगों पर गैंगरेप का आरोप लगा दिया है। पुलिस की जांच में जब मामले का खुलासा हुआ तो सभी लोग हैरान रह गए। बॉयफ्रेंड के कहने पर लड़की ने सभी को गुमराह करने की कोशिश की।

पांच महीने की प्रेग्नेंट है लड़की

दरअसल, मंगलवार की शाम बुजुर्ग महिला अपनी पोती को लेकर सतना जिला अस्पताल पहुंची थी। डॉक्टरों ने जांच के बाद बताया कि वह पांच महीने की गर्भवती है। यह सुनकर परिवार के लोगों के होश उड़ गए। लड़की ने उन्हें गैंगरेप की कहानी सुनाई। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई है। पुलिस की टीम पहुंची और लड़की के बयान दर्ज किए। लड़की ने पहले पुलिस और परिजनों को बताया कि स्कूल के कमरे में बंदकर एक शिक्षक और दो नकाबपोश लोगों ने गैंगरेप किया है। इस आरोप से प्रशासनिक महकमे के हाथ-पांव फूल गए। इसके बाद मामले में पड़ताल शुरू हुई। परिवार और गांव के लोगों से पूछताछ शुरू हुई। छात्रा का कहना था कि यह घटना दिवाली के समय की है।

प्रेमी के कहने पर गढ़ी झूठी कहानी- मामले की जांच में कई चीजें सामने आईं, जिसमें गैंगरेप के संकेत नहीं मिल रहे थे। इसके बाद लेडी एसआई प्रीति कुशवाहा ने उससे अलग में पूछताछ शुरू की तो उसने सच उगल दिया। बताया कि गांव के एक लड़के के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा है। उसी के साथ संबंध बनाए थे। उसी के कहने पर हमने झूठी कहानी गढ़ी ताकि लोगों को सच नहीं पता चल सके। गौरतलब है कि मामले की सच्चाई सामने आने के बाद सतना पुलिस ने राहत की सांस ली है। साथ ही अब विस्तार से मामले की जांच कर रही है। इसके बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। हाल के दिनों में मध्य प्रदेश में नाबालिग लड़कियों के गर्भवती होने के कई मामले सामने आए हैं।

दूल्हे ने शादी की खुशी में नहीं पिलायी शराब

● पड़ोसियों ने नई नवेली दुल्हन समेत पूरे परिवार को पीटा

ग्वालियर (नप्र)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले से एक ऐसी घटना सामने आई है जिसने सामाजिक मर्यादाओं और कानून व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। जिले के आरोन थाना इलाके के पटाई गांव में एक नई नवेली दुल्हन के ससुराल पहुंचते ही खुशियों का माहौल चीख-पुकार में बदल गया। वजह सिर्फ इतनी थी कि दूल्हे ने पड़ोसियों की मुफ्त शराब की मांग पूरी नहीं की।

मुंह दिखाई के बीच पड़ोसियों का तांडव- पटाई गांव के रहने वाले महेश की शादी 30 मार्च को हुई थी। 31 मार्च की शाम महेश अपनी दुल्हन की विदाई कराकर घर लौटा था। घर में मेहमान जुटे थे और नई बहू की मुंह दिखाई की रस्म चल रही थी। इसी बीच पड़ोस में रहने वाले मनोज और भीम अपने साथियों के साथ वहां आ धमके। उन्होंने दूल्हे महेश से शादी की खुशी में शराब पीने के लिए पैसों की मांग की।

दुल्हन और मेहमानों पर हमला

जब महेश ने शराब के लिए पैसे देने से साफ इनकार कर दिया, तो विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते मनोज और भीम ने अपने साथियों के साथ मिलकर दूल्हा महेश, नई नवेली दुल्हन और परिवार के अन्य सदस्यों पर हमला बोल दिया। अपने मेजबान को पिटता देख घर में मौजूद मेहमान भी आपा खो बैठे और दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुके थे।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों पक्षों के बीच शराब के पैसों को लेकर विवाद हुआ था। घटना के समय दोनों तरफ से एक-एक व्यक्ति नशे की हालत में था। मामले की जांच शुरू कर दी गई है और साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

नशे और नफरत का पुराना गठजोड़- ग्वालियर-चंबल अंचल के ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं जहां छोटी-छोटी बातों या अवैध मांगों पर हिंसक झड़पें होती हैं। यह मामला सीधे तौर पर पुलिसिंग और सामाजिक सुरक्षा की कमी को दर्शाता है। एक गरीब परिवार की शादी की खुशियों को पड़ोसियों के नशे की लत ने बर्बाद कर दिया। अब देखना यह है कि प्रशासन इन दबंगों पर क्या कार्रवाई करता है।

8 साल में उजड़ गए महाराष्ट्र-एमपी के जंगल

मध्य प्रदेश में 19851 वर्ग किमी ग्रीन कवर घटा, भोपाल में लगाए पौने आठ लाख पौधे

भोपाल (नप्र)। बढ़ते शहरीकरण और विकास परियोजनाओं के कारण जंगल खत्म हो रहे हैं। ग्रीन कवर तेजी से घट रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लोकसभा में पेश किए गए ताजा आंकड़ों ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पिछले 8 सालों में (2015 से 2023 के बीच) देश के दो बड़े राज्यों महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में ग्रीन कवर (वन और वृक्ष आवरण) तेजी से घटा है।

भोपाल सांसद आलोक शर्मा सहित अन्य सांसदों द्वारा पूछे गए एक सवाल के जवाब में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने यह डेटा सदन के पटल पर रखा। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक ग्रीन कवर घटने के मामले में महाराष्ट्र देश में पहले नंबर पर है, जबकि मध्य प्रदेश दूसरे स्थान पर है।

एमपी: 19,851 वर्ग किमी जंगल साफ- टाइगर स्टेट के नाम से मशहूर मध्य प्रदेश में हरियाली का दायरा तेजी से सिमटा है। साल 2015 में प्रदेश का कुल वन और वृक्ष आवरण 85,235 वर्ग किमी था, जो 2023 की रिपोर्ट में घटकर 65,383.41 वर्ग किमी रह गया है। यानी महज 8 सालों में राज्य ने 19,851.59 वर्ग किमी का हरा-भरा क्षेत्र खो दिया। यह क्षेत्रफल कई छोटे राज्यों के कुल आकार से भी बड़ा है।

महाराष्ट्र की स्थिति सबसे भयावह

आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि महाराष्ट्र में हरियाली की सबसे ज्यादा बलि चढ़ी है। 2015 में यहां 60,186 वर्ग किमी ग्रीन कवर था, जो 2023 में घटकर सिर्फ 16,795.28 वर्ग किमी रह गया है। महाराष्ट्र में कुल 43,390.72 वर्ग किमी की रिकॉर्ड गिरावट दर्ज की गई है, जो देश में किसी भी राज्य में सबसे अधिक है।

क्यों घट रहा है ग्रीन कवर?

सदन में दी गई जानकारी के अनुसार हरित भारत मिशन और अन्य योजनाओं के जरिए वनीकरण के प्रयास तो हो रहे हैं, लेकिन धरातल पर बड़े राज्यों में कवर का कम होना चिंता का विषय है। हालांकि, सरकार का दावा है कि राष्ट्रीय स्तर पर 2015 से 2023 के बीच कुल वन क्षेत्र में 33,111.95 वर्ग किमी की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि आंध्र प्रदेश, केरल और झारखंड जैसे राज्यों में जंगल बढ़ा है।

टॉप-5 राज्य: जहां ग्रीन कवर सबसे ज्यादा घटा

● **महाराष्ट्र:** यहां सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई, जहां वन क्षेत्र 60,186 वर्ग किमी से घटकर 16,795.28 वर्ग किमी रह गया। महाराष्ट्र में कुल 43,390.72 वर्ग किमी ग्रीन कवर घटा है। ● **मध्य प्रदेश:** दूसरे नंबर पर एमपी है, जहां कवर 85,235 वर्ग किमी से घटकर 65,383.41 वर्ग किमी रह गया है। एमपी में आठ सालों में 19,851.59 वर्ग किमी वन क्षेत्र घट गया है।

● **कर्नाटक:** यहां का दायरा 41,973 वर्ग किमी से कम होकर 24,965.3 वर्ग किमी पर आ गया है। यहां 17,007.7 वर्ग किमी ग्रीन कवर कम हुआ है। ● **मिजोरम:** पूर्वोत्तर के इस राज्य में कवर 19,283 वर्ग किमी से घटकर 12,616.49 वर्ग किमी रह गया। यहां 6,666.51 वर्ग किमी फॉरेस्ट एरिया घटा है।

● **जम्मू और कश्मीर:** यहां हरियाली 31,342 वर्ग किमी से घटकर 27,403.33 वर्ग किमी रह गई। यहां 3,938.67 वर्ग किमी ग्रीन कवर कम हुआ है।

(इन राज्यों में 2015 के मुकाबले 2023 में हरियाली का दायरा सबसे अधिक घटा है)

5 राज्य: जहां ग्रीन कवर में सबसे ज्यादा 'बढ़ोतरी' हुई

इन राज्यों ने पिछले आठ वर्षों में अपने वन आवरण में सबसे शानदार सुधार किया है-

केरल: यहां ग्रीन कवर सबसे ज्यादा बढ़ा है। यहां वन क्षेत्र 22,190 वर्ग किमी से बढ़कर 85,723.58 वर्ग किमी हो गया। केरल में 63,533.58 वर्ग किमी बढ़ गया है।

नगालैंड: यहां का वन क्षेत्र 13,347 वर्ग किमी से बढ़कर 58,597.01 वर्ग किमी पहुंच गया है। यहां 45,250.01 वर्ग किमी ग्रीन कवर बढ़ा है।

झारखंड: यहां कवर 26,261 वर्ग किमी से बढ़कर 47,033.42 वर्ग किमी हो गया है। यहां 20,772.42 वर्ग किमी की ग्रीन कवर में बढ़ोत्तरी हुई है।

आंध्र प्रदेश: यहां हरियाली 28,389 वर्ग किमी से बढ़कर 35,424.98 वर्ग किमी हुई है। यहां 7,035.98 वर्ग किमी ग्रीन कवर बढ़ा है।

तेलंगाना: यहां का दायरा 24,140 वर्ग किमी से बढ़कर 31,820.94 वर्ग किमी हो गया है। तेलंगाना में 7,680.94 वर्ग किमी फॉरेस्ट एरिया बढ़ा है।

भोपाल में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान में लगे पौने आठ लाख पौधे

सांसद आलोक शर्मा के सवाल पर सरकार ने भोपाल के आंकड़े भी साझा किए हैं। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत राजधानी में हुए पौधरोपण की स्थिति बताती है कि भोपाल जिले में पोर्टल के अनुसार अब तक कुल 7,74,465 पौधे लगाए गए हैं। इस अभियान का ज्यादा असर ग्रामीण इलाकों में देखने को मिला, जहां 6,82,934 पौधे रोपे गए, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 91,531 रही। पूरे जिले में इस कार्य के लिए कुल 694 साइटों को चुना गया था।

कंबाइन हार्वेस्टरों को मिलेगी टोल से छूट : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

● इंदौर-उज्जैन तथा उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग निर्माण को मिला अनुमोदन ● पश्चिम भोपाल बायपास का परिवर्तित एलाइनमेंट अनुमोदित ● मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संचालक मंडल की हुई बैठक

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार किसान कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। किसान कल्याण वर्ष 2026 में 'समृद्ध किसान-समृद्ध प्रदेश' के विचार को सार्थक करते हुए किसान हित में अनेक निर्णय लिए जा रहे हैं। अब कृषि प्रयोजन के लिए उपयोग किये जाने वाले कंबाइन हार्वेस्टरों को मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के टोल प्लाजा पर शुल्क संग्रहण से छूट रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि फसल कटाई में प्रयुक्त होने वाला कंबाइन हार्वेस्टर आवश्यक कृषि उपकरण है। टोल मार्गों पर टोल छूट दिए जाने से हार्वेस्टर की परिवहन लागत में कमी आएगी। जिसका सकारात्मक प्रभाव कृषि उपज के मूल्य पर होगा, यह निर्णय कृषकों के लिए हितकर सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह निर्देश मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम के संचालक मंडल की बैठक में दिए। समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित बैठक में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में हुई संचालक मंडल की बैठक में इंदौर-उज्जैन ग्रीन फील्ड मार्ग और उज्जैन-जावरा ग्रीन फील्ड मार्ग के नॉन एक्सेस कंट्रोल परियोजना के रूप में निर्माण को अनुमोदन प्रदान किया गया। संचालक मंडल ने पश्चिम भोपाल बायपास के परिवर्तित एलाइनमेंट को अनुमोदन प्रदान कर निर्माण की सैद्धांतिक स्वीकृति प्रदान की। बैठक में वार्षिक लेखों तथा अन्य प्रबंधकीय विषयों पर विचार-विमर्श हुआ तथा निर्णय लिए गए। बैठक में अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे, श्री मनीष रस्तोगी, प्रमुख सचिव लोक निर्माण श्री सुखबीर सिंह, प्रमुख सचिव वन श्री संदीप यादव तथा प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम श्री भरत यादव उपस्थित थे।

शॉर्ट एनकाउंटर में पकड़ाया चाय कारोबारी का हत्यारा आसिफ

भोपाल पुलिस बोली- फायरिंग कर भाग रहा था; हिंदू संगठन ने की बुलडोजर चलाने की मांग

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 35 वर्षीय चाय कारोबारी विजय राजपूत मेवाड़ा (बिट्टू) की हत्या करने के मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पकड़ लिया गया है। इससे पहले पुलिस ने तीन संदेहियों फरमान, कालू और इमरान को गिरफ्तार किया था। आसिफ ने अशोका गार्डन इलाके में रविवार रात विजय की चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। उसकी गिरफ्तारी और मकान पर बुलडोजर चलाने के लिए हिंदूवादी संगठनों ने बुधवार सुबह 11.30 बजे प्रदर्शन शुरू किया था, जो दोपहर 1 बजे तक चला।

भोपाल पुलिस कमिश्नर संजय कुमार के मुताबिक, इसी प्रदर्शन के दौरान पुलिस को आसिफ के रातीबड़ इलाके में होने की सूचना मिली। पुलिस ने घेराबंदी की तो आसिफ ने फायरिंग कर दी। दोपहर 12:00 से 12:15 बजे तक शॉर्ट एनकाउंटर चला, जिसमें आरोपी के पैर में गोली लगी। इसके बाद उसे पकड़ लिया गया। आसिफ को भोपाल के हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उसके खिलाफ 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। मौके से पुलिस ने एक पिस्टल भी जब्त की है।

मंत्री सारंग बोले-

हत्यारे को फांसी मिलनी चाहिए

मंगलवार रात मंत्री विश्वास सारंग, विजय के घर पहुंचे थे और परिजन को ढांढस बांधा था। उन्होंने कहा- यह बहुत ही वीभत्स घटना हुई है। मैं स्वयं पीड़ित परिवार से मिला था। विजय बहुत ही होनहार युवा थे। एक गलत घटना को अंजाम दिया गया है। हत्यारे को फांसी की सजा मिलनी चाहिए। बिना बात, बिना किसी कारण के एक होनहार युवा की हत्या की गई, जो सहन नहीं किया जाएगा।

होटल कर्मचारी ने शादी का झांसा देकर किया रेप

इंदौर से भोपाल परीक्षा देने आई थी युवती, कई बार बुलाकर करता रहा जबरदस्ती

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल के मंगलवारा इलाके में एक होटल में ठहरी इंदौर की युवती के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता यहां परीक्षा देने आई थी। आरोप है कि जिस होटल में वह ठहरी थी, वहीं के कर्मचारी ने शादी का झांसा देकर उसके साथ रेप किया। पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

पहली मुलाकात होटल में, फिर मोबाइल पर बढ़ी नजदीकियां- पुलिस के मुताबिक इंदौर निवासी 24 वर्षीय युवती साल 2025 में अपनी सहेली के साथ परीक्षा देने भोपाल आई थी। दोनों मंगलवारा क्षेत्र के एक होटल में रुकी थीं। इसी दौरान युवती की पहचान होटल कर्मचारी शुभम चौधरी से हुई। परीक्षा के बाद युवती इंदौर लौट गई, लेकिन दोनों के बीच मोबाइल पर बातचीत जारी रही।

जमीनी विवाद में दो पक्षों में मारपीट

एक की मौत, 6 लोग घायल

मामा-बुआ के परिवार आपस में भिड़े, एक-दूसरे पर कुल्हाड़ी-दरांती से हमला

हरदा (नप्र)। हरदा जिले के सिराली थाना क्षेत्र के दीपगांव कला में बुधवार सुबह जमीन विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। एक एकड़ जमीन पर कब्जे को लेकर दो पक्षों के बीच हुए विवाद में 65 वर्षीय बुजुर्ग की हत्या कर दी गई। घटना में दोनों पक्षों के कुल छह लोग घायल हुए हैं। मृतक की पहचान दीपगांव निवासी अमरसिंह पिता जयसिंह कलम (65) के रूप में हुई है। घायलों में अमरसिंह के भाई सूरत सिंह, रामभरोस, आनंद सिंह, हरिसिंह, सतीश राजपूत और दूसरे पक्ष से नारायण राजपूत शामिल हैं। सभी घायलों को पहले सिराली के सरकारी अस्पताल ले जाया गया। इनमें से तीन गंभीर घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

एक एकड़ जमीन को लेकर हुआ विवाद- एसपी शशांक ने बताया कि एक ही परिवार के दो पक्षों के बीच एक एकड़ जमीन पर बखरनी कर कब्जा करने को लेकर विवाद हुआ था, जो बाद में

मारपीट में बदल गया। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई।

इन आरोपियों पर मामला दर्ज- मृतक के भाई आनंद सिंह राजपूत की शिकायत पर रूपसिंह पटेल, भागवत सिंह, कैलाश, दिनेश, नारायण, हरिओम और गोलू के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पुलिस ने कुछ आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

कुल्हाड़ी, दरांती और लाठी से हमला- आनंद सिंह राजपूत ने बताया कि आरोपी पक्ष के लोग उनके रिश्तेदार हैं। जमीन को लेकर मामला सिविल कोर्ट में विचाराधीन है। बुधवार सुबह आरोपी रूपसिंह सहित करीब 15 लोग जमीन पर कब्जा करने पहुंचे और बखरनी करने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने कुल्हाड़ी, दरांती और लाठियों से हमला कर दिया, जिसमें अमरसिंह की मौत हो गई। परिजनों के अनुसार, यह जमीन उनके नाना घनश्याम पटेल से जुड़ी है। परिवार के बीच पहले से ही जमीन को लेकर विवाद चल रहा है और मामला कोर्ट में लंबित है।

एएसपी समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे- घटना की सूचना मिलते ही सिराली थाना प्रभारी सीताराम पटेल पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। वहीं, एएसपी अमित कुमार मिश्रा और प्रभारी एसडीओपी अरुणा सिंह ने भी मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। मृतक अमरसिंह के शव का पोस्टमार्टम खिरकिया अस्पताल में कर परिजनों को सौंप दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मामा-बुआ के परिवार आपस में भिड़े- यह विवाद दो एकड़ जमीन पर कब्जे को लेकर मामा और बुआ के परिवारों के बीच हुआ बताया जा रहा है।